THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

मोदी के सिर पर राजस्थानी लहरिया पगड़ी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर गुरुवार को लालकिले पर तिरंगा फहराया। पंडित नेहरू (17 बार) और इंदिरा गांधी (16 बार) के बाद सबसे ज्यादा 11 बार झंडा फहराने वाले तीसरे पीएम हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर मोदी का पहनावा हमेशा चर्चा में रहता है। इस बार उन्होंने सफेद कुर्ता, चूड़ीदार पायजामा, लाइट ब्लू कलर का बंद गला हाफ जैकेट के साथ राजस्थानी लहरिया पगड़ी पहनी। मोदी ने इस बार नारंगी, पीले और हरे रंग के कॉम्बिनेशन की पगड़ी पहनी। 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने राजस्थानी पगड़ी ही पहनी थी।

वर्ष-29 अंक : 145 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.11 2081 शुक्रवार, 16 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

देश में सेक्युलर सिविल कोड हो : पीएम मोदी

75 हजार नई मेडिकल सीटें बनेंगी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले पर तिरंगा फहराया। अपने 103 मिनट के भाषण में पीएम ने कहा कि देश में अगले 5 साल में 75 हजार मेडिकल सीटें बढ़ाई जाएंगी। वहीं कोलकाता रेप-मर्डर पर उन्होंने कहा- ऐसे राक्षसों को फांसी पर लटका दिया जाए।

बतौर प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार 11वीं बार लाल किले पर झंडा फहराया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देशवासियों को माई-बाप कल्चर से गुजरना पड़ा था। हमने गवर्नेंस के इस मॉडल को बदला है। देश में 75 सालों से कम्युनल सिविल कोड है। अब देश को सेक्युलर सिविल कोड की जरूरत है। लाल किले पर मुख्य समारोह में शामिल होने से पहले पीएम ने सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। 78वें स्वतंत्रता दिवस की थीम विकसित भारत रखी गई है। इसके तहत स्वतंत्रता के 100वें साल यानी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है।

सरकारी नीतियों पर मोदी...

> विकसित भारत : पीम ने कहा- 2047 विकसित भारत हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। ये देश चलने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं तीसरे टर्म में तीन गुना काम करूंगा। ताकि देश के सपनों को पूरा कर सकूं। अब दुनिया के लिए डिजाइनिंग इंडिया पर बल देना है, अब इंडियन स्टैंडर्ड, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बनने चाहिए। डिजाइन के क्षेत्र में हम दुनिया को बहुत कुछ दे सकते हैं।

> न ई शिक्षा नीति : एजुकेशन सिस्टम में नई शिक्षा नीति आने से मातृ भाषा को बल मिला। भाषा टैलेंट के रास्ते नहीं आनी चाहिए। जीवन में मातृ भाषा को बल देना होगा। आज दुनिया में जैसा बदलाव हो रहा है, अब जाकर स्किल का महत्व बढ़ गया है।

> न्याय संहिता : हमने 1500 से ज्यादा कानूनों को खत्म कर दिया। छोटी गलती के चलते जेल जाने वाले कानूनों को खत्म कर दिया। आज हमने जो आजादी की विरासत की गर्व की बात करते हैं। सदियों से जो पुराने क्रिमिनल लॉ थे, उन्हें खत्म किया है। हमने दंड नहीं न्याय पर फोकस रखा।

> आत्मनिर्भर भारत : डिफेंस सेक्टर में हमारी आदत हो गई थी कि बजट का पैसा कहां जाता है, विदेश से इंपोर्ट करते थे। आज इसमें आत्मनिर्भर बने हैं। आज डिफेंस मैनयूफैक्चरिंग का हब बने हैं। दुनिया में हथियार एक्सपोर्ट कर रहे हैं।

> बैंकिंग सेक्टर : बैंकिग क्षेत्र में हमने रिफॉर्म किया तो दुनिया की मजबूत बैंकों में हमारी बैंकों ने स्थान बनाया। बैंकिंग सेक्टर मजबूत हो तो विकास भी होता है, हमारे नौजवानों को पढ़ाई, विदेश जाने के लिए लोन चाहिए। किसानों को लोन चाहिए, रेहड़ी पटरी वाले भी लोन ले रहे और विकास में भागीदार बन रहे हैं।

> कृषि रिफॉर्मिंग : हम किसानों की मदद कर रहे हैं, आसान लोन दे रहे हैं, उसे टेक्नोलॉजी दे रहे हैं। उसे एंड टु एंड होल्डिंग मिले उस दिशा में काम रहे हैं। आज दुनिया के लिए ऑर्गेनिक फूड बनाने वाला फूड बॉस्केट हमारे देश का किसान बना सकता है।

मोदी बोले-2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा करेंगे :

मोदी ने कहा, हमारे पूर्वज सिर्फ 40 करोड़ थे, उन्होंने गुलामी जंजीरों को तोड़ दिया था। हमारे पूर्वजों का खून हमारी रगों में है। अगर 40 करोड़ गुलामी की बेड़ियों को तोड़ सकते हैं, तो 140 करोड़ नागरिक अगर संकल्प लेकर चल पड़ें, तो चुनौतियां कितनी बड़ी क्यों न हो, हर चुनौती को पार करते हुए हम समृद्ध भारत बना सकते हैं। हम 2047 विकसित भारत का संकल्प प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि देशवासियों ने अपने अनुभव से हमें विकसित भारत बनाने के सुझाव दिए हैं। इस साल और पिछले कुछ सालों से प्राकृतिक आपदा के कारण हमारी चिंता बढ़ती जा रही है।

कोलकाता रेप-मर्डर पर कहा राक्षसों को फांसी हो

राहुल को सबसे आखिरी सीट दी

> *विवाद बढ़ने पर सरकार की सफाई*

> *आगे की सीटें ओलिंपिक पदक विजेताओं के लिए रिजर्व थीं*

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। लाल किले पर देश का 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राहुल गांधी के सीटिंग अरेंजमेंट विवादों में घिर गया है। उन्हें ओलिंपिक खिलाड़ियों के बाद, पीछे से दूसरी लाइन में सीट दी गई। 2014 के बाद से यह पहला मौका था,जब राहुल बतौर नेता विपक्ष के रूप में समारोह में पहुंचे थे। वीडियो वायरल होने के बाद यह कहा जाने लगा कि 233 सांसदों के प्रतिनिधि का अपमान किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस विवाद पर सरकार की तरफ से सफाई आई है कि राहुल को पीछे की सीट इसलिए दी गई, क्योंकि आगे की सीटे ओलिंपिक खिलाड़ियों के लिए रिजर्व थीं। कांग्रेस ने 543 सदस्यों वाली लोकसभा के लिए हुए चुनावों में 2014 में 44 और 2019 के चुनावों में 52 सीटें जीतीं। इसलिए विपक्ष के नेता पद खाली था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं।

स्वतंत्रता कितनी कीमती है, बांग्लादेश को देख लें : सीजेआई

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के एक कार्यक्रम में चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह इस बात की याद दिलाता है कि स्वतंत्रता हमारे लिए कितनी कीमती है। सीजेआई ने कहा, हमने 1950 में संविधान अपनाया और इसका अनुसरण किया। यही वजह है कि स्वतंत्रता में किसी प्रकार का दखल नहीं है। स्वतंत्रता या आजादी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ये कितनी महत्वपूर्ण है, अतीत की कहानियों से समझा जा सकता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने ये भी कहा कि आज का दिन हमें संविधान के सभी मूल्यों को साकार करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की याद दिलाता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, आजादी की लड़ाई में देश ने क्या झेला, उस वक्त संविधान और कानून की क्या स्थिति थी, ये सभी जानते हैं। हमें उन स्वतंत्रता सेनानियों को सलाम करना चाहिए, जिन्होंने आजादी के संघर्ष में शामिल होने के लिए वकालत तक छोड़ दी। बाबा साहेब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, गोविंद् वल्लभ पंत, देवी प्रसाद खेतान, सर सैयद मोहम्मद सादुल्लाह जैसे कई महापुरुषों ने खुद को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया था। ये सभी भारत की आजादी के नायक थे। इन्होंने एक स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना में भी योगदान दिया। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कोर्ट की मौजूदा प्रोसेस पर भी बात की। सीजेआई ने कहा, पिछले 24 सालों में एक जस्टिस के रूप में मैं अपने दिल पर हाथ रखकर कह सकता हूं कि कोर्ट का काम उतना ही संघर्ष भरा है जितनी एक आम आदमी की जिंदगी।

भागवत बोले-बांग्लादेश में अशांति हिंदू बेवजह निशाना बन रहे

मुसीबत में मदद करना हमारी परंपरा, भारत पर अपनी रक्षा करने की जिम्मेदारी

नागपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर नागपुर में संघ मुख्यालय पर झंडा फहराया। उन्होंने कहा, आने वाली पीढ़ी को उस आजादी की रक्षा करनी होगी, जो हमें अनगिनत लोगों के बलिदान के बाद मिली है।

भागवत ने बांग्लादेश संकट का जिक्र करते हुए कहा, पड़ोसी देश में बहुत अशांति है। वहां रहने वाले हिंदू भाइयों को बिना किसी गलती के भी गर्मी सहनी पड़ रही है। भारत को अपनी रक्षा करने और स्वतंत्र रहने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, दुनिया के हित के लिए खुद को समायोजित करना भी हमारी परंपरा रही है। पिछले कुछ सालों में आपने देखा होगा कि हमने किसी पर हमला नहीं किया। जब भी कोई मुसीबत में था, हमने उसकी मदद की है। दिल्ली में 14 अगस्त को आरएसएस और भाजपा के शीर्ष नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी। इसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिंदुओं/सिखों/बौद्धों) के खिलाफ चल रहे हमलों पर चर्चा हुई। साथ ही अल्पसंख्यकों पर हमले के खिलाफ शुक्रवार को मौन विरोध और नारी शक्ति मार्च पर विचार किया गया। मार्च सुबह 11 बजे मंडी हाउस से शुरू होगा और जंतर-मंतर पर समाप्त होगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की महिलाएं भाग लेंगी। साढ़े छह घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि बांग्लादेशी हिंदुओं के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कैसे उठाया जाए। बैठक में नेताओं ने कहा कि बांग्लादेश के हिन्दुओं की दुर्दशा को वैश्विक स्तर पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। उनकी सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विदेशों में बसे सांसदों से संपर्क करने पर चर्चा हुई।

ईडी ने अवंता ग्रुप की 678 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

बैंक धोखाधड़ी का मामला

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी जांच के तहत अवंता समूह की 678 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की भूसंपत्तियां धनशोधन रोधी कानून के तहत कुर्क की हैं। निदेशालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हरियाणा, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में स्थित संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। ये संपत्तियां अवंता समूह की विभिन्न कंपनियों की हैं। अवंता समूह का स्वामित्व और नियंत्रण व्यवसायी गौतम थापर के पास है। ईडी ने एक बयान में कहा, 19 अगस्त 2019 को सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड' ने सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 के तहत बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज' और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' के समक्ष उन जानकारियों का खुलासा किया था, जिनका कंपनी की वित्तीय स्थिति पर संभावित प्रभाव था। ईडी ने बयान में कहा, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड' द्वारा किए गए खुलासे से पता चला है कि कंपनी की संपत्तियों और देनदारियों को काफी कम करके दिखाया गया है। एजेंसी के अनुसार, इस खुलासे पर ऋणदाता बैंकों ने गौर किया और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा की गई शिकायत के आधार पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जून 2021 में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशन लिमिटेड', गौतम थापर, के एन नीलकंठ, माधव आचार्य, बी हरिहरन, ओंकार गोस्वामी और अज्ञात लोक सेवकों और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ 2,435 करोड़ रुपये की 'बैंक धोखाधड़ी' करने का मामला दर्ज किया था।

'बाबासाहेब आंबेडकर की संहिता को सांप्रदायिक बता रहे'

> *विपक्षी दलों का पीएम मोदी के संबोधन पर वार*

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' वाली टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह संविधान की शपथ लेते हैं और फिर डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा लिखी गई संहिता को सांप्रदायिक बताते हैं। खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में आतंकवादी हमले हुए थे। लेकिन वह एक तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ बोल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी पूछा कि बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री ने क्या कदम उठाए हैं। वहीं इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, संविधान पहले है। यह हर चीज से ऊपर है। यहां तक कि प्रधानमंत्री भी यही कहते हैं।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि आजादी संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों से बुना गया है। उन्होंने कहा, सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे लिए आजादी महज एक शब्द नहीं है। बल्कि यह हमारा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, जो संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों से बुना गया है। उन्होंने कहा, यह अभिव्यक्ति की ताकत, सच बोलने की क्षमता और सपनों को पूरा करने की उम्मीद है। जय हिंद।

वहीं, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान हमारा सबसे बड़ा कवच है। उन्होंने कहा, हम आखिरी सांस तक इसकी रक्षा करेंगे। विपक्ष लोकतंत्र के लिए ऑक्सीजन है। यह सरकार के असंवैधानिक रवैये की जांच करता है और लोगों की आवाज को आगे बढ़ाता है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

डॉक्टरों की हड़ताल फिर शुरू

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टरों ने फिर हड़ताल शुरू कर दी। इसकी जानकारी फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन इंडिया ने दी। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ के बाद हड़ताल का फैसला लिया गया। केंद्र और राज्य सरकार स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा करने में असफल रही है।

13 अगस्त को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिलने के बाद फोरडा ने हड़ताल बंद कर दी थी। तब नड्डा ने उनसे न्याय मिलने का आश्वासन दिया था। दरअसल, 14 अगस्त की देर रात मेडिकल कॉलेज में 1000 लोगों की भीड़ इमरजेंसी वार्ड में घुस गई। भीड़ ने वहां रखी मशीनें उठाकर फेंकी। फर्नीचर में तोड़फोड़ की।

मुंबई जा रही फ्लाइट में यात्री की मौत

भोपाल, 15 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी से मुंबई जा रही अकासा एयरलाइंस की फ्लाइट में यात्री की तबीयत बिगड़ गई। सीट से गिर पड़े और बेहोश हो गए। इसके बाद भोपाल एयरपोर्ट पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। आनन-फानन में यात्री को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। भोपाल एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया-मृतक की पहचान वाराणसी के दशरथ गिरि (82) के रूप में हुई है। उनका परिवार मुंबई में रहता है। वह इलाज के लिए मुंबई जा रहे थे। आशंका है कि उनको हार्ट अटैक आया था। आकासा एयरलाइंस के अनुसार, अकासा एयरलाइंस के विमान वाराणसी से मुंबई के लिए सुबह 9.50 बजे उड़ान भरी थी। शेड्यूल के हिसाब से दोपहर 12.50 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड करना था, लेकिन विमान में सवार यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

कोलकाता पुलिस ने जारी की हिंसा के आरोपियों की तस्वीर

लोगों से जानकारी देने की अपील की

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान कल रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में उत्पात मचाने वाली भीड़ की तस्वीरें जारी की हैं। पुलिस ने फेसबुक पर दंगाइयों की तस्वीरें साझा करते हुए लोगों से इनके बारे में जानकारी मांगी है, जिससे इनकी पहचान करने में मदद मिल सके।

बुधवार की रात अस्पताल में की गई तोड़फोड़ :

उल्लेखनीय है कि बीती रात, जब पश्चिम बंगाल और देश के कई अन्य शहरों में महिलाएं डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहीं थी, तो कुछ लोगों की भीड़ ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इस दौरान वाहनों में तोड़फोड़ की गई और उपद्रवियों की भीड़ अस्पताल की इमारत में घुस गई। दंगाइयों द्वारा अस्पताल के अंदर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की तस्वीरें वायरल हो गई हैं। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। झड़प में कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

अपराध स्थल से छेड़छाड़ की बात से पुलिस का इनकार :

ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि जिस सेमिनार हॉल में जहां डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की गई, वहां भी दंगाइयों ने तोड़फोड़ की। हालांकि कोलकाता पुलिस ने साफ किया है कि अपराध स्थल से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया पर अफवाह न फैलाने की अपील की। वहीं दंगाइयों द्वारा अस्पताल में तोड़फोड़ पर राजनीति विवाद तेज हो गया। विपक्ष के नेता, भाजपा के सुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि दंगाइयों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विरोध रैली को बाधित करने के लिए भेजा था। अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने अपने टीएमसी के गुंडों को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पास गैर-राजनीतिक विरोध रैली में भेजा। उन्हें लगता है कि वे पूरी दुनिया में सबसे चतुर व्यक्ति हैं और लोग उनकी चालाक योजना को नहीं समझ पाएंगे कि प्रदर्शनकारियों के रूप में दिखने वाले उनके गुंडे भीड़ में शामिल होकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अंदर तोड़फोड़ करेंगे। भाजपा नेता ने कहा, पुलिस ने उन्हें सुरक्षित रास्ता दिया, ताकि ये गुंडे अस्पताल परिसर में घुस जाएं और महत्वपूर्ण सबूतों वाले क्षेत्रों को नष्ट कर दें ताकि वे सीबीआई को न मिल पाएं।

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अस्पताल में तोड़फोड़ सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर गई। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल से बात की है और उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि हिंसा के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति की पहचान करें और अगले 24 घंटों के भीतर उसे जवाबदेह ठहराया जाए।

माइक्रो सैटेलाइट ईओएस-08 की लॉन्चिगं आज

श्रीहरिकोटा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को बताया कि वह 16 अगस्त को नए लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के जरिये अर्थ ऑब्जर्विंग सैटेलाइट (ईओएस-08) का प्रक्षेपण करेगा। यह एसएसएलवी प्रक्षेपण यान का तीसरा मिशन होगा। ईओएस-08 उपग्रह शुक्रवार सुबह 9:17 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एसएसएलवी के जरिए लॉन्च किया जाएगा। इसरो ने एक एक्स पोस्ट में कहा, एसएसएलवी की तीसरी विकासात्मक उड़ान (डी-3) का प्रक्षेपण 16 अगस्त 2024 को एक घंटे की लॉन्च विंडो में 09:17 बजे शुरू होने वाला है।'

इस उपग्रह पर तीन पेलोड - इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इन्फ्रारेड पेलोड (ईओआईआर), ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम-रिफ्लेक्टोमेट्री पेलोड (जीएनएसएस-आर) और सिक यूवी डोजीमीटर - है। इसे पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, 'ईओएस-08 मिशन के प्राथमिक उद्देश्य एक माइक्रो सैटेलाइट का डिजाइन और विकास करना, माइक्रो सैटेलाइट बस के साथ संगत पेलोड उपकरणों का निर्माण करना और भविष्य के परिचालन उपग्रहों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करना हैं।' इसरो ने कहा कि एसएसएलवी की तीसरी उड़ान का लक्ष्य ईओएस-08 को 475 किलोमीटर की ऊंचाई वाली वृत्ताकार कक्षा में स्थापित करना है। एसएसएलवी एक कॉम्पैक्ट तीन चरण वाला प्रक्षेपण यान है, जिसे केवल 72 घंटों में असेंबल किया जा सकता है। यह छोटे, सूक्ष्म या नैनो उपग्रहों (10 से 500 किलोग्राम द्रव्यमान) को 500 किमी की कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। इसरो ने कहा, 'एसएसएलवी को कम लागत, कम टर्न-अराउंड समय, कई उपग्रहों को समायोजित करने में लचीलापन, ऑन-डिमांड व्यवहार्यता, न्यूनतम लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए डिजाइन किया गया है' अगस्त 2022 में इसका पहला परीक्षण विफल रहा था, लेकिन फरवरी 2023 में अपनी दूसरी उड़ान से इसने वापसी की।

सरकार ने माना- शहरी बाढ़ से निपटने का सिस्टम नाकाफी

10 साल में 25 हजार करोड़ रुपए खर्च, फिर भी मानसूनी बारिश में डूब रहे शहर

नई दिल्ली,15 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार बारिश के पानी की निकासी के लिए शहरों पर बीते 10 वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। इसके बावजूद हर बारिश के दौरान शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं और पानी उतरने में घंटों लगते हैं। इससे शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंच रहा है।

संसद के हाल में खत्म हुए बजट सत्र में जब शहरों में बाढ़ जैसी स्थिति को लेकर सवाल उठा तो शहरी मामलों के मंत्री मनोहरलाल खट्टर ने कहा कि देशभर के सभी ड्रेनेज सिस्टम एक घंटे में 2 सेमी या करीब आधा इंच बारिश के हिसाब से बने हैं, लेकिन मौसम में बदलाव के चलते अब शहरी क्षेत्रों में एक घंटे के दौरान 8 से 10 सेमी (2-3 इंच) तक बारिश हो जाती है।

उन्होंने कहा कि एक साथ इतनी बारिश होने से पानी जमा हो जाता है क्योंकि ड्रेनेज सिस्टम इतनी बारिश को झेलने वाली क्षमता के नहीं हैं। इसी वजह से मानसून के दौरान दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु सहित तमाम छोटे-बड़े शहरों में घंटे-भर की बारिश में ही बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। अब हमें मौसम में बदलाव के हिसाब से ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने होंगे, इसके लिए संसद में सदस्यों से सुझाव लेकर नई योजना तैयार करेंगे।

स्मार्ट सिटी में जिस तरह इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर बने हैं, उसमें शहरों की स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज की निगरानी को शामिल करना चाहिए। देश के बाकी शहरों में भी पारंपरिक ड्रेनेज सिस्टम से काम नहीं चलेगा। अब भविष्य को ध्यान में रखते हुए बायो ड्रेनेज सिस्टम होना चाहिए क्योंकि क्लाइमेट चेंज हो रहा है, कम समय में बहुत ज्यादा बारिश आ जाती है।

इसके अलावा एक स्पंज सिटी कॉन्सेप्ट है, जिसमें सड़कों के बीच ऐसा स्थान रखा जाता है जिससे बारिश का पानी सीधे जमीन में सोख लिया जाए। एक अन्य स्वैल कॉन्सेप्ट है, जिसमें शहरों के निचले इलाकों में तालाब विकसित किए जाते हैं ताकि वहां पानी बना रहे, निर्माण आदि न हो।

स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज के नए ढांचे और उनकी देखभाल ठीक से नहीं हो रही है। शहरों में बिल्टअप एरिया तेजी से बढ़ रहा है। जो शहर नदी किनारे हैं, वहां विकास के नाम पर बाढ़ क्षेत्र में भी कांक्रीटीकरण हो रहा है। पानी को धरती में रिसने का रास्ता नहीं मिल रहा।

अमृत योजना में जलाशयों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, लेकिन इसे पूरा होने का इंतजार करना चाहिए। स्मार्ट सिटी में कोई भी प्रोजेक्ट समूचे शहर के लिए नहीं था। ये क्षेत्र विशेष थे। अब शहरों के समग्र प्लान की जरूरत है, मास्टर प्लान में लैंड यूज तय किया जाता है। इसके साथ रिवर मैनेजमेंट प्लान और स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज प्लानिंग भी शामिल करना होगा। भारत में वैसे भी पहले आबादी बसती है, फिर रेट्रो प्लान बनता है।

अमृत मिशन में 772 प्रोजेक्ट पूरे

अमृत मिशन के पहले चरण के तहत भी शहरों को बाढ़ से बचाने के लिए 3,928 वाटर लॉगिंग प्वाइंट (जल जमाव बिंदुओं) को हटाने के लिए 841 स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज प्रोजेक्ट बने। इनमें से 2,140 करोड़ रुपए के 772 प्रोजेक्ट (3556 प्वाइंट्स) पूरे कर लिए गए। 878 करोड़ रुपए के 69 प्रोजेक्ट (372 प्वाइंट्स) का काम जारी है।

अमृत 2.0 में इस बार 5,432 करोड़ रुपए के 2,713 प्रोजेक्ट मंजूर किए गए हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के 35 शहरों में बाढ़ की समस्या के निपटने के लिए 1,005 करोड़ रुपए के 87 प्रोजेक्ट बनाए गए।

इतना ही नहीं, 100 स्मार्ट सिटी में से 97 शहरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में सुधार के लिए 603 प्रोजेक्ट बनाकर 21,182 करोड़ रुपए खर्च हुए।

इनमें सूरत में 200 करोड़ रुपए, लखनऊ में 197 करोड़ रुपए, चेन्नई में 117 करोड़ रुपए, फरीदाबाद में 38 करोड़ रुपए, कोच्चि में 30 करोड़ रुपए, जबलपुर में 58 करोड़ रुपए, चंडीगढ़ में 14 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

खड़गे बोले- सरकार विभाजनकारी सोच को बढ़ावा दे रही

इसलिए बंटवारे के दिन विभाजन विभीषिका दिवस मनाती है, ये नफरत की राजनीति

नई दिल्ली,15 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को पार्टी ऑफिस में तिरंगा फहराया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आज के शासक विभाजनकारी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। वे नफरत फैलाने के लिए विभाजन विभीषिका दिवस मना रहे हैं।

खड़गे ने आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि संघ परिवार ने अपने फायदे के लिए अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को बढ़ावा दिया। जिन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी, वे कांग्रेस पार्टी को सलाह देते हैं। वे बिना किसी योगदान के शहीदों में गिने जाना चाहते हैं।

खड़गे बोले- कुछ ताकतें जबरन अपने विचार थोपकर हमारे भाईचारे को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं। हमें बलिदान देने के लिए तैयार रहना होगा। चिंता की बात है कि संवैधानिक और ऑटोनॉमस संस्थाओं को सरकार ने कठपुतलियों में बदल दिया है। लोकतंत्र और संविधान 140 करोड़ भारतीयों की सबसे बड़ी ढाल हैं और हम अपनी आखिरी सांस तक उनकी रक्षा करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- विपक्ष लोकतंत्र के लिए ऑक्सीजन की तरह है। सरकार के असंवैधानिक रवैये को रोकने के साथ-साथ यह जनता के मुद्दों को भी उठाता है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का सपना विविधता में एकता बनाए रखना था। लेकिन कुछ ताकतें जबरन अपने विचार देश पर थोपकर हमारे भाईचारे को खत्म करने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए, यह जरूरी है कि हम सभी संविधान में अभिव्यक्ति, जीवन, खान-पान, पहनावे, पूजा-पाठ के तरीकों और कहीं भी आने-जाने की आजादी के बारे में अलर्ट रहें। देश की जनता हर घर नौकरी और हर घर न्याय चाहती है। यह देश आर्थिक असमानता और बेरोजगारी से मुक्ति चाहता है। इन मुद्दों को टाला नहीं जा सकता। इनमें जितनी देर होगी, समस्याएं उतनी ही बढ़ेंगी। मोदी सरकार अपने ग्यारहवें साल में है, लेकिन लोग बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर मैं सभी लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, भ्रष्टाचार और असमानता के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। संविधान की रक्षा के लिए हर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहें। यही हमारे पूर्वजों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कश्मीर के 3 जिलों में बादल फटा,कुलगाम में एक की मौत

21 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,15 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर में 6 घंटे के अंदर 3 जिलों कुलगाम, बांदीपुरा और शोपियां में बादल फटे। पहली घटना दमहाल कुलगाम में हुई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, कई घायल हो गए। बादल फटने की दूसरी घटना बांदीपुरा के दर्दपोरा में हुई जहां सड़कें, फुट ब्रिज टूट गया। तीसरी घटना शोपियां के सेडो में हुई जहां कई घरों में पानी घुस गया।

झारखंड के सिमडेगा में बिजली गिरने से 3 हॉकी खिलाड़ियों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए। घटना कोलीबीड़ा इलाके की है। ये खिलाड़ी मैच खेलने की तैयारी में थे।

मध्य प्रदेश: साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मानसून ट्रफ की एक्टिविटी होने से मध्यप्रदेश में अगले 24 घंटे में कहीं तेज, तो कहीं हल्की बारिश होगी। गुना, सागर समेत 7 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। प्रदेश में अब तक सीजन की 73% बारिश ज्यादा हो गई है। अब तक 23.5 इंच बारिश होनी चाहिए, लेकिन 27.2 इंच पानी गिर चुका है।

उत्तर प्रदेश: गंगा और यमुना उफान पर हैं। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान को पार कर गई हैं। वाराणसी के 50 घाट अभी गंगा में डूबे हैं, जहां एनडीआरएफ तैनात है।

बिहार: अगले 2 दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, बांका में मंगलवार रात मूसलाधार बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। उत्तर बिहार की 7 नदियां, गंगा, गंडक, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, घाघरा और परमान खतरे से ऊपर हैं। गंगा नदी में आए उफान से पटना जिले के 20 प्रखंड बाढ़ की चपेट में हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 अगस्त को गांगेय पश्चिम बंगाल में भारी से भारी बारिश (12 सेमी से ज्यादा) का अलर्ट है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उपहिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (7 सेमी तक) हो सकती है।

सेना ने चरवाहा मॉड्यूल के 9 लोगों को पकड़ा

आतंकियों को घाटी में मिट्टी के घर में रुकने-खाने और जंगलों में छिपने की ट्रेनिंग देते थे

जम्मू,15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले जम्मू में एक और आतंकी मुठभेड़ हुई। बुधवार को तलाशी अभियान के दौरान जंगल में छिपे 4 आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। इसमें 48 राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन दीपक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। जवाबी कार्रवाई में चारों आतंकी जख्मी होकर गोला-बारूद छोड़कर भाग गए। बाद में एक आतंकी का शव बरामद हुआ। तीन की तलाश जारी है। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन ने बताया कि हमें खून से लथपथ चार बैकपैक और अमेरिका में बनी एम-4 कार्बाइन भी मिली हैं। इन आतंकियों ने मंगलवार शाम उधमपुर के पटनीटॉप से डोडा में एंट्री की थी। इस इलाके में आतंकियों की मदद करने वाले 'चरवाहा मॉड्यूल' का खुलासा हुआ है। 12 अगस्त को सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक मॉड्यूल पकड़ा था, जिसमें 9 सदस्य थे। ये लोग ऊंचे पर्वतीय इलाकों में ढोंक (मिट्टी के झोपड़े) बनाकर रहते थे। ये लोग सांबा व कठुआ बॉर्डर से घुसपैठ करने वाले आतंकियों को ढोंक में रुकने-खाने और पहाड़ों व जंगलों में छिपने की ट्रेनिंग देते थे। इन्हीं के बताए रास्तों पर चलकर आतंकी डोडा, किश्तवाड़, रियासी और उधमपुर तक पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इन 9 मददगारों में एक शख्स है हाजी मोहम्मद लतीफ। 60 साल का लतीफ कठुआ के अंबेनाल में आतंक का नेटवर्क चला रहा था। 11-12 जून को हीरानगर के सैडा सोहल में मुठभेड़ के बाद लतीफ का नाम सामने आया था। मॉड्यूल में उसका बेटा लियाकत और भाई नूरानी भी है। लतीफ ने ही इन आतंकियों को सांबा से कठुआ में एंट्री कराने और कैलाश कुंड के पास सुरक्षित पहुंचाया। वह पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों से सीधे जुड़ा था। इसके बदले एक आतंकी से 50 हजार रु. लेता था। 20 आतंकियों की घुसपैठ कराकर 15 लाख रु. कमा चुका है। इसी पैसे से उसने आतंक का ओवरग्राउंड नेटवर्क तैयार किया। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर सेना ने पुलिस को चरवाहों की जानकारी दी, क्योंकि आतंकी चरवाहों के रूट का ही घुसपैठ में उपयोग कर रहे थे। पुलिस ने ढोंक में रह रहे 50 चरवाहों को हिरासत में लिया। इन्होंने सख्ती के बाद मुंह खोल दिया।

घाटी के 169 'आतंकी' जम्मू शिफ्ट

सेना को पता चला है कि कश्मीर में एक्टिव रहे 169 आतंकी बीते महीनों में जम्मू शिफ्ट हुए हैं। ये मूलतः किश्तवाड़, रामबन, डोडा, उधमपुर, राजोरी, पुंछ के हैं। जम्मू में इनका हिस्ट्री रिकॉर्ड पुलिस के पास नहीं है, इसलिए ये खुले घूम रहे थे। इन्हीं में से एक शख्स की बीते दिनों गिरफ्तारी हुई। तब बाकी का पता चला।

नलिन प्रभात जम्मू-कश्मीर के स्पेशल डीजी बने

जम्मू,15 अगस्त (एजेंसियां)। नलिन प्रभात जम्मू-कश्मीर के नए स्पेशल डीजी नियुक्त किए गए हैं। वे मौजूदा डीजीपी आरआर स्वैन के रिटायरमेंट के बाद नए पुलिस महानिदेशक का कार्यभार संभालेंगे। स्वैन 30 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। 1 अक्टूबर को नलिन डीजीपी पद ग्रहण करेंगे। गृह मंत्रालय से जारी एक आदेश के मुताबिक नलिन प्रभात तत्काल प्रभाव से जम्मू-कश्मीर में विशेष महानिदेशक जम्मू-कश्मीर पुलिस के रूप में तैनात किया गया है। 55 वर्षीय प्रभात तीन बार पुलिस वीरता पदक विजेता हैं और वे अपने पूर्व कैडर स्टेट आंध्र प्रदेश के विशेष नक्सल विरोधी पुलिस बल ग्रेहाउंड्स के चीफ रहे हैं। सरकार ने बुधवार को एनएसजी महानिदेशक के रूप में प्रभात के कार्यकाल को कम कर दिया और उन्हें आंध्र प्रदेश से एजीएमयूटी में इंटर-कैडर प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया।

घर में घुसकर बाल काटे और पेंसिल से घायल कर दिया

बांग्लादेश में बैरिस्टर तुरीन अफरोज की खौफनाक कहानी

नई दिल्ली,15 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों से अफरा-तफरी मची हुई है। आरक्षण को लेकर बांग्लादेश में चल रहे आंदोलन के दौरान हिंसा की घटनाएं हुई हैं। इसके चलते शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। हिंसा की कई कहानियां अब सामने आ रही हैं। हिंसा में शेख हसीना के समर्थकों को भी निशाना बनाया गया। इतना ही नहीं तुरीन अफरोज के साथ भी कट्टरपंथियों ने दुर्व्यवहार किया। बांग्लादेश में भड़की हिंसा की कई कहानियां अब सामने आ रही हैं। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की कहानियां सुनकर हर कोई हैरान है। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश में हिंसा का असर सिर्फ अल्पसंख्यकों पर ही नहीं बल्कि शेख हसीना के समर्थकों पर भी पड़ा है। इस लिस्ट में बांग्लादेश के मशहूर शख्स तुरीन अफरोज का नाम भी शामिल है। 5 अगस्त को तुरीन अफरोज कट्टरपंथियों के निशाने पर आ गईं। बताया जा रहा है कुछ लोग उनके घर में जबरन घुस आए थे।

मोदी के कार्यक्रम में अतिथि बने एमपी के सरपंच, दीदी

भोपाल,15 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश से 10 महिला सरपंचों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, 52 लखपति दीदी व ड्रोन दीदी को बुलाया गया। लाल किले की प्राचीर से पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनने और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के अतिथि के रूप में सम्मान पाकर इन महिलाओं ने पीएम मोदी का आभार माना है। ड्रोन दीदी भगवती अहिरवार ने कहा कि ड्रोन से खेती की दशा में काफी सुधार हुआ है तो सत्येंद्र परस्ते ने प्रधानमंत्री वन धन योजना से आदिवासियों की जीवन में बदलाव आने की बात कही। धार जिले की आंगनवाडी कार्यकर्ता आशा जैन को अतिथि के रूप में बुलाया गया था। इनका कहना है कि लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को सुनने के लिए आतुर थी और यह मंशा आज पूरी हो गई। धार जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित गंधवानी में रहने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा ने बताया कि वह पिछले 30 वर्षों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं।

दतिया जिले के बसई की निवासी ड्रोन दीदी भगवती अहिरवार का कहना है कि ड्रोन के आने से खेती किसानी की दिशा में काफी कुछ बदलाव देखने को मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बुलाया है, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। वह इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देती हैं। सीहोर जिले के सिद्धीगंज निवासी लखपति दीदी त्रिवेणी शर्मा को भी 15 अगस्त को दिल्ली में होनेवाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी में बहुत सारे सकारात्मक बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली बुलाया, इससे वह बेहद खुश हैं।

मूर्तिकार अरुण योगीराज का वीजा एप्लिकेशन अमेरिका ने रिजेक्ट किया

वर्जिनिया में कन्नड़ सम्मेलन में शामिल होना है; परिवार बोला- ये हैरानी की बात

नई दिल्ली,15 अगस्त (एजेंसियां)। रामलला की मूर्ति बनाने वाले कर्नाटक के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज और उनके परिवार का वीजा एप्लिकेशन अमेरिका ने रिजेक्ट कर दिया है। अमेरिकन एम्बेसी ने इसकी वजह नहीं बताई। योगीराज को वर्जीनिया के रिचमंड में आयोजित विश्व कन्नड़ सम्मेलन में शामिल होना है। यह कार्यक्रम 30 अगस्त से 1 सितंबर तक चलेगा। इसे कन्नड़ कूटस एसोसिएशन के द्वारा किया जा रहा है। वीजा एप्लिकेशन रिजेक्ट होने पर अरुण के परिवार ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अरुण की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। वीजा एप्लिकेशन रिजेक्ट होना हैरान करने वाली बात है।

मैसूर महल के कलाकारों के परिवार से आते हैं अरुण

37 साल के अरुण मैसूर महल के कलाकारों के परिवार से आते हैं। उन्होंने 2008 में मैसूर विश्वविद्यालय से एमबीए किया, फिर एक निजी कंपनी के लिए काम किया। फिर इस पेशे में आए। हालांकि, मूर्ति बनाने की तरफ उनका झुकाव बचपन से था। पीएम मोदी भी उनके काम की तारीफ कर चुके हैं।

अयोध्या में रामलला की प्रतिमा अरुण ने ही बनाई है

अयोध्या में 22 जनवरी को अरुण की बनाई रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इससे 2 दिन पहले 20 जनवरी को रामलला की पहली तस्वीर सामने आई थी।लोगों ने अरुण योगीराज की खूब तारीफ की। योगीराज ने काले रंग के एक ही पत्थर से पूरी प्रतिमा बनाई। इस पत्थर को कहीं से जोड़ा नहीं गया।

अरुण की मां ने कहा था- चाहती थीं बेटा जॉब करे

अरुण योगीराज की मां सरस्वती योगीराज ने कहा था कि बेटे अरुण की स्कूलिंग मैसूर के जीएसएस बाल जगत स्कूल से हुई। 12वीं की परीक्षा मरीमाला स्कूल से पास की, बीकॉम की डिग्री जेएसएस कॉलेज से की थी।

सरकारी पैसे के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया

कर्नाटक सरकार ने एसबीआई-पीएनबी में लेनदेन पर रोक लगाई सभी विभागों से कहा खाते बंद कराएं

बैंगलूरू,15 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक से लेनदेन पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने सभी विभागों को निर्देश जारी किया कि दोनों बैंकों से कामकाज नहीं करें और इन बैंकों में अपने जितने भी अकाउंट हैं उनको तुरंत बंद करें। सरकार का आरोप है कि एसबीआई और पीएनबी ने सरकारी धन का गलत इस्तेमाल किया है। दोनों बैंकों को इस बारे में कई बार चेतावनी दी गई लेकिन बैंकों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। दोनों बैंकों ने इस बारे में कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

वित्त विभाग के सचिव जाफर ने इस बारे में आदेश जारी किया है। इस आदेश के मुताबिक, कोई भी सरकारी विभाग उक्त बैंकों में पैसा जमा नहीं कराएगा। इन बैंकों में रखी एफडी को भी 9 सितंबर तक बंद करा लिया जाएगा।

साथ ही सभी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों और स्थानीय निकायों को इन बैंकों से अपना पैसा निकालना होगा। यूनिवर्सिटी और दूसरे सरकारी संस्थानों को भी इन बैंकों में अपने खाते बंद करना होंगे।इसके अलावा इन बैंकों में कोई और जमा या निवेश नहीं किया जाएगा।

भारत में तैयार हो रहा स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन

नई दिल्ली ,15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन बना रहा है। यह ड्रोन 1,000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकेगा। इसमें घरेलू इंजन लगाया जा रहा है। ये मानव रहित ड्रोन टारगेट पर जाकर नष्ट हो जाते हैं। नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज (नाल) ये ड्रोन बना रही है। इस तरह के ड्रोन रूस-यूक्रेन और गाजा में इजराइल-हमास संघर्ष में इस्तेमाल हो रहे हैं। यूक्रेन ने इनका उपयोग रूस की पैदल सेना और बख्तरबंद वाहनों को टारगेट करने के लिए बड़े पैमाने पर किया है।

ड्रोन लंबे समय तक टारगेट के इलाके में उड़ सकते हैं। इनमें विस्फोटक लगा होता है। दूर बैठा कोई भी व्यक्ति इन्हें कंट्रोल कर सकता है। इन्हें झुंड में यानी कई ड्रोन एक साथ भेजे जा सकते हैं। इससे यह दुश्मन के रडार और डिफेंस से बचकर टारगेट पर हमला कर सकता है। कामिकाजे जापानी शब्द है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हमला करने वाली एक स्पेशल यूनिट से जुड़ा है। इसमें पायलट अपने लड़ाकू विमान क्रैश करके अपने साथ दुश्मनों का खात्मा कर दिया करते थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024

युविचार

संसार में समस्यायें बढेंगी इसलिए मुझे समस्याओं का सामना करने की अपनी क्षमता को बढाना चाहिए

जीएचएमसी मुख्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मना

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयुक्त अम्रपाली काटा और डिप्टी मेयर मोते शोभन रेड्डी के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर मेयर और कमिश्नर को पुलिस सलामी मिली।

इस अवसर पर बोलते हुए, महापौर ने उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने भारतीय राष्ट्र की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और स्वतंत्रता आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य भारतीय राष्ट्रवाद और शांतिपूर्ण संघर्ष की भावना से हासिल किया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों की आकांक्षाओं और अमर लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में, सभी योग्य लोगों को तेलंगाना का फल प्रदान करने के उद्देश्य से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सुभिक्षा को राज्य बनाने के उद्देश्य से सभी वर्ग के लोगों को कल्याणकारी फल प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना के लोगों से किए गए वादों को पूरा कर रही है और सार्वजनिक प्रशासन की दिशा में कदम उठा रही है और सरकार बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए हाल ही में जॉब कैलेंडर जारी किया गया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह कहते हुए खुशी हो रही है कि राज्य सरकार ने जीएचएमसी को आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए सत्ता संभालने के एक महीने के भीतर 1100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और इसी तरह, राज्य के बजट में बाल्दिया को 3,065 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस अवसर पर हम सभी की ओर से बाल्दिया को बड़ी धनराशि आवंटित करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अपने संदेश में, महापौर ने जीएचएमसी के तहत किए गए और किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यक्रमों के बारे में बताया। स्वच्छता-हरियाली 5 से 9 अगस्त तक वृहत स्वच्छता-हरियाली कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले से कहीं अधिक हमने इस कार्यक्रम में पांच बिंदुओं पर विचार किया और प्रत्येक बिंदु पर एक-एक दिन काम किया और जनता, जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वय से इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। पहले दिन स्वच्छता, दूसरे दिन मच्छर उन्मूलन, तीसरे दिन तालाब संरक्षण, चौथे दिन नहर सफाई और 5वें दिन वनमहोत्सव कार्यक्रम सफल रहा। मानसून टीमें बारिश के कारण लोगों को कोई असुविधा पहुंचाए बिना समय-समय पर सड़क पर जल जमाव वाले स्थानों पर खड़े पानी को हटाने का काम करती हैं। इस वर्ष, 238 स्थिर और 154 मानसून आपातकालीन टीमें बनाई गई हैं और हम यातायात समस्याओं को रोकने के लिए खड़े पानी को तुरंत हटा रहे हैं। हमने ग्रेटर में 141 जल भराव बिंदुओं की पहचान की है और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। आपातकालीन टीमों की स्थापना के अलावा, हमने बाढ़ की स्थिति में निचले इलाकों में लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रधान कार्यालय, जोनल और सर्कल कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि हम यह विश्वास पैदा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं कि अधिकारी और जन प्रतिनिधि लोगों को खतरे से बचाने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं।

कार्यक्रम में खैरताबाद, एलबीनगर, कुकटपल्ली जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, हेमंत केशव पाटिल, अपूर्व अग्रवाल, अतिरिक्त कमिश्नर स्नेहा सबरीश, के श्रीनिवास राव, शिवकुमार नायुडू, यादगिरी राव, सत्यनारायण, नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, सरोजा, पंकजा, मंगथयार, सी. एम एंड एचओ डॉ. पद्मजा, सस्ते पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल वकील, कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, सीसीपी श्रीनिवास, सीई देवानंद, डिप्टी सीई केएस रेड्डी, एसडब्ल्यूएमई श्रीनिवास रेड्डी, हाउसिंग एसई, ईई सस्ते खाता परीक्षक वेंकटेश रेड्डी, संयुक्त आयुक्त एसबीएम कृष्णा कुमारी, संयुक्त आयुक्त स्वास्थ्य शैलजा एवं अन्य ने भाग लिया।

राज्य पुलिस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्रत वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस पूरी गंभीरता और देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। पुलिस महानिरीक्षक एम. रमेश ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और दिन की कार्यवाही की शुरूआत की। इसके बाद, उपस्थित पुलिस कर्मियों ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर, आईजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक रमण कुमार और नागराजू, कानूनी एसपी सतीश के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में शहीदों के स्तूप पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सीपीओ में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मना

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्रत वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट परेड ग्राउंड में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर अविनाश मोहंती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में सीपी ने सभी कर्मचारियों और नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अनगिनत महान व्यक्तियों द्वारा किए गए अपार बलिदानों पर विचार किया, जिसने हमें आज वह स्वतंत्रता और आजादी दिलाई है जिसका हम आनंद लेते हैं। उन्होंने सभी से इन बलिदानों से निरंतर प्रेरणा लेने और अटूट दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। कमिश्नर ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने, राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा करने और समर्पण के साथ जनता की सेवा करने में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को समाज की बेहतरी के लिए लगन से काम करते हुए सामाजिक सद्भाव और शांति के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। आयुक्त मोहंती ने शांति और व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय को अनुकरणीय सेवाएं प्रदान करने में सबसे आगे रहने के लिए साइबराबाद पुलिस की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर, सीपी साइबराबाद ने तेलंगाना स्थापना दिवस 2024 पर उनकी उत्कृष्ट सेवा के सम्मान में 15 अधिकारियों की सराहना की और उन्हें उत्तम सेवा पाठकम से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त, 8 अधिकारियों को विभिन्न अवसरों पर उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए अति उत्तम, उत्तम, उत्तम सेवा पाठक पदक से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में साइबराबाद के संयुक्त पुलिस अधीक्षक भी शामिल हुए। सीपी (यातायात) डी. जोएल डेविस, साइबराबाद अपराध डीसीपी के. नरसिम्हा, एसबी डीसीपी साई श्री, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू डीसीपी सुरजना कर्णम, ईओडब्ल्यू डीसीपी के. प्रसाद, साइबर अपराध डीसीपी श्रीबालादेवी, एल एंड ओ डीसीपी माधापुर डीसीपी डॉ.जी. विनीत कुमार, मेडचल डीसीपी एन. कोटि रेड्डी, बालनगर डीसीपी के. सुरेश कुमार, शमशाबाद डीसीपी बी. राजेश, डीसीपी राजेंद्रनगर सीएच. श्रीनिवास, आईपीएस, एडीसीपी (प्रशासन) रविचंदन रेड्डी, सीएसडब्ल्यू एडीसीपी श्रीनिवास राव, अन्य एडीसीपी, एसीपी, निरीक्षक, रिजर्व निरीक्षक, अनुभाग कर्मचारी और मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

फलों, सब्जियों में कीटनाशकों के बढ़ते स्तर पर जताई गई चिंता

फैंसी डाइट को नकारने का किया गया आह्वान

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एस्पायर-बायोनेस्ट, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने मिरेकल मी और आईकेपी हैदराबाद के सहयोग से यूओएच परिसर में ग्लोबल बायो-इंडिया रोड शो के हिस्से के रूप में 'माई प्लेट फॉर द डे: आईसीएमआर, एनआईएन द्वारा आहार संबंधी दिशानिर्देशों में वास्तविक अंतर्दृष्टि' पर एक पैनल चर्चा की मेजबानी की। शहरी किसान के सह-संस्थापक डॉ. साईराम रेड्डी, यूओएच के बायोकेमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजय तुमानी, स्वतंत्र पोषण मनोवैज्ञानिक डॉ. निदा फातिमा हजारी सहित पैनलिस्टों ने आज की तेज-तर्रार दुनिया में पोषण और स्वस्थ भोजन के महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। पैनल का संचालन न्यूट्रास्युटिकल कंपनी मिरेकल मी के संस्थापक मैत्रेय मुरली ने किया। डॉ. साईराम रेड्डी ने फलों और सब्जियों में कीटनाशकों और भारी धातुओं के बढ़ते स्तर पर चिंता जताई और टिकाऊ समाधान के रूप में शहरी खेती की वकालत की। डॉ. अजय तुमानी ने छोटी उम्र से ही, खास तौर पर स्कूलों में, स्वस्थ खान-पान की आदतें डालने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, जबकि डॉ. निदा फ़ातिमा ने संतुलित आहार को बढ़ावा देने वाली सरकारी पहलों पर प्रकाश डाला। खिलाड़ियों के साथ बड़े पैमाने पर काम करने वाली लक्ष्मी तेजस्वी ने जंक फूड से बचने और फैंसी डाइट व्यवस्थाओं को नकारने का आह्वान किया।

बच्चों को बचपन से ही देश की आजादी की विशिष्टता से अवगत कराया जाना चाहिए : सीपी

राचकोंडा कमिश्नरेट, नेरेडमेट में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नरेट, नेरेडमेट में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर, सीपी सुधीर बाबू आईपीएस ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कर्मचारियों और लोगों को बधाई दी। इस मौके पर सीपी ने देश की आजादी की विशिष्टता बताई और सभी को स्वतंत्रता सेनानियों के प्रयासों की याद दिलाई। आयुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के खून-पसीने से सुशासन के साथ स्वतंत्र देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे कल के नागरिक हैं और बच्चों को कम उम्र से ही देश की आजादी और इसकी विशिष्टता के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सीपी ने स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पुलिसकर्मी एक परिवार की तरह मिलकर काम करें। दृश्यमान पुलिसिंग को उच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही शांति एवं सुरक्षा कायम रखना संभव है। लोगों को त्वरित सेवाएं प्रदान करने में राचकोंडा पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि लोगों की सेवा के लिए कर्मचारियों को फिर से तैनात किया जाना चाहिए। सीपी ने कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करते समय स्वतंत्रता सेनानियों और पुलिस शहीदों के अमर बलिदानों को याद रखने की सलाह दी। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के सीपी श्री जी. सुधीर बाबू आईपीएस, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी एडमिन क्राइम अरविंद बाबू और अन्य अधिकारियों ने समारोह में भाग लिया।

राज्यपाल ने राजभवन में तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (एनएसएस)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने गुरुवार को राजभवन के ऐतिहासिक दरबार हॉल के सामने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि यह भारत की कड़ी मेहनत से मिली आजादी का सम्मान और जश्न मनाने का एक पवित्र अवसर है। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद से देश की यात्रा पर विचार किया, जिसमें देश की आजादी के लिए लड़ने वाले अनगिनत देशभक्तों के बलिदान पर प्रकाश डाला। स्वतंत्रता दिवस हमारे इतिहास को याद करने और उसका जश्न मनाने का समय है- अटूट संकल्प और निस्वार्थ बलिदान की कहानी।

पिछले सात दशकों में, भारत ने विकास और आत्मनिर्भरता की एक अविश्वसनीय यात्रा शुरू की है। हमारी विविधता के बीच एकता बनाए रखने की हमारी क्षमता के बारे में संदेह के बावजूद, हमने साबित कर दिया है कि यह विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। ध्वजारोहण के बाद राज्यपाल वर्मा ने गार्ड ऑफ ऑनर लिया और राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों, राजभवन स्कूल के बच्चों, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों और कर्मचारियों को मिठाई भी बांटी। इस समारोह में राज्यपाल के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम, आईएएस, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौजूद थे।

इरिसेट् ने सिकंदराबाद परिसर में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी एवं दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) ने सिकंदराबाद में स्थित अपने परिसर में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इरिसेट के महानिदेशक शरद कुमार श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर संकाय, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि संस्थान ने नए लक्षित प्रशिक्षु समूहों के लिए नए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की है। संस्थान आधुनिक तकनीकों जैसे कवच, 5जी, लांग टर्म इवाल्यूशन और साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण दे रहा है ताकि रेलवे इन तकनीकों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से अपना सके। शरद कुमार श्रीवास्तव ने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है, प्रशिक्षण के लिए ग्राहक आधार का विस्तार करना। इस दिशा में संस्थान ने रेलवे, निजी उद्योग के अन्य विभागों के कर्मियों को कवच पर प्रशिक्षण दिया ताकि ज्ञान का प्रसार किया जा सके और प्रौद्योगिकी को अपनाने की क्षमता का निर्माण किया जा सके। अप्रैल 2024 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा राष्ट्रीय मानकों के अनुसार संस्थान को "उत्कृष्ट" प्रशिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता दी गई। उपरांत, महानिदेशक ने परेड की सलामी ली. प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। महानिदेशक ने विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। संस्थान ने अपने कर्मचारियों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज को गर्व से फहराकर देशभक्ति और एकता की भावना को बढ़ावा देने हेतु "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

नामपल्ली में हशीश तेल के साथ तीन युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को यहां नामपल्ली स्टेशन रोड पर आंध्र प्रदेश से मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके पास से 8 लाख रुपये मूल्य का 1.5 लीटर हशीश तेल जब्त किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों में कुकटपल्ली निवासी जया चंद्र, निजामपेट निवासी एम राजेश कुमार और कुथबुल्लापुर निवासी के चिंटूलु शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों ने आंध्र प्रदेश के अराकू एजेंसी में ड्रग तस्करों से कम कीमत पर हशीश तेल खरीदा और परिवहन के विभिन्न साधनों के माध्यम से इसे हैदराबाद में तस्करी कर लाया। उन्होंने हैदराबाद में उपभोक्ताओं को ऊंचे दाम पर तेल बेचा और आसानी से पैसा कमाया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के पीछे पाकिस्तान, चीन : लक्ष्मण

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ.के लक्ष्मण ने आज आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की घटनाओं के पीछे पाकिस्तान और चीन का हाथ है। भाजपा के तेलंगाना राज्य कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया। इसी तरह उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ताकतों और राजनीतिक दलों की साजिशों को उजागर किया जो देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने न तो कुछ कहा और न ही घटनाओं की निंदा की। कुछ विदेशी ताकतों के अलावा, कांग्रेस जैसी कुछ राजनीतिक पार्टियां जाति और धर्म के नाम पर भारत को बांटने की साजिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार वोट के लिए रोहिंग्याओं को आधार कार्ड, आश्रय और सभी सुविधाएं प्रदान करके देश की संपत्ति वितरित कर रही है। पश्चिमी और अरब देश भी भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्मण ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को जाति और धर्मों के बावजूद विभाजनकारी ताकतों की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी सरकार गरीबों को दो आंखें मानकर उनके कल्याण और विकास के लिए समान शासन प्रदान कर रही है। नरेंद्र मोदी शासन के तहत, भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आने वाले दिनों में, भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, उन्होंने कहा, असहयोग आंदोलन और सत्याग्रह आंदोलनों के साथ, स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, वीर सावरकर और कई अन्य लोगों ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के साथ, वे आज आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं और कहा कि उनके बलिदानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

सेंट्रल रेलवे अस्पताल, लालागुडा के डॉक्टरों, पैरा मेडिकल स्टाफ ने कैंडल मार्च निकाला

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी पर तैनात एक डॉक्टर पर बदमाशों द्वारा की गई क्रूर हत्या और बलात्कार के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए सेंट्रल अस्पताल, लालागुडा परिसर में कैंडल मार्च निकाला गया। चीफ स्टाफ सर्जन, फैकल्टी डॉक्टर, डीएनबी डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अन्य सहायक कर्मचारियों ने काले बैज पहनकर एकजुटता विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

पावरग्रिड POWERGRID

विज्ञापन सं0. CC/05/2024 दिनांक.: 07.08.2024

पावरग्रिड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न पीएसयू और विश्व की सबसे बड़ी ट्रांसमिशन यूटिलिटीज में से एक, पावरग्रिड को अपने साथ जुड़ने के लिए निम्नानुसार होनहार, अनुभवी एवं प्रतिभाशाली व्यावसायिकों की आवश्यकता है :

जूनियर इंजीनियर (सर्वे इंजीनियरिंग)/ सर्वेयर/ड्राफ्ट्समैन

योग्यता मानदंड एवं चयन प्रक्रिया आदि के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए https://www.powergrid.in पर कॅरियर सेक्शन को देखें।

पावरग्रिड के पास ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रारंभ तिथि	: 07.08.2024 (17.00 बजे)
पावरग्रिड के पास ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	: 29.08.2024 (23.59 बजे)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-1
क्षेत्रीय मुख्यालय, नं. 6-6-8/32 एवं 395/ई, कवाडीगुड़ा मेन रोड, सिकन्दराबाद-500080
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
कॉर्पोरेट सेंटर: "सौदामिनी", प्लॉट नं.-2, सैक्टर-29, गुड़गांव, हरियाणा-122001
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएन: L40101DL1989038121GOI038121
एक महारत्न उद्यम

SR-I/PR/Advt-04/Rect.-01/2024-25/Centum

सीएम योगी ने फहराया झंडा

प्रगति, सुरक्षा और खुशहाली की यात्रा पर बढ़ चला है उत्तर प्रदेश

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। देश के 78वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से पंच प्रण का पालन करने का आह्वान किया। गुरुवार को अपने सरकारी आवास में ध्वजारोहण के अवसर पर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता कोई एक दिन में प्राप्त नहीं हुई थी। वर्षों की गुलामी से मिली आजादी पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम है।

सत्य-अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि ये वक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ. भीमराव अंबेडकर व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों के सपनों को पूरा करने का है, उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर हमें देश को निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ाना होगा। इस दौरान देश की स्वाधीनता के लिए खुद को न्योछार कर देने वाले क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों व सभी ज्ञात-अज्ञात वीर बलिदानियों को नमन करते हुए उनसे प्रेरणा लेनी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में प्रदेश प्रगति, सुरक्षा और खुशहाली की यात्रा पर बढ़ चला है, जिसकी प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए पंच प्रण का पालन व अनुसरण करना होगा।

देश के वीर सपूतों के संकल्पों से खुद को जोड़ने का है यह वक्त

देश की स्वाधीनता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों, वीर सपूतों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 77 वर्ष पूर्व आज ही के दिन देश स्वतंत्र हुआ था। आज का ये अवसर उन महान सपूतों को स्मरण करने के साथ ही उनके संकल्पों के साथ खुद को जोड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। देश आजादी के अमृत काल के तीसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा बताए गए पंच प्रण से हमें जुड़ना होगा। उनके आह्वान पर 25 करोड़ आबादी वाला यह प्रदेश प्रगति, सुरक्षा और खुशहाली की यात्रा पर बढ़ चला है और इसका सकारात्मक परिणाम सामने है। हम साढ़े सात वर्ष में देश की दूसरी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और आज देश की जीडीपी में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत है। इन साढ़े सात वर्षों में उत्तर प्रदेश ने देश को सुरक्षा एवं सुशासन का एक मॉडल दिया और देश के वीर सपूतों के सपनों को साकार करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं।

15 अगस्त पर पत्रकारों के सामने हाथ क्यों जोड़ने लगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बोले- 'हमसे क्या भूल हुई'

पटना, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने पटना के गांधी मैदान में झंडा फहराया। उन्होंने लालू यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि वह केवल अपना घर बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों से बिहार की पुरानी स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपील की, खासतौर पर 2005 से पहले की स्थिति पर।

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में झंडा फहराया। इसके साथ ही सीएम नीतीश बिहार में बतौर मुख्यमंत्री सबसे ज्यादा 18 बार 15 अगस्त को तिरंगा फहराने वाले मुख्यमंत्री बन गए हैं। इस दौरान वह अचानक हाथ जोड़कर प्रार्थना करने लगे। उन्होंने लालू और तेजस्वी यादव का नाम तो नहीं लिया, लेकिन स्वतंत्रता दिवस के मंच से उन्होंने लालू परिवार को जमकर सुनाया। हालांकि यह बात उन्होंने पहले भी कही है। लेकिन उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आरजेडी पर जमकर निशाना साधा। दरअसल, उन्होंने पटना के पत्रकारों से इस बात की प्रार्थना की कि वह बिहार की पुरानी बातों को भी लिखा करें, जिससे बिहार गुजरा है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की तरफ देखते हुए कहा, आप सब लोग पत्रकार मित्र हैं। हम हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हैं कि पुरानी बातों को भी जरा लिख दिया दीजिए। हमसे अगर नाराज हैं तो क्या कहेंगे...,लेकिन हम तो काम करते हैं। हम आप लोगों के प्रति नाराज नहीं हैं। हम सब दिन आपके प्रति इज्जत और सम्मान करते रहेंगे। हम कभी किसी के खिलाफ नहीं बोलते हैं। हम यही कहेंगे कि पहले क्या था? और आज क्या किया गया है?'

सीएम नीतीश कुमार ने पत्रकारों से अपील करते हुए कहा - 'लोगों को बताइए।' तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए नीतीश कुमार ने कहा 'कुछ भी बयान देता है और छपते रहता है, क्या किया है?' लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए सीएम नीतीश ने पूछा- 'कुछ किया है ये लोग? अपने घर को बढ़ाया है। अपनी जगह पत्नी को बना दिया, बेटा-बेटी यही सब करते रहा। हम लोग कभी किए हैं? आप लोग बोलिए... ! ये लोग कितना धंधा करते रहता है। वही सब चलते रहता है। हम लोग जितना काम किए हैं, उन सब चीजों का ध्यान रखिए।'

नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए लालू परिवार पर भी जबरदस्त हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले बिहार की क्या स्थिति थी, किसी भी क्षेत्र को उठा लीजिए, क्या हालात थे। आज बिहार केंद्र सरकार की मदद से सड़क उद्योग और बिजली के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

'नीतीश नहीं, भगवान भरोसे चल रहा बिहार'

गांधी मैदान में सीएम के संबोधन पर अखिलेश प्रसाद सिंह का जवाब

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज 15 अगस्त को पटना के गांधी मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के मंच से लालू परिवार पर बरसते नजर आए। उन्होंने ऐतिहासिक गांधी मैदान से लालू यादव के परिवारवाद को आड़े हाथ लिया। उन्होंने इसी मंच से यह भी पूछा कि आखिर लालू यादव और उनके परिवार ने बिहार के विकास के लिए किया क्या है? केवल अपने परिवार और सगे संबंधियों को बढ़ाने के अलावा? लेकिन इस पूरे भाषण के दौरान उन्होंने लालू परिवार के किसी सदस्य का नाम नहीं लिया। मगर इशारे में यह साफ जाहिर कर दिया कि वह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, तेज प्रताप यादव और रोहिणी आचार्य की ही बात कर रहे हैं।

नीतीश ने गिनाई बिहार में उनके शासन की उपलब्धि

सीएम नीतीश ने अपने भाषण के दौरान कहा कि उन्होंने केवल अपने परिवार के लोगों को ही आगे बढ़ाने के लिए सारे काम किए हैं। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित एक राजकीय कार्यक्रम के दौरान नीतीश कुमार ने यह भी बताया कि बिहार में विकास के जितने काम किए हैं, वह उन्होंने ही किए हैं और बिहार के विकास में उनका अहम योगदान है। उन्होंने बढ़ते विकास की भी चर्चा की और बिहार के बढ़े हुए बजट पर भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि बिहार का बजट लालू यादव के राज से उनके 20 वर्षों के शासनकाल के दौरान 10 गुना से ज्यादा बढ़ गया है।

अखिलेश प्रसाद ने दिया जवाब- 'नीतीश के भरोसे नहीं चल रहा बिहार'

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से स्वतंत्रता दिवस समारोह पर दिए भाषण का जवाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार, सीएम नीतीश कुमार के भरोसे नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार भगवान भरोसे चल रहा है। एक सवाल के जवाब में अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि 20 साल से नीतीश कुमार के हाथ में बिहार की कमान है, इस दौरान उन्होंने क्या किया? यह बात कहते हुए उन्होंने केंद्र सरकार को भी कटघड़े में खड़ा किया। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि शेयर बाजार में भारत के लोगों का पैसा लगा है, उसमें नुकसान हो रहा है। केंद्र सरकार अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है।

बिहार को सिंगापुर बनाने की बात हुई थीः अखिलेश प्रसाद

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर होते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को सिंगापुर बनाने की बात कही थी। मगर बिहार में 2 दिन की बारिश इसे डूबा देती है। उन्होंने कहा कि यह हाल राजधानी पटना का है। उन्होंने कहा कि 'मैं पाटलिपुत्र कॉलोनी में रहता हूं। दो दिनों की बारिश से वहां अब तक पानी लगा है, लेकिन कोई देखने वाला नहीं है।' उन्होंने कहा कि बिहार बंटवारे पर हरियाणा और बिहार बनाने की बात कही गई थी। उन्होंने नीतीश कुमार को उनके पुराने वादे याद दिलाने की कोशिश की।

नवाब सिंह यादव के घर योगी चलवाएं बुलडोजर

रेप पीड़िता के दादा-दादी ने रोते हुए लगाई गुहार

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कन्नौज दुष्कर्म कांड में पुलिस आरोपी बुआ की तलाश में छापेमारी कर रही है। किशोरी के माता और पिता ने बुआ पर इस कांड में शामिल होने का आरोप लगाया है। दादी का कहना है कि तीन दिनों से हम लोगों ने ठीक से खाना नहीं खाया है।

कन्नौजः यूपी के कन्नौज में 15 साल की लड़की से दुष्कर्म के आरोप में पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव जेल की सलाखों के पीछे है। पुलिस लड़की की बुआ की तलाश सरगर्मी से कर रही है। लड़की के माता और पिता ने बुआ पर धोखा देने का आरोप लगाया है।

अब किशोरी के दादा और दादी ने नवाब सिंह यादव की प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलवाने की मांग की है। गुरुवार को दादा ने बताया- 'कुछ पुलिसवाले हमारे पास गांव आए और बोले आपको कन्नौज चलना होगा। मैं अपनी पत्नी के साथ कन्नौज पहुंचा तो वहां मामला पता चला। वहीं नातिन से मुलाकात हुई। उसके साथ गलत हुआ। दुष्कर्म हुआ। हमको न्याय मिलना चाहिए। गलत किया है जिसने उसे सजा मिलनी चाहिए।'

किशोरी की दादी से जब इस संबंध में बात किया गया तो वह रोने लगीं। रोते हुए उन्होंने बताया- 'इस घटना के तीन दिन बाद भी हम लोगों ने ठीक से खाना नहीं खाया है। बाबा जी (योगी आदित्यनाथ) को जो समझ में आए करें। जो गलत किया है उसे सजा तो मिलेगी। जो बेटी (किशोरी की बुआ) ने गलत किया है वह वो भरेगी। जो नेता ने गलत किया है उसका खामियाजा वह भरेगा।'

किशोरी को नौकरी देने के लिए कॉलेज बुलाया था

गौरतलब है कि 12 अगस्त की देर रात पुलिस ने नवाब सिंह यादव को उसके डिग्री कॉलेज से गिरफ्तार किया था।

आरोप है कि उसने लड़की को नौकरी देने के लिए बुलाया था। बुआ किशोरी को लेकर वहां पहुंची थी। पुलिस पूछताछ में किशोरी ने बताया है कि नवाब सिंह ने उसके साथ रेप किया। पहले पुलिस ने यादव पर छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट लगाया था। बाद में दुष्कर्म की धारा भी जोड़ी गई।

बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने दावा किया है कि नवाब सिंह यादव सपा का छुटभैया नेता नहीं, बल्कि डिंपल यादव का सांसद प्रतिनिधि भी रहा है।

इस बीच, सपा जिलाध्यक्ष कलीम खां ने बताया कि नवाब सिंह यादव लगभग पांच साल से पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे, यहां तक कि वह पार्टी के प्रारंभिक सदस्य भी नहीं हैं, फिर भी पार्टी की छवि धूमिल करने के लिए एक षड्यंत्र के तहत उन्हें समाजवादी पार्टी का सदस्य बताया जा रहा है।

लड्डू खाकर बेहोश हुई महिला जज

अदालत में गिरीं, तीन दिन से अस्पताल में; दुकान मालिक-कर्मचारियों पर केस

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित नीलकंठ स्वीट्स के मालिक व कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि यहां से खरीदे बूंदी के लड्डू खाने से लखनऊ जिला न्यायालय में तैनात एडिशनल जिला जज (एडीजे) कु. मंजुला सरकार, उनकी बहन व नौकरानी बीमार हो गई। एडीजे को तो अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। पुलिस से की शिकायत के मुताबिक गोमतीनगर विस्तार निवासी एडीजे मंजुला सरकार ने 31 जुलाई को शाम साढ़े विजयखंड स्थित मिठाई की दुकान से 250 ग्राम बूंदी के लड्डू और अन्य मिठाई खरीदी थी। घर पहुंचकर उन्होंने, उनकी बहन मधुलिका और नौकरानी अनीता ने लड्डू खाए। तीनों की तबियत बिगड़ गई।

पुलिस से की शिकायत के मुताबिक गोमतीनगर विस्तार निवासी एडीजे मंजुला सरकार ने 31 जुलाई को शाम साढ़े छह बजे विजयखंड स्थित मिठाई की दुकान से 250 ग्राम बूंदी के लड्डू, दो छोटे घेवर, अंदरसे, समोसे और पानी के बताशे खरीदे। घर पहुंचकर उन्होंने व उनकी बहन मधुलिका और नौकरानी अनीता ने लड्डू खाए।

आधे घंटे बाद तीनों के पेट में दर्द शुरू हो गया, जिसे इन्होंने नजरअंदाज कर दिया। एडीजे अगले दिन जिला न्यायालय पहुंचीं तो उन्हें सेहत ठीक नहीं लगी। तीन अगस्त को उनकी फिर से कोर्ट में तबीयत बिगड़ गई। लंच के बाद विश्राम कक्ष में वह अचानक बेहोश हो गईं। आनन-फानन उन्हें गोमतीनगर विस्तार के हेल्थ सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें गेस्ट्रोएंटेरिक इन्फेक्शन हो गया है। तीन दिन अस्पताल में रहने के बाद भी उनका इलाज जारी है। इस पर अब तक 62 हजार रुपये खर्च हो चुके हैं। एडीजे ने मंगलवार को गोमतीनगर थाने में नीलकंठ स्वीट्स के मालिक व कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि जल्द पूछताछ की जाएगी।

व्यापारी ने फर्जी हस्ताक्षर कर चेक देने वाले तीन दबोचे, पुलिस को सौंपे

हाथरस, 15 अगस्त (एजेंसियां)। तीन माह पूर्व कासगंज के फूलों के दो व्यापारियों से गुलाब का फूल खरीद कर फर्जी हस्ताक्षर का चेक देने वाले तीन युवकों को व्यापारी ने 14 अगस्त दोपहर को सिकंदाराराऊ के पंत चौराहे से गाड़ी सहित पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया है। पीड़ित व्यापारी चिराग जौहरी व रिषभ सक्सेना ने बताया बताया है कि तीन माह पहले दिल्ली निवासी तीनों युवक उनके पास कासगंज पहुंचे। तीनों ने साढ़े तीन लाख रुपये का गुलाब खरीदा। भुगतान के तौर पर एक लाख रुपये नकद दिए व ढाई लाख रुपये का चेक दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर मायावती बोलीं- हर हाथ को काम देकर वेलफेयर स्टेट की भूमिका निभाए सरकार

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन देश के करीब 140 करोड़ बहुजनों के लिए तभी विशेष होगा, जब वे दरिद्रता से मुक्ति पाएंगे। अपने परिवार का जीवन खुशहाल कर सकेंगे, जिससे देश का सम्मान भी बढ़ेगा। यह तभी होगा, जब केन्द्र व यूपी सरकार की सोच ''हर हाथ को काम देने वाली'' हो। जैसा यूपी में चार बार रही बसपा सरकार में करके दिखाया गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा व इनकी यूपी सरकार द्वारा बहु-प्रचारित 'हर घर तिरंगा' के तहत 'आइए, मिलकर तिरंगा फहराएं, देशभक्ति की अलख जगाएं' स्लोगन वाले प्रचार व विज्ञापन ज्वलंत समस्याओं से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है।

ऐसे भावनात्मक स्लोगनों के जरिए भाजपा लोगों का मजाक न उड़ाए तो बेहतर होगा।

सरकार गरीबों को रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर प्रदान करे ताकि वे थोड़े से अनाज की कृपा पर आश्रित रहने के बजाय अपना जीवन आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के साथ जीने योग्य बना सकें।

साथ ही स्वरोजगार पर निर्भर लोगों को बुलडोजर चलाकर उजाड़ना बंद करे।

सरकार देश की अर्थव्यवस्था के विकास का दावा करते नहीं थकती है लेकिन गरीब अगर लगातार गरीब है और उसकी कमाई नहीं बढ़ रही है तो ऐसे दावे हवा-हवाई नहीं तो फिर और क्या हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया का रिकार्ड स्तर पर गिरता भाव आत्मनिर्भरता को प्रभावित करता है, जिस पर भी समुचित ध्यान देना जरूरी है। सरकार को लोगों का ध्यान भटकाने के बजाय, वास्तव में कल्याणकारी सरकार (वेलफेयर स्टेट) की भूमिका निभानी चाहिए।

मंत्री जनकराम बोले

पश्चिम चंपारण वह जिला है, जहां से स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद हुआ था

बेतिया, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बेतिया जिले में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। आन-बान-शान से समूचे जिले में प्यारा तिरंगा लहराया। मुख्य समारोह स्थल महाराजा स्टेडियम, बेतिया में जनकराम, माननीय मंत्री, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग बिहार सरकार सह प्रभारी मंत्री, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा सुबह नौ बजे झंडोत्तोलन किया गया। माननीय मंत्री द्वारा परेड का निरीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही माननीय मंत्री की उपस्थिति में बसवरिया टोला में अवस्थित महादलित टोला में श्री रामदेव राम ने झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति सहित महादलित टोला के निवासी उपस्थित रहे।

समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण कार्यालय परिसर में उप विकास आयुक्त, प्रतिभा रानी, पुलिस अधीक्षक, बेतिया के कार्यालय परिसर में पुलिस अधीक्षक, अमरकेश डी, अनुमंडल कार्यालय परिसर में एसडीएम, बेतिया, विनोद कुमार द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। साथ ही जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, महादलित बस्तियों आदि में हर्ष एवं उल्लास के साथ झंडोत्तोलन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मुख्य समारोह स्थल महाराजा स्टेडियम में झंडोत्तोलन के उपरांत माननीय प्रभारी मंत्री द्वारा जिले में क्रियान्वित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित उपलब्धियों को साझा किया गया। माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज ही के दिन साल 1947 में हमारा देश आजाद हुआ। पश्चिम चंपारण वह जिला है, जहां से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद हुआ। आज उसी भूमि पर राष्ट्रीय झण्डोत्तोलन करते हुए मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समग्र इतिहास में पश्चिम चंपारण जिला का अतुलनीय योगदान रहा है। अगस्त, 1942 में महात्मा गांधी के 'करो या मरो' के आह्वान पर 24 अगस्त, 1942 को बेतिया में लगभग 10,000 (दस हजार) निहत्थे प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजों के खिलाफ भारत छोड़ो का नारा बुलंद किया था। इस शुभ अवसर पर सभी स्वतंत्रता सेनानी, महान सपूत, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान दिया, उन्हें मैं नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी एवं सर्वजन हिताय, दृढ़ संकल्पित सात निश्चय योजनाओं का क्रियान्वयन जिले में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत अब तक कुल 5900 परिवारों को स्थाई रोजगार के साधन उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

कई साल तक अफेयर, फिर दो वर्ष पहले किया प्रेम विवाह

अब महिला डॉक्टर की हुई मौत; खड़े हो रहे ये सवाल

अंबेडकर नगर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के अंबडेकरनगर में निजी महिला चिकित्सक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पति के अनुसार महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी है। महिला का पति भी डॉक्टर है।

यूपी के अंबेडकरनगर की सीएचसी बसखारी परिसर में बने आवास में निजी महिला चिकित्सक की मंगलवार रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई। महिला अपने पति सीएचसी में तैनात चिकित्सक के साथ सरकारी आवास पर रहती थी। पति के अनुसार महिला ने फांसी लगा ली थी। जिंदा बचा लेने की उम्मीद में तुरंत उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने चिकित्सक पति व अन्य परिजनों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है।

बसखारी सीएचसी परिसर में बने डॉक्टर आवास में मंगलवार आधी रात के करीब चिकित्सक डॉ. प्रशांत सिंह ने लोगों को बताया कि उनकी पत्नी सुधा स्वाति सिंह (30) ने फांसी लगा ली है। खबर सुनते ही वहां अफरा-तफरी फैल गई। प्रशांत के अनुसार उन्होंने आसपास के लोगों की मदद से पंखे पर दुपट्टे के फंदे से लटक रहीं सुधा को बेसुध दशा में नीचे उतारा।

इसके बाद सीएचसी में प्राथमिक उपचार देने की कोशिश के साथ एंबुलेंस के जरिए तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने सुधा को मृत घोषित कर दिया। सरकारी आवास में महिला डॉक्टर का शव मिलने के बाद सीओ सिटी देवेंद्र मौर्य व बसखारी पुलिस टीम ने आवास सील कर दिया।

साथ ही सुधा के शव को जिला अस्पताल से ही पोस्टमॉर्टम हाउस भिजवा दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम ने भी इससे पहले चिकित्सक दंपती के आवास का विधिवत जायजा लेकर नमूना आदि एकत्र किए।

इस बीच बिहार से पहुंचे महिला चिकित्सक के मायके पक्ष के लोगों ने पति व अन्य पर परिजनों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। कहा कि दो वर्ष पहले शादी हुई थी, उसके बाद से ही चिकित्सक के परिजन उत्पीड़न कर रहे थे। आरोप लगाया कि दहेज के लिए उनकी पुत्री की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी चिकित्सक व परिजनों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

हरियाणा सीएम बोले-3 लाख लखपति दीदी बनाएंगे

कुरुक्षेत्र, 15 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस पर कुरूक्षेत्र में तिरंगा फहराया। इसके बाद सीएम सैनी ने कहा- मैं हरियाणा के लोगों को 76वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। आज हर घर तिरंगा फहरा रहा है। मैं हमारी आजादी के लिए मर मिटने वाले शहीदों को पूरे हरियाणा की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। मैं उन सब शहीदों को नमन करता हूं, जिन्होंने देश की आजादी में अपना दिया है।

स्वतंत्रता सेनानियों-उनकी विधवाओं को 40 हजार पेंशन

सीएम ने कहा कि नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए अंबाला कैंट में 538 करोड़ रुपए से बनाए जा रहे शहीद स्मारक का निर्माण अंतिम चरण में है। देश के लिए मर मिटने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनकी विधवाओं की हरियाणा सरकार ने जुलाई माह में पेंशन बढ़ोतरी करते हुए 40 हजार रुपए मासिक की है।

शहीद परिवार को एक करोड़ रुपए, अग्निवीरों को आरक्षण

इसके अलावा सीमा पर शहीद होने वाले सैनिक के परिवार के लिए अनुग्रह राशि बढ़ाकर एक करोड़ रुपए की है। इसके साथ ही उनके आश्रितों को 415 सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अलावा हरियाणा सरकार अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण दे रही है।

सड़क पर दौड़ती हर दूसरी कार हरियाणा में बनी

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से हरियाणा में सबका साथ और सबका विकास की परिकल्पना से विकास किया जा रहा है। हरियाणा पीएम की इसी परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है। आज देश में जो भी कारें सड़कें पर दौड़ रही हैं, उनमें से हर दूसरी कार हरियाणा में ही बन रही है। सीएम ने कहा कि हरियाणा में सड़कों का जाल बिछ चुका है।

ओलिंपिक मेडलिस्ट को 6 करोड़ तक कैश इनाम दे रहे

हरियाणा के युवाओं ने हाल ही में संपन्न हुए पेरिस ओलिंपिक में हरियाणा खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। सरकार ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले को 6 करोड़, सिल्वर मेडल जीतने वाले को 4 करोड़ और ब्रांज मेडल जीतने वाले को 2.5 करोड़ रुपए दे रही है। यह देश में खिलाड़ियों को देने वाली नगद राशि में सबसे ज्यादा है।

सीएम ने कहा कि इसके अलावा सरकार उन्हें सरकारी नौकरी भी दे रही है।

हरियाणा में 3 लाख लखपति दीदी बनाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का फैसला किया है। हरियाणा में भी 3 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा। पहले चरण में 62 हजार महिलाओं को सरकार लखपति दीदी बनाया जाएगा। पंचायती राज संस्थान में महिलाओं को 50% आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है।

कार्यक्रम से पहले 3 जगह मुख्य अतिथि बदले

हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम से पहले 3 जगह मुख्य अतिथि बदले गए हैं। इंद्री उपमंडल में विधायक हरविंद्र कल्याण की जगह पर विधायक राम कुमार कश्यप और छछरौली में विधायक विधायक राम कुमार कश्यप की जगह हरविंद्र कल्याण ने झंडा फहराया। रेवाड़ी में गुरुग्राम कमिश्नर की जगह हरियाणा समाज कल्याण बोर्ड की चेयरपर्सन सुमित्रा चौहान ने ध्वजारोहण किया।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हिंसा और तोड़फोड़ को लेकर ममता सरकार पर उठाए सवाल

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ रेप कर उसकी बेरहमी से की हत्या कर दी गई। इस मामले में बुधवार सुबह दिल्ली से सीबीआई की एक स्पेशल टीम ने कोलकाता पहुंचकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। इस बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में आपातकालीन विभाग का दौरा किया। जहां एक महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या पर डॉक्टरों और छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने तोड़फोड़ की थी।

आरजी कार मेडिकल कॉलेज के दौरे के बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि कोलकाता में जो रहा है, वह ठीक नहीं है। कानून-व्यवस्था राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। डॉक्टर की हत्या और रेप के बाद लोग सुरक्षा चाहते हैं।

लुधियाना में किसानों का ट्रैक्टर मार्च

काले कानूनों की प्रतियां जलाईं; कहा- आजादी तो मिली लेकिन आज अपने ही हमें लूट रहे

लुधियाना, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में गुरुवार को भारतीय किसान मजदूर यूनियन की साहनेवाल इकाई की ओर से ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। मार्च में 200 से अधिक किसान ट्रैक्टर चालक शामिल हुए। ट्रैक्टर मार्च राहों रोड बस्ती जोधेवाल से शुरू होकर डीसी ऑफिस पहुंचा।

करीब 10 किलोमीटर के मार्च के दौरान शहर के लोगों ने भी किसानों के इस मार्च का समर्थन किया। किसान देशभक्ति के गीत गाते और जय जवान जय किसान के नारे लगाते हुए फिरोजपुर रोड कोर्ट परिसर के बाहर पहुंचे।

किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों ने तीनों काले कानूनों की प्रतियां जलाईं। प्रधान दिलबाग सिंह ने कहा कि भारत

सरकार द्वारा लाए गए तीन काले कानून दुनिया में कहीं भी लागू नहीं हैं। आज उन कानूनों के विरोध में काले कानून की प्रतियां जलाई गई हैं। किसानों की पिछली मांगें अधूरी हैं। आज केंद्र सरकार देश में ऐसे कानून ला रही है कि देश फिर से गुलाम बनता जा रहा है।दिलबाग ने कहा कि हमें अंग्रेजों से आजादी मिली लेकिन आज हमारे ही काले और गोरे हमें लूट रहे हैं। सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान मांगों को मानने के बावजूद उन्हें पूरा नहीं किया, इसका भी किसानों में कड़ा विरोध है। इसी विरोध के चलते आज ट्रैक्टर मार्च निकाला गया है। सरकार चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबों का दमन कर रही है।

विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा कांग्रेस में बढ़ी रार

कुमारी सैलजा बोलीं- मुझे पार्टी मीटिंग में बुलाया ही नहीं जाता

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हरियाणा में कांग्रेस नेताओं की लड़ाई बढती जा रही है। पार्टी मीटिंग में ही कुमारी सैलजा और उदयभान के बीच तकरार का मामला अब बढ़ता जा रहा है। कुमारी सैलजा ने मामले को लेकर सोनिया गांधी से मुलाकात की है। कहा जा रहा है कि इसमें सोनिया गांधी की ओर से पार्टी नेताओं को चुनाव में साथ काम करने को कहा गया है। हरियाणा में कांग्रेस के नेताओं में अंदरूनी कलह अब खुलकर दिखने लगी है। कुमारी सैलजा ने यहां तक कहा कि उन्हें पार्टी की बैठक में बुलाया ही नहीं जाता है।

क्या है मामला?

कांग्रेस की बैठक में मंगलवार को हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष चौधरी उदयभान और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व सिरसा से

सांसद कुमारी सैलजा आमने-सामने आ गए। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि उदयभान का आरोप था कि सैलजा पार्टी की बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल नहीं होती है। तब बैठक में मौजूद राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ हरियाणा की बैठक नहीं है। दोनों नेताओं को एक-दूसरे को साथ लेकर चलने के निर्देश दिए गए।

सोनिया गांधी से की मुलाकात

कुमारी सैलजा ने इसके अगले की दिन सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद कुमारी सैलजा ने मीडिया से कहा कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इसलिए हरियाणा कांग्रेस में सभी को मिलकर काम करना पड़ेगा। उन्होंने कांग्रेस की बैठक में किसी भी तरह की तकरार होने को अफवाह बताया है। हरियाणा कांग्रेस के नेताओं के बीच हुई कहासुनी को आधार बनाकर भाजपा ने चुटकी ली है। हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष एवं विधायक मोहन लाल बडोली ने सैलजा की सोनिया गांधी से हुई मुलाकात के बाद एक ट्वीट कर कहा कि मान मनौवल करने गए थे और सिर फुटौवल करके आए हैं।

बैठक में क्या-क्या हुआ?

दरअसल बैठक में हरियाणा में चुवान की तैयारियों को लेकर चर्चा की जा रही थी। इसमें प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने पार्टी नेतृत्व को हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत चल रही सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की पदयात्रा की जानकारी दी। इसी दौरान उदयभान और कुमारी सैलजा में बहस हो गई। इसके बाद आलाकमान की ओर से इस पर नाराजगी जताई गई है मामले पर संज्ञान लिया गया। सूत्रों के मुताबिक आलाकमान ने दोनों नेताओं को सख्त हिदायत दी है।

230 नए सुखोई जेट इंजन देश में ही तैयार करेगी एचएएल, 21000 करोड़ की डील से बढ़ेगी वायुसेना की ताकत

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना का ताकत में इजाफे को लेकर रक्षा मंत्रालय ने खास प्लान बनाया है। एयरफोर्स करीब 21,000 करोड़ रुपये में सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू जेट के लिए एचएएल से निर्मित 230 इंजन खरीदने की योजना बनाई है। इन नए इंजनों से पुराने इंजन बदले जाएंगे। इसके साथ ही, लगभग 100 लड़ाकू जेट्स के अपग्रेडेशन का भी योजना बनाई गई है। रक्षा मंत्रालय जल्द ही सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू विमानों के लिए 21,000 करोड़ रुपये के जेट इंजन सौदे पर हस्ताक्षर करेगा। यह इंजन भारत में ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड तैयार करेगा। यह डील अगले कुछ दिनों में लगभग 230 इंजनों के लिए की जाएगी।

यह डील एयरफोर्स के लिए बेहद अहम है क्योंकि उसकी सुखोई 30एमकेआई फाइटर जेट फ्लीट को नए इंजन और अपग्रेड की सख्त जरूरत है। रक्षा मंत्रालय ने इन जेट के लिए जरूरी एएल 31 यफपी इंजन खरीदने का फैसला किया है। कुल मिलाकर लगभग 950 इंजनों की जरूरत है क्योंकि ये सभी दो इंजन वाले सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करते हैं। एचएएल इन इंजनों को लाइसेंस समझौते के तहत बनाएगा, जिसमें स्थानीय स्तर पर उत्पादन का स्तर काफी अधिक होगा। उम्मीद है कि इस सौदे से एचएएल की ओर से स्थापित विक्रेता और आपूर्तिकर्ता बेस को भी काफी फायदा होगा।

एयरफोर्स को मिलेंगे 230 नए सुखोई जेट इंजन

नए इंजनों के अलावा, सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू विमानों के बेड़े को भी अपग्रेड किया जाएगा। इस अपग्रेड योजना में पूरी तरह से नए एवियोनिक्स, रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सुइट्स शामिल होंगे। पहले चरण में लगभग 100 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड किया जाएगा, जो पूरी तरह से भारत में ही होगा। इस अपग्रेड योजना की कीमत 60,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है और एचएएल इसमें प्रमुख भूमिका निभाएगा। भारतीय वायु सेना और अन्य साझेदार भी इसमें शामिल होंगे।

एचएएल करेगा जेट इंजन का निर्माण

भारत ने रूस से 272 सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू विमान मंगवाए थे जो वायु सेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े का मुख्य हिस्सा हैं। दुर्घटनाओं में नष्ट हुए विमानों की जगह लेने के लिए 12 अन्य जेट खरीदने के लिए 11,000 करोड़ रुपये का एक और सौदा भी रक्षा मंत्रालय की ओर से मंजूर किया गया है। हालांकि, इस पर अभी तक साइन नहीं हुए हैं। एचएएल अमेरिकी इंजन निर्माता GE एविएशन के साथ भी एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला है। इस समझौते के तहत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से उन्नत जेट इंजन बनाए जाएंगे। जीई 414 इंजन तेजस हल्के लड़ाकू विमान के अगले संस्करण और भविष्य के अन्य कार्यक्रमों को शक्ति प्रदान करेंगे।

एयरफोर्स की बढ़ेगी ताकत

सूत्रों ने बताया कि लगभग 230 इंजनों का ऑर्डर अगले कुछ दिनों में दिया जाएगा, और इनकी डिलीवरी अगले कुछ सालों में होगी। उन्होंने कहा कि एएल 31 यफपी इंजनों की कुल जरूरत लगभग 950 है क्योंकि ये सभी दो इंजन वाले सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करते हैं। नए इंजनों के अलावा, मुख्य सुखोई 30एमकेआई लड़ाकू विमानों के बेड़े को भी एक योजना के तहत अपग्रेड किया जाएगा जिसमें पूरी तरह से नए एवियोनिक्स, रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सुइट्स शामिल होंगे।

रेवाड़ी में 2 युवकों को मारी गोलियां, हालत गंभीर:मंदिर के बाहर बैठे थे; बाइक सवार 3 बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग

रेवाड़ी, 15 अगस्त (एजेंसियां)।हरियाणा के रेवाड़ी में आज स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस की ओर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम में व्यस्त थे। इसी दौरान रेवाड़ी गोलियों की आवाज से गूंज उठा। गांव गोकलगढ़ में तीन बाइक सवार युवकों ने मंदिर के बाहर बैठे दो युवकों को गोली मार दी। दोनों घायल युवकों का शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी अनुसार गोकलगढ़ गांव के यशपाल के पेट में गोली लगी है, वहीं धीरज की कमर में गोली लगी है। दोनों युवकों के तीन गोलियां लगी। पुलिस के अनुसार पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस छानबीन कर रही है। धीरज और यशपाल दोनों गुरुवार को गांव में मंदिर के बाहर बैठे हुए थे।

इसी दौरान तीन युवक बाइक पर सवार होकर आए और दोनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद दोनों युवक घायल होकर गिर गए। गोली मारने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खगाले हैं।

परिजन दोनों को शहर के ट्रामा सेंटर में लेकर गए। गंभीर हालत को देखते डॉक्टर ने उन्हें रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दोनों का इलाज चल रहा है। गोली मारने वाले बदमाश फरार हो गए। गोली की सूचना मिलते ही रेवाड़ी सीआईए पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुटी।

आतंकी हमलों से फर्क नहीं, जम्मू कश्मीर समेत 4 राज्यों में इलेक्शन के लिए चुनाव आयोग तैयार

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर समेत 4 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने के लिए इलेक्शन कमिशन तैयार हो गया है। सूत्रों का कहना है कि अमरनाथ यात्रा खत्म होते ही 19 या 20 अगस्त तक हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने जम्मू कश्मीर और हरियाणा के अधिकारियों के साथ इस संबंध में मीटिंग भी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर से पहले चुनाव कराने का आदेश दिया था।

कश्मीर में चुनाव कराने को ईसी तैयार

पिछले कुछ समय से जम्मू कश्मीर में हो रहे आतंकी हमलों को देखते हुए आशंका जताई जा रही थी कि ऐसे हालात में क्या वहां

चुनाव होने चाहिए? इसके जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि जम्मू कश्मीर में कोई भी ताकत चुनाव टालने के बारे में सोच भी नहीं सकती है। चुनाव प्रक्रिया में करीब 40 दिन का वक्त चाहिए होता है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि सितंबर-अक्टूबर तक इलेक्शन हो सकते हैं। जम्मू कश्मीर में करीब 10 साल बाद 90 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव होंगे। राज्य के चुनाव आयुक्त पांडुरंग ने कहा कि हमारी तरफ से सारी तैयारी हो चुकी है।

25 अगस्त तक हरियाणा का नंबर

हरियाणा में 90 सीटों वाली विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर को पूरा होने वाला है। पिछली बार 2019 में हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव 21 अक्टूबर को एक साथ कराए गए थे और रिजल्ट भी 24 अक्टूबर को एक साथ आया था। 11-12 अगस्त को चुनाव आयोग ने हरियाणा के सीईओ पंकज अग्रवाल, राजनीतिक पार्टियों और अन्य एजेंसियों के साथ मीटिंग की थी। माना जा रहा है कि 25 अगस्त के आसपास हरियाणा के लिए आयोग चुनावों की घोषणा कर सकता है।

महाराष्ट्र में क्या बन रहा सीन?

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म होने वाला है। यहां इस बार नवंबर में दिवाली के बाद चुनाव कराए जा सकते हैं। ऐसी अटकले लगाई जा रही हैं कि महाराष्ट्र के लिए अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में आचार संहिता लागू कर दी जाए। दिवाली के बाद नवंबर में चुनाव और 20 नवंबर तक रिजल्ट घोषित कर दिया जाए।

बल्लभगढ़ में युवक के हाथ-पैर तोड़े:बाइक लेकर ड्यूटी पर जा रहा था; हथौड़े से किया वार

फरीदाबाद, 15 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में घर से ड्यूटी जा रहे 25 वर्षीय सौरभ नाम के युवक पर कल शाम कुछ युवकों ने हमला कर उसके हाथ पैर तोड़ दिए गए। आरोपियों ने सौरभ को गोली मारने की कोशिश की, पर बंदूक नहीं चली। घायल युवक को स्थानीय लोगों और पुलिस द्वारा फरीदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसकी हालत अभी स्थिर है।

पुरानी रंजिश के चलते किया हमला

पीडित सौरव ने बताया कि हमला करने वाले उसके ही गांव के सचिन, गौरव और दोनों के पिता और ताऊ थे। पुरानी रंजिश की वजह से यह हमला किया। सौरभ ने बताया कि वह शाम को अपने घर से नाइट ड्यूटी के लिए काम पर बल्लभगढ़ कंपनी में जाने के लिए निकला था सचिन और गौरव उसका गांव से ही पीछा करना शुरू कर दिया।

सचिन ने फायर करने की कोशिश की

पीड़िता ने बताया कि वह अपने गांव महमूदपुर से ढहकोला गांव के पास पहुंचा तो सचिन ने बंदूक निकालकर उसे पर चलने की कोशिश की लेकिन बंदूक नहीं चली। तो गौरव ने हथौड़े से चलती बाइक पर पीछे से मार दिया। जिसके बाद बाइक लेकर सौरभ नीचे गिर गया। फिर दोनों ने सौरव के हाथों और पैरों पर वार शुरू कर दिए।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल

आसपास के लोगों ने 112 को फोन करके मौके पर बुलाया। पुलिस को आता देख सभी वहां से भाग निकले बाद पुलिस और स्थानीय लोगों द्वारा सौरव को घायल अवस्था मे सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया है।

बीजेपी को पार्टी के अंदर से ही चुनौती, पूर्व मंत्री ने कहा- लोग वोट उम्मीदवार को देंगे

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले भाजपा अपने नेताओं की बगावत से जूझ रही है। हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने अपने आक्रामक तेवरों को जारी रखते हुए बीजेपी को चेतावनी दी है कि अगर वह उम्मीदवारों को बदलेगी तो उसके पक्ष में लोग हैं लेकिन अगर उसने पिछला चुनाव लड़ चुके उम्मीदवारों को ही इस बार टिकट दिया तो एक सीट को छोड़कर दक्षिण हरियाणा से उसका सूपड़ा साफ हो जाएगा।

राव नरबीर ने कहा है कि बीजेपी को बड़े बदलाव करने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के शीर्ष नेताओं को बता चुके हैं कि उनका यह आकलन है कि नांगल चौधरी से होडल तक केवल अभय सिंह राव ही मुकाबला कर सकते हैं बाकी पूरा मैदान साफ है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि यह सच है कि हरियाणा में सत्ता विरोधी लहर है और लोग इस बात को देखेंगे कि उनके लिए कौन खड़ा रहता है और कौन काम करता है, वे उसे ही वोट देंगे। उन्होंने कहा कि लोग किसी राजनीतिक दल को नहीं देखेंगे और बीजेपी को यह देखने की जरूरत है कि मतदाता किसे चाहते हैं।

हरियाणा में जल्द ही विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। एक ओर जहां नायब सिंह सैनी की सरकार और बीजेपी का संगठन हरियाणा की सत्ता में वापसी की लगातार कोशिश कर रहा है तो दूसरी और राव नरबीर सिंह जैसे बड़े नेता उसकी मुश्किलें बढ़ा रहे हैं।

बीजेपी के नारे का उड़ाया मजाक

राव नरबीर सिंह ने 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के द्वारा दिए गए 75 पार के नारे का भी एक तरह से मजाक उड़ाया और कहा कि 75 पार का नारा देने वाले पिछली बार 40 पर ही रह गए। बीजेपी को पिछले विधानसभा चुनाव में 40 सीटें मिली थी।

2019 में कट गया था टिकट

बीजेपी की मुश्किलें टिकट बंटवारे को लेकर भी है क्योंकि गुरुग्राम के सांसद और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह अपनी बेटी और समर्थकों को टिकट दिलाने के लिए कमर कस चुके हैं।

भाजपा ने 2019 के विधानसभा चुनाव में राव नरबीर सिंह का टिकट काट दिया था और पार्टी को यह फैसला भारी पड़ा था। तब अहीरवाल की सियासत में यह चर्चा आम थी कि राव नरबीर सिंह का टिकट राव इंद्रजीत सिंह के कहने पर काटा गया है।

2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने राव नरबीर सिंह की जगह युवा नेता मनीष यादव को टिकट दिया था लेकिन तब यहां से निर्दलीय उम्मीदवार राकेश दौलताबाद ने उन्हें 10186 वोटों से हराया था। राकेश दौलताबाद का कुछ महीने पहले निधन हो चुका है और अब उनकी पत्नी कुमुदिनी राकेश दौलताबाद चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। बीजेपी के लिए मुश्किल यह है कि वह बादशाहपुर में किसे टिकट दे।

राव नरबीर सिंह ने एक बार फिर स्पष्ट रूप से कहा है कि वह किसी भी सूरत में बादशाहपुर से ही चुनाव लड़ेंगे चाहे बीजेपी उन्हें उम्मीदवार बनाया या ना बनाए। राव नरबीर इन दिनों लगातार बादशाहपुर हलके में अपने समर्थकों के साथ बैठक कर रहे हैं। राव नरबीर सिंह लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही खुलकर कह रहे हैं कि वह बादशाहपुर हलके से चुनाव जरूर लड़ेंगे। बादशाहपुर से ही पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पूर्व ओएसडी जवाहर यादव भी चुनाव लड़ना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद है कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की पैरवी की वजह से उन्हें टिकट मिल सकता है। इसके अलावा बादशाहपुर से 2019 के चुनाव में हार चुके मनीष यादव, पूर्व मेयर विमल यादव भी चुनाव लड़ना चाहते हैं।

राव नरबीर सिंह ने कुछ दिन पहले बीजेपी नेतृत्व को चेताया था कि पार्टी इस बार उनका टिकट काटने की गलती ना करे। राव नरबीर सिंह ने पिछले महीने अफसरों पर नशाना साधते हुए राज्य की बीजेपी सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा था कि अधिकारियों ने हरयिाणा में लूट मचा रखी है और खास कर गुरुग्राम में हर काम के लिए अफसर आम जनता से पैसे ले रहे हैं।

अदालत के आदेश के बाद भी एमपी के कई सरकारी विभागों में 13 फीसदी पदों पर नहीं रुकी नियुक्तियां

एचसी का आला अधिकारियों को नोटिस जारी

भोपाल/जबलपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। एमपी हाईकोर्ट ने सरकारी नौकरियों में ओबीसी आरक्षण से जुड़े एक मामले में अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए कई आला अधिकारियों को नोटिस भेजा है। मामला 13फीसदी पदों पर नियुक्ति पर रोक के आदेश के बावजूद नियुक्तियां जारी रखने से जुड़ा है। यह पूरा मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी अनुभव सैनी ने यह याचिका दायर की है। सैनी ने अपनी याचिका में बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 1 अगस्त, 2022 को ग्रुप-3 में सब-इंजीनियर पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसके बाद 4 अगस्त, 2023 को हाईकोर्ट ने ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 13फीसदी अतिरिक्त कोटा के प्रावधान के तहत विज्ञापित 13प्रतिशत पदों पर नियुक्तियों को रोकने का अंतरिम आदेश दिया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि हाईकोर्ट का यह आदेश राज्य सरकार के सभी विभागों पर लागू होता है। हालांकि, जल संसाधन, पंचायत और पीएचई विभाग तथा एमपी हाउसिंग बोर्ड ने हाईकोर्ट द्वारा रोके गए 13प्रतिशत पदों पर नियुक्ति आदेश जारी कर दिए। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह कोर्ट की अवमानना है। इस मामले में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश राजौरा और मलय श्रीवास्तव, पीएचई सचिव जे पी नरहरि, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता शिरीष मिश्रा और एमपीएचबी के एमडी चंद्रमौली शुक्ला को प्रतिवादी बनाया गया है।

न्यायमूर्ति विनय सराफ की पीठ ने मांगा जवाब

प्रारंभिक सुनवाई के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की पीठ ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के वकील अंशुल तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने 4 अगस्त, 2023 को एक अंतरिम आदेश में ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 13 प्रतिशत अधिक कोटा के प्रावधान के तहत विज्ञापित 13 फीसदी अतिरिक्त पदों पर नियुक्तियों को रोकने के लिए कहा था।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 16 अगस्त- 2024

आवाज क्यों नहीं उठा रहीं महिलाएं?

कोलकाता में लेडी डॉक्टर के साथ जो घटना घटी उसके बाद कई सवाल उठने लगे हैं। आज आजादी के महापर्व पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को फांसी तक देने का कानून बना देने की बात कही है। सवाल है कि क्या सिर्फ कानून बना देने से महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध रुक जाएंगे। महिला सुरक्षा एक ऐसा मुद्दा बन गया है जिस पर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही है। इन सबके बीच इस पर होने वाली राजनीति को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दर्दनाक घटना हुई है उसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। यह घटना महिला सुरक्षा और लोगों के विश्वास पर गहरा प्रश्नचिह्न लगाती है। इस घटना के विरोध में देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं और न्याय की मांग की जा रही है। इस मामले पर राजनीति भी कम नहीं हो रही है। महिला सुरक्षा की मांग और इस पर हो रही राजनीति के बीच एक बात गौर करने वाली है। ऐसा सिर्फ इसी मामले में नहीं बल्कि महिलाओं से जुड़े दूसरे मामलों में भी देखने को मिल रहा है। एक चुप्पी के पीछे कई सवाल अपने आप खड़े हो जाते हैं। बंगाल की इस घटना पर टीएमसी की महिला सांसदों का वैसा आक्रामक रूप नजर नहीं आ रहा। टीएमसी की बहुचर्चित महिला सांसद महुआ मोइत्रा से जब एक पत्रकार ने सवाल किया तो उन्होंने उन्हें ब्लॉक कर दिया। यह सिर्फ एक पार्टी और राज्य की बात नहीं है। सपा की एक महिला नेता का बयान भी यूपी के एक मामले पर आया जिसको लेकर सवाल उठे। यहां भी मामला महिला से जुड़ा हुआ है। सिर्फ विपक्षी महिला नेता या सांसद ही नहीं सत्ता पक्ष की ओर से भी पूर्व में ऐसा देखा गया है। ऐसे में लोगों के मन में जो सवाल आ रहा है वह और भी बड़ा हो जाता है। एक ओर तो हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात हो रही है दो दूसरी ओर उन्हें प्रताडित करने की वारदातें भी बढ़ती जा रही हैं। संसद में महिला आरक्षण बिल पास हो गया है और आने वाले वक्त में महिलाओं की भागीदारी और भी बढ़ेगी। यह फैसला भी काफी देर से हुआ लेकिन ठीक है। ऐसा माना जाता है कि महिलाओं की संख्या बढ़ेगी तो महिला सांसद, विधायक महिलाओं से जुड़े मामलों को बढ़चढ़ कर उठाएंगी। लेकिन पश्चिम बंगाल जैसी घटना पर यह उम्मीद नाउम्मीद में क्यों बदल जाती है। बहरहाल, देखा यह जा रहा है कि यदि हमारी पार्टी से जुड़ा कोई मसला होगा या हमारी पार्टी जिस राज्य में सत्ता में है तो बतौर महिला सांसद, विधायक, नेता हम अपनी पार्टी का बचाव करेंगे ही करेंगे, जबकि विरोधी दल द्वारा शासित राज्य की घटनाओं को राई का पहाड बना कर ही दम लेंगे। दूसरे मामलों को छोड़िए, क्या महिलाओं से जुड़े मामलों पर भी वैसा ही स्टैंड पार्टी की महिला नेताओं का होगा। आज के राजनीतिक माहौल में हर मुद्दे को राजनीति के चश्मे से ही देखा जाने लगा है। बंगाल में किसी टीएमसी की महिला नेता का वैसा तेवर इस पूरे मामले पर क्यों नहीं दिखता? जैसा कि दूसरे राज्यों की घटनाओं को लेकर दिखता है। ऊपर से यदि कोई सवाल पूछे तो उस पर ही सवाल खड़े करने पर उतारू हो जाते हैं। यूपी के कन्नौज जिले में 15 साल की लड़की से बलात्कार के प्रयास के आरोप में समाजवादी पार्टी के एक नेता को गिरफ्तार किया गया। इस मामले पर समाजवादी पार्टी की एक महिला नेता ने कहा कि ऐसी कौन सी नौकरी थी जो 15 साल की बच्ची रात में मांगने गई थी। अब इस बयान को सुनकर कोई भी माथा पीट लेगा। इससे ऐसा लगता है कि पीड़िता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया गया है। अब आते हैं उस मुद्दे की ओर जो मामले को और गंभीर बनाता है। सिर्फ विपक्ष ही नहीं सत्ता पक्ष की ओर से भी ऐसा देखने में आया है। जो तेवर और जो अंदाज अलग-अलग राजनीतिक दलों की महिला नेताओं का विरोधियों से जुड़े मामले पर देखने को मिलता है वही तेवर अपनी ओर क्यों नहीं दिखता। क्या यह जरूरी नहीं, खासकर महिलाओं से जुड़े मामले में महिला नेता अपनी आवाज और बुलंद करें। यदि आवाज बुलंद होगी तो दूसरी बेटियों, महिलाओं को भी इससे ताकत मिलेगी। इससे उम्मीद की जा सकती है कि एक न एक दिन वह सुबह जरूर आएगी जब लडकियां निडर हो कर सडकों व गली चौराहों पर निकल सकेंगी।

रिश्तों की जुगलबंदी

सुरेश मिश्रा

गांव का माहौल हमेशा ही गर्म रहता है, लेकिन आज कुछ ज्यादा ही गर्म था। पंचायत के बीचों-बीच बैठे रामू काका, जो अपनी वृद्धावस्था के बावजूद हर मामले में टांग अड़ाने में माहिर थे, कुछ सोच में डूबे हुए थे। यह वो समय था जब लोग अपने दुखों से ज्यादा दूसरों के सुखों पर चर्चा करते थे। गांव के सरपंच, भोलू चाचा, जो अपने ज्ञान और चतुराई के लिए कुख्यात थे, ने रामू काका से कहा, काका, आजकल के लोग तो ऐसे हो गए हैं, जैसे बिना नमक का खाना। हर कोई खुद को तीसमारखां समझता है, लेकिन दिमाग में भूसा भरा हुआ है। रामू काका ने अपने चश्मे को ठीक करते हुए कहा, भोलू, आजकल के रिश्ते भी तो वैसे ही हैं।

आजकल लोग रिश्तों को ऐसे निभाते हैं, जैसे घर में फालतू पड़ी चीज़ों को; जब मन किया उठाया, जब मन किया छोड़ दिया।पंचायत में बैठे अन्य लोग भी ध्यान से रामू काका और भोलू चाचा की बात सुन रहे थे। तभी वहां गांव के स्कूल मास्टर जी आ गए। मास्टर जी के चेहरे पर कुछ झुंझलाहट थी, जो उनके शब्दों में भी झलक रही थी, अरे भाई, आजकल के बच्चों का क्या हाल कहूं। पढ़ाई में तो वैसे ही पिछड़े हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर ऐसे एक्टिव रहते हैं, जैसे दुनिया का सारा ज्ञान वहीं मिल जाएगा। रामू काका ने चुटकी लेते हुए कहा, मास्टर जी, यही तो आजकल की पढ़ाई का कमाल है। बच्चे स्कूल कम और व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी ज्यादा जाते हैं। ज्ञान तो ऐसे फेंकते हैं कूड़े के डिब्बे में कूड़ा। अगर मूर्खता का मीटर लगे तो सबके नाप के हिसाब से अलग-अलग मीटर लगाना पड़ेगा।मास्टर जी भी हंस पड़े और बोले, काका, सही कह रहे हो। जब बच्चे पूछते हैं कि 'मास्टर जी, इस सवाल का जवाब गूगल पर नहीं मिला', तो मैं भी कह देता हूं—'बेटा, गूगल भी अब तुम्हारी कक्षा का विद्यार्थी हो गया है।'इतने में गांव के सबसे अमीर व्यक्ति, लाला जी, जो अपने धन के घमंड में रहते थे, वहां आ धमके। लाला जी ने पंचों की तरफ घूरते हुए कहा, क्यों भई, यहां तो खूब चर्चा चल रही है। लेकिन कोई ये क्यों नहीं मानता कि पैसे से सब कुछ खरीदा जा सकता है? आखिर पैसे से ही तो इज्जत, शोहरत और रिश्ते बनते हैं। रामू काका ने लाला जी को ध्यान से देखा और बोले, लाला जी, आपका कहना बिल्कुल सही है। लेकिन पैसा कुत्ता होता है, आदमी के पीछे-पीछे चलता है। लेकिन जब आदमी गिरता है, तो उसे चाटकर चला जाता है।लाला जी थोड़े असहज हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी बात को बदलते हुए कहा, काका, आजकल के लोग ही ऐसे हैं, जो पैसे के पीछे भागते हैं। रिश्ते तो बस नाम के रह गए हैं। तभी वहां गांव की सबसे चर्चित महिला, गोमती बुआ, आईं। गोमती बुआ का नाम गांव में बिना किसी कारण चर्चा में रहता था। उन्होंने आते ही कहा, अरे लाला जी, आप तो पैसे की बात कर रहे हो। 'आजकल की औरतें खिड़की से कम और शॉपिंग मॉल से ज्यादा ताकझांक करती हैं।' आखिर आप लोगों के पास पैसे हो या न हो, चर्चाएं तो होंगी ही।

पीएम मोदी का भाषण विकसित भारत का दस्तावेज

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद देश को लम्बा संबोधन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 98 मिनट लंबे अपने भाषण में सेकुलर कोड, रिफॉर्म, महिला अत्याचार, करप्शन और मेडिकल एजुकेशन से लेकर नई शिक्षा नीति का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी का कहना था कि अब हम चाहते हैं कि आत्मनिर्भर बनें। दुर्भाग्य से हमारे देश में आजादी के बाद लोगों को एक प्रकार के माई-बाप कल्चर से गुजरना पड़ा। सरकार से मांगते रहो, सरकार के सामने हाथ फैलाते रहो। हमने गवर्नेंस के इस मॉडल को बदला है। आज सरकार खुद लाभार्थियों के पास जाती है। लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने देश की चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि कई चुनौतियां हैं, देश के भीतर भी हैं और बाहर भी हैं। मैं ऐसी शक्तियों को कहना चाहता हूं कि भारत का विकास किसी के लिए संकट लेकर नहीं आता। जब हम विश्व में समृद्ध थे, तब भी हमने विश्व को कभी युद्ध में नहीं झोंका। हम बुद्ध का देश हैं, युद्ध हमारी राह नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक समाज के नाते हमें ये सोचना होगा कि हमारी माता, बहनों और बेटियों के साथ जो अत्याचार हो रहे हैं, उसके प्रति लोगों का आक्रोश है। राज्य सरकारों को इसे गंभीरता से लेना होगा। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जल्द से जल्द जांच हो, राक्षसी काम करने वाले लोगों को जल्द से जल्द कड़ी सजा हो। समाज में विश्वास पैसा करने के लिए ये जरूरी है। महिलाओं पर अत्याचार की जब घटनाएं होती हैं तो उसकी बहुत ज्यादा चर्चा होती है। मगर जब ऐसा करने वाले राक्षसी व्यक्ति को सजा होती है तो इसकी खबर कोने में नजर आती है। इस पर चर्चा नहीं होती है। अब समय की मांग है कि ऐसा करने वाले दोषियों की भी व्यापक चर्चा हो ताकि ऐसा पाप करने वालों को भी डर हो कि उन्हें फांसी पर लटकना पड़ेगा। मुझे लगता है कि ये डर पैदा करना जरूरी है। 'प्रधानमंत्री ने परिवारवाद और जातिवाद पर भी चिंता व्यक्त की । उनके अनुसार परिवारवाद और जातिवाद से लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। इससे हमें देश को मुक्ति दिलानी है। हमारा एक मिशन ये भी है कि एक लाख ऐसे लोगों को आगे लाया जाए, जिनके परिवार में किसी का भी राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं हो। इससे देश को परिवारवाद और जातिवाद से मुक्ति मिलेगी। इससे नयी सोच सामने आएगी। वे किसी भी दल में जा सकते हैं। भाई-भतीजावाद, जातिवाद समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं; राजनीति से इन्हें खत्म करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर काम को चुनाव से रंग दिया गया है। सभी राजनीति दलों ने अपने विचार रखे हैं। एक कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयारी है। देश को वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए आगे आना होगा। मैं राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि भारत की प्रगति के लिए वन नेशन, वन इलेक्शन के सपने को साकार करने के लिए आगे आना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई ईमानदारी के साथ जारी रखने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि हमारा हर देशवासी भ्रष्टाचार के दीमक से परेशान रहा है, इसलिए हमने व्यापक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है लेकिन उनकी प्रतिष्ठा राष्ट्र से बड़ी नहीं हो सकती। भ्रष्टाचार के प्रति लोगों के गुस्से और राष्ट्र की प्रगति में होने वाले नुकसान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'इसलिए, भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई ईमानदारी के साथ जारी रहेगी, तीव्र गति से जारी रहेगी और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरूर होगी। मैं उनके लिए भय का वातावरण पैदा करना चाहता हूं। देश के सामान्य नागरिक को लूटने की जो परंपरा बनी है उस परंपरा को मुझे रोकना है। 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में हालात जल्द सामान्य होंगे और वहां हिंदू और दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश की विकास यात्रा को लेकर शुभेच्छा रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंता होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे। 140 करोड़ देशवासियों की चिंता यह है कि वहां हिंदू, अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो। भारत हमेशा चाहता है कि हमारे पड़ोसी देश सुख और शांति के मार्ग पर चलें। शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है, हमारे संस्कार हैं। आने वाले दिनों में बांग्लादेश की विकास यात्रा के लिए हमेशा हमारी शुभेच्छा रहेगी, क्योंकि हम मानव जाति की भलाई के बारे में सोचने वाले लोग हैं। 'लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी ने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को खबरदार किया। उन्होंने कहा कि कोरोना के संकटकाल को नहीं भूला जा सकता है। यही वो देश है, जहां जब आतंकवादी हमले करके चले जाते थे। जब देश की सेना सर्जिकल स्ट्राइक करती है। जब सेना एयरस्ट्राइक करती है तो युवाओं का सीना गर्व से भर जाता है। यही बातें हैं जो देशवासियों के मन को गर्व से भरती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि क्षेत्र में बदलाव की जरूरत पर भी जोर दिया और कहा कि सरकार किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास कर रही है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी की सेहत में आ रही गिरावट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं और ऐसी कृषि पद्धतियों के लिए बजट आवंटन भी बढ़ाया गया है। मोदी ने भरोसा जताया कि भारत दुनिया का जैविक खाद्यान्न उत्पादक बन सकता है। उन्होंने कहा, "हमारी कृषि प्रणाली में बदलाव लाना बहुत जरूरी है। यह समय की मांग है। "प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर चर्चा की है। अनेक बार आदेश दिए हैं। क्योंकि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है कि जिस सिविल कोड को लेकर हम जी रहे हैं, वो सिविल कोड सचमुच में एक कम्युनल और भेदभाव करने वाला सिविल कोड है। अब हमें सेकुलर सिविल कोड की तरफ जाना होगा। प्रधानमंत्री मोदी का कहना था कि हमारे संविधान की भावना कहती है कि इस विषय पर देश में गंभीर चर्चा हो, जो कानून धर्म के आधार पर देश को बांटते हैं। ऐसे कानूनी आधुनिक समाज नहीं बनाते। देश के संविधान निर्माताओं का भी ये सपना था। जो कानून धर्म के आधार पर देश को बांटते हैं, जो ऊंच-नीच का कारण बनते हैं, वैसे कानूनों के लिए देश में कोई जगह नहीं हो सकती। देश में 75 सालों से कम्युनल सिविल कोड है। प्रधानमंत्री मोदी ने डिजाइनिंग इंडिया का भी मंत्र दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत अपनी बेस्ट क्वालिटी के लिए जाना जाएगा, इसके लिए हम डिजाइनिंग इंडिया पर बल देना है। हमें कोशिश करनी है कि अब इंडियन स्टैंडर्ड, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बनेंगे, ये हमारा लक्ष्य होना चाहिए। डिजाइनिंग इंडिया और डिजाइनिंग फॉर वर्ल्ड पर हमारा फोकस होना चाहिए। गेमिंग की दुनिया आज तेजी से उभर रही है। हम गेमिंग की दुनिया में नया टैलेंट लेकर आ सकते हैं। मैं चाहता हूं कि भारत के बच्चे, भारत के नौजवान, आईटी, एआई प्रोफेशनल्स गेमिंग की दुनिया में अपना नाम करें और गेम विकसित करें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिसिस को आगे रखते हुए बढ़ना चाहते हैं। हर सेक्टर में नएपन की जरूरत है।

जल है तो कल है, आओ पानी को बचाएं

जयप्रकाश जय

वर्षा जल संचयन से अभिप्राय है, किसी संरचना या अन्य अभेद्य सतह से बहते पानी को इकट्ठा कर उपयोग के लिए संग्रहीत करना। परंपरागत रूप से, इसमें छत से बारिश का पानी इकट्ठा करना शामिल है। बारिश का पानी नालियों में इकट्ठा होगा जो पानी को नीचे की ओर ले जाएगा और फिर किसी तरह के भंडारण में संचित हो जाएगा। जल है तो कल है। औद्योगिक प्रदूषण आदि के चलते बरसाती पानी पहले की तरह ज़मीन में नहीं समा पाने से भू-जलस्तर सालाना एक-डेढ़ मीटर गिरता जा रहा है। देश आज़ाद होने के बाद से जल संग्रहण क्षमता 156 घन किलो मीटर से बढ़कर 213 घन किलो मीटर हो चुकी है। कुल जल का लगभग 76 प्रतिशत मानसून से मिलता है। प्रति वर्ष बरसात से लगभग 450 मिलियन क्यूबिक मीटर जल की प्राप्ति होती है। वर्षा जल संग्रह प्रणाली बारिश के पानी को एक बारिश के बैरल में इकट्ठा करने जितनी सरल हो सकती है या पूरे घर की मांग पूरी करने के लिए बड़े कुंड में वर्षा जल जमा करने जितनी जटिल। अमेरिका, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई देशों में वर्षा जल संचयन महत्वपूर्ण हो चला है। शहरी परिवेश में वर्षा जल संचयन एक व्यवहार्य तकनीक है। इस संसाधन का लाभ उठाने के लिए बस इतना ही ज़रूरी है कि बारिश के दिनों में छत पर गिरने वाले पानी का भंडारण कर लिया जाए। वर्षा जल संग्रहित करने के लिए नवपाषाण युग से कुंड निर्माण की परंपरा रही है, जब दक्षिण-पश्चिम एशिया के ग्रामीण घरों में जलरोधी चूने के प्लास्टर के कुंड बनाए जाते थे। चार हजार ईसा पूर्व के अंत तक कुंड जल प्रबंधन तकनीक के आवश्यक अंग थे। कालांतर में यरूशलम (इज़राइल-फिलिस्तीन) में ऐसे प्राचीन कुण्ड मिलते रहे हैं। लगभग 2500 ईसा पूर्व एक बड़े कुण्ड की क्षमता लगभग 60 हजार फीट थी। मिनोअन काल के दौरान वर्षा जल संग्रह और भंडारण के लिए बड़े कुंडों के उपयोग का इतिहास मिलता है। लगभग तीन सौ ईसा पूर्व बलूचिस्तान और भारत के कच्छ में कृषक समुदाय कृषि और कई अन्य उपयोगों के लिए वर्षा जल संचयन करते थे। चोल राजाओं द्वारा भी वर्षा जल संचयन किया जाता था। रोमन साम्राज्य में भी वर्षा जल संचयन आम था। वेनिस शहर वर्षा जल संचयन पर ही निर्भर था। प्राचीन वेनिस वासियों ने वर्षा जल संग्रहण की एक प्रणाली स्थापित की थी, जो मानव निर्मित कुओं पर आधारित थी। जर्मनी की राजधानी बर्लिन को हर साल सूखा और गर्मी के दिनों में पानी के संकट से जूझना पड़ता है। इससे बचाव के लिए इन दिनों स्थानीय प्रशासन शहर को स्पंज सिटी में बदलते हुए बरसाती पानी संचित करने के बड़े प्रोजेक्ट पर गंभीरता से काम कर रहा है। बारिश का पानी स्पंज की तरह सोखने और जमा करने के लिए शहर में निर्मित भूमिगत ओवरफ्लो बेसिन वेस्ट वाटर की पार्किंग की तरह काम कर रहे हैं। बरसात के समय आसपास का पानी बेसिन में जमा हो जाता है और फिर इसे एक ट्रीटमेंट प्लांट के जरिये साफ कर नदियों में छोड़ दिया जाता है। शहर में ऐसे नौ परिसर काम कर रहे हैं। फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट में जर्मनी का सबसे बड़ा वर्षा जल संचयन सिस्टम है। यह सिस्टम प्रति वर्ष लगभग एक मिलियन क्यूबिक मीटर पानी बचाने में मदद करता है। निर्माणाधीन सबसे बड़ा दसवां 30 मीटर की गहराई वाला गोलाकार कंक्रीट बेसिन भी 2026 तक तैयार हो जाने का लक्ष्य है, जिसमें बारिश का करीब 17 हजार क्यूबिक मीटर पानी संग्रहित किया जाना है। तेज बारिश में सीवेज सिस्टम पर दबाव पड़ते ही अतिरिक्त पानी बेसिन में जमा कर दिया जाता है। इस सिस्टम के तहत बारिश के दौरान प्रदूषित-अपशिष्ट जल को सीधे नदी में बहने से रोक दिया जाता है। राजधानी में रेन वॉटर एजेंसी पर्यावरण अनुकूलन के साथ ही बारिश का पानी संग्रहित करने पर भी नज़र रखती है। इसी क्रम में नए-नए अपार्टमेंट्स में बड़े-बड़े तालाब बनाकर उसमें संचित बारिश का पानी पर्यावरण में ताप अनुकूलन के साथ ही, आसपास की वनस्पतियों और फ़सलों की सिंचाई में इस्तेमाल किया जाता है।यूनाइटेड किंगडम में भी वर्षा जल संचयन महत्वपूर्ण होता जा रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में जल अधिकार कानूनों ने वर्षा जल संचयन को लगभग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। अब जो नागरिक मानदंडों को पूरा करते हैं, वे छत पर वर्षा संग्रह प्रणाली स्थापित करने लगे हैं। युगांडा में वर्षों से वर्षा जल संचयन घरेलू और सामुदायिक स्तर पर जल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। थाईलैंड में ग्रामीण क्षेत्र में सबसे ज़्यादा आबादी वर्षा जल संचयन पर निर्भर है। बरमूडा में कानून के अनुसार सभी नए निर्माणों में निवासियों के लिए पर्याप्त वर्षा जल संचयन शामिल करना आवश्यक कर दिया गया है। न्यूजीलैंड के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन सामान्य प्रथा की तरह है। श्रीलंका में वर्षा जल पीने एवं कृषि के लिए संग्रहित किया जाता है। वर्षा जल संचयन मंच इस पहल को चिरस्थायी कर रहा है।केन्या पहले से ही शौचालय, कपड़े धोने और सिंचाई के लिए वर्षा जल का सफलतापूर्वक संचयन कर रहा है। वहां जल अधिनियम क्रियान्वित होने के बाद से, कृषि उद्योग के विनियमन को प्राथमिकता मिली है। ऑस्ट्रेलिया में खाना पकाने और पीने में संग्रहित वर्षा जल का उपयोग किया जाता है। कनाडा में वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया बनता जा रहा है, जिसे वहां के तमाम नागरिक अपने दैनिक जीवन में शामिल करते जा रहे हैं। उस देश में संग्रहित वर्षा जल के अधिकारों और उपयोग को विनियमित करने के लिए प्रांतीय और नगरपालिका कानून हैं। वहां वर्षा जल संचयन के लिए कई संगठन और कंपनियाँ सक्रिय रहने लगी हैं। इनमें कैनेडियन एसोसिएशन फॉर रेनवाटर मैनेजमेंट, कैनेडियन मॉर्गेज एंड हाउसिंग कॉर्पोरेशन और क्लीनफ्लो वाटर टेक्नोलॉजीज उल्लेखनीय हैं। हमारे देश में पुराने ज़माने में पुरखे कुछ महीने पहले से ही वर्षाजल संग्रहण की तैयारी में जुट जाते थे। देश के विभिन्न इलाकों में मौजूद पारम्परिक जल प्रबंधन प्रणालियाँ आज भी उतनी ही कारगर साबित हो सकती हैं। यहां वर्षा जल संग्रहण और प्रबन्धन का एक अपना अलग इतिहास रहा है। पारम्परिक प्रणालियों का पारिस्थितिक संरक्षण पर अधिक जोर होता था। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में 'आहरोदक-सेतु' से सिंचाई का उल्लेख है। भारत सरकार की ओर से जल संग्रहण विकास का एक प्रमुख नारा गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में, और बहते हुए पानी को चलना सिखाना है व चलते हुए पानी को रोकना सीखाना है इस अभियान के मूल स्वर हैं। आजकल आधुनिक तरीके से वर्षा जल तकनीक के तरह तरह के प्रयोग किए जा रहे हैं। वर्षा जल को तालाबों, पोखरों, झीलों में भरा जाना चाहिए। इन पोखरों, तालाबों को प्रतिवर्ष खुदाई कर गहरा करते रहना चाहिए, जिससे इनमें पानी भरने की क्षमता में कमी न आने पाए। सोख्ता गड़ढे के माध्यम से अपवाह के रूप में बहने वाले वर्षा जल स्रोतों से फालतू बहने वाले जल का मृदा में पुनः भरण करके जलस्तर को स्थायित्व दिया जा सकता है।

उनकी कथा अपनी व्यथा

डॉ टी महादेव राव

फैंसी ड्रेस यानी छद्म वेश भूषा में बचपन में काफी पुरस्कार जीते अब वास्तविक जीवन में भी उसे ही अपनाते हैं। कई तरह की पगड़ियां पहने दिखाते हैं और जनता को टोपी पहनाते हैं। यह जग जाहिर है कि वे ऐसे कामों में माहिर हैं, शातिर हैं। झूठा कहीं का यह बचपन में उनके लगातार झूठ बोलते रहने से साथियों द्वारा दिया गया नाम है। अब उसी नाम से काम चलाते हैं सच से समुचित दूरी बनाए रखते हैं और झूठे फलों का स्वाद चखते हैं। उनकी गर्ल फ्रेंड उन्हें बंडलबाज कहती थी। ऊंचा दुकान दिखाते थे और वहीं के फीके पकवान चखाते थे और अपनी बातों से लोगों को पकाते थे। लेटेस्ट फेंकू उस्ताद कहलाते हैं। उनके फेंकने से लपेट लपेट के लोग थक जाते हैं और चुप होकर श्रोता बन जाते हैं। उससे पहले दिमाग को घर पे रख आते हैं। भजन के प्रिय हैं। कोई जब कसीदा काढ़ता है। इनकी प्रशंसा में गला फाड़ता है। वे तन्मय हो स्मित सहित सुनते हैं। अपने अदृश्य गुण गुनते हैं। भजन सुन सुन लोग सिर धुनते हैं। भक्त हमारे हम भक्तन के इनका घोषवाक्य है। प्रणाम, साष्टांग, नमस्कार इनकी प्रिय भंगिमाएं हैं। अगर ये भंगिमाएं किसी नारी द्वारा बनाई गई हों तो बस सोने पे सुहागा कौआ कान लेकर भागा। भारतीय कब जागा। कहां है रे कागा? चमचे और चाटुकार इनके अपने हैं जो तारीफ और मस्काई में दिखाते हैं अभूतपूर्व सपने। वे हो जाते हैं जब शुरू इनको बनाके छोड़ते हैं महा गुरु। भले ही इन्हें अड़ोस पड़ोस के लोग नापसंद करें लेकिन दूर के ढोल सुहावने की तर्ज पर ये गुर्राते हैं चमचे और चाटुकार जब इन्हें चने के झाड़ पर चढ़ाते हैं। हमेशा डर को भगाने की प्रक्रिया करते हैं। हर तीसरे वाक्य में विपक्षियों का दम धरते हैं। खुद को निडर कहलाने का दंभ भरते हैं। सच तो यह है कि वे मन ही मन डरते हैं नौटंकी अपना पसंदीदा खेल है। अब देखते नहीं बल्कि उसमें शामिल होकर खेलते हैं लोग मजबूरन झेलते हैं। उन्हें सवालों से, समस्याओं से नफरत है, बस अपनी अकेली आवाज से मुहब्बत है। उनका नया नारा है हर बात पर ट्वीट लगती है हमको स्वीट। चाहे कोई बात हो या उपलब्धि हो या हादसा। उन्हें कहते हैं सारे बनावटी बादशाह। जहां खतरा हो विवाद हो और तो और अपना न हो वहा जाना त्याग दो दूर दूर भाग लो।

चाहे जो सत्ता में आए, अमेरिका की नीतियां नहीं बदलेंगी

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के लिए कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच कड़ी टक्कर है। ताजा-तरीन जनमत सर्वेक्षणों में कमला ट्रम्प पर थोड़ी बढ़त बनाए हुए हैं। उधर उपराष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार भी एक-दूसरे से अलग हैं। ट्रम्प के साथी जेडी वेंस 40 साल के हैं और वे बहुत मुखर हैं। उनकी पत्नी उषा चिलुकुरी अमेरिका में तेलुगु अप्रवासी माता-पिता के घर जन्मी हैं और एक सफल वकील हैं। अगर ट्रम्प-वेंस की जोड़ी जीत जाती है, तो व्हाइट हाउस में उषा की एक मजबूत उपस्थिति होगी। हालांकि, ज्यादा संभावना इस बात की है कि कमला हैरिस भारतीय और अश्वेत मूल की पहली अमेरिकी राष्ट्रपति बनेंगी, और पहली अमेरिकी महिला राष्ट्रपति भी। कमला की मां श्यामला गोपालन एक तमिल जीव-विज्ञानी थीं। लेकिन क्या कमला की भारतीय पृष्ठभूमि के कारण उनके राष्ट्रपति बनने का भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ेगा? इसका संक्षिप्त उत्तर है : नहीं। अमेरिकी नीतियां एक जटिल प्रक्रिया द्वारा निर्धारित की जाती है। अमेरिकी कैबिनेट के सदस्य निर्वाचित नहीं होते हैं। वे डोमेन विशेषज्ञता वाले टेक्नोक्रेट होते हैं। उदाहरण के लिए, बाइडेन प्रशासन में विदेश मामलों की कैबिनेट के सबसे वरिष्ठ सदस्य और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन एक वकील हैं। उन्होंने कंसल्टिंग फर्म वेस्टएक्सेक एडवाइजर्स की सह-स्थापना की है। उन्होंने बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन में वरिष्ठ सलाहकार भूमिकाएं भी निभाई हैं- एक डेमोक्रेटिक, दूसरे रिपब्लिकन। वहीं अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन एक सम्मानित सैनिक हैं, जिन्होंने सेना के उप-प्रमुख के रूप में कार्य किया है और इराक-अफगानिस्तान में युद्धों के मैदान की कार्रवाइयां देखी हैं। अन्य अमेरिकी कैबिनेट सदस्य भी विविध पृष्ठभूमियों से आते हैं, जैसे व्यवसाय, सैन्य, कानून और शिक्षा। कमला के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज चीन में शिक्षक रह चुके हैं। लेकिन अमेरिकी नीतियों में इससे भी अधिक महत्वपूर्ण तत्व वॉशिंगटन के विशाल प्रशासनिक तंत्र में मौजूद नौकरशाहों का एक अदृश्य समूह है। नीतियां यहीं बनती-बिगड़ती हैं। यहां शक्तिशाली लॉबीइस्ट हैं, जो अमेरिकी नीतियों, विशेष रूप से विदेशी मामलों, रक्षा और आंतरिक सुरक्षा पर प्रभाव डालते हैं। सबसे धनी लॉबीइस्टों में से एक एआईपीएसी (अमेरिकन इजराइल पब्लिक अकाउंट्स कमेटी) है। यह सीनेटरों और अन्य नीति-निर्माताओं को उदारतापूर्वक दान देती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अमेरिकी नीति दृढ़ता से इजराइल के पक्ष में बनी रहे। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी का वामपंथी धड़ा गाजा युद्ध में अमेरिकी हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ तेजी से मुखर हो रहा है। जब पिछले महीने वॉशिंगटन यात्रा के दौरान इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कमला हैरिस से मुलाकात की थी तो वे बाइडेन की तुलना में इजराइल के प्रति ज्यादा सख्त थीं। उन्होंने नेतन्याहू से गाजा में फिलिस्तीनियों की पीड़ा के बारे में स्पष्ट रूप से कहा था : 'मैं चुप नहीं रहूंगी!' इसके विपरीत, डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान का जोरदार समर्थन किया है। रिपब्लिकंस ट्रम्प के समर्थन-आधार का लाभ उठाने की उम्मीद कर रहे हैं, जो अप्रवासी विरोधी, नस्लवादी और इस्लामोफोबिक है। यह वर्ग इजराइल को एक साथी गोरे देश के रूप में देखता है, जो उस भूमि के लिए अरबों से लड़ रहा है, जिसे ज़ायोनिस्टों के द्वारा यहूदियों की मातृभूमि कहा जाता है। यदि कमला हैरिस जीतती हैं, तो राष्ट्रपति के रूप में उनसे भी इजराइल के लिए अमेरिकी समर्थन को बनाए रखने की उम्मीद की जा सकती है। अमेरिकी डीप स्टेट (एफबीआई, सीआईए, होमलैंड सिक्योरिटी और पेंटागन) निरंतर युद्ध की संभावना को पसंद करता है, क्योंकि इससे उनके हथियार-निर्माण कारखानों को बढ़ावा मिलता है। कमला के नेतृत्व में अमेरिका बीजिंग पर बाइडेन के सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी प्रतिबंध को दोगुना कर सकता है। इस्लामाबाद के अमेरिकी दूतावास में सीआईए की प्रभावी मौजूदगी रही थी, इसलिए पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी हिंसा और भारत में आतंकवाद के निर्यात पर नजर रखी जाएगी। व्यापार के मामले में, अमेरिका भारत के साथ संबंधों को और गहरा करेगा, जिसे वह इंडो-पैसिफिक में चीन के प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। वहीं ट्रम्प की जीत की स्थिति में ट्रम्प-वेंस प्रशासन चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के प्रति सख्त होगा, लेकिन भारत पर आयात शुल्क कम करने के लिए दबाव डालेगा।

बदली जाएगी मां काली की मूर्ति

शुक्रवार से भक्त कर सकेंगे दर्शन, ओडिशा के क्योंझर जिले की खास पत्थर पर तराशी गई

राजधानी रायपुर के आकाशवाणी चौक में काली माता का मंदिर काफी प्रसिद्ध है। माता की मूर्ति का 92 साल का पुराना इतिहास है। लेकिन अब माताराणी की प्राचीन मूर्ति को बदल दिया जाएगा और नवीन प्रतिमा स्थापित की जाएगी। माताराणी की मूर्ती को प्राण प्रतिष्ठा के साथ बदला जाएगा। आज सुबह 11 बजे से भक्त नई मूर्ति का दर्शन कर सकते हैं।

बता दें, वर्तमान में स्थापित मूर्ति का आकार बेहद सुंदर होगा। इसे ओडिशा में तैयार किया जा रहा है। छग में पहली बार ऐसा हो रहा है कि, माताराणी की प्राचीन मूर्ति को बदला जा रहा है।

मां की मूर्ति का ओडिशा में तैयार किया गया

जानकरी के अनुसार, नवीन और प्राचीन प्रतिमा में ज्यादा फर्क नहीं है। इस मूर्ति का एक-एक पत्थर ओडिशा से बनकर आ रहा है। कहा जा रहा है कि, इन्हें ओडिशा के क्योंझर जिले के जगलों से लाया जा रहा है। यह ऐसा पत्थर है दो हजार सालों तक वैसा ही रहेगा, जैसा आज दिखाई दे रहा है।

मंदिर के पास नागा साधु भी रहे हैं

काली माता मंदिर का इतिहास काफी दिलचस्प है। इस स्थान पर नागा साधु अपनी धुनी सुना चुके हैं। ऐसा कहा जाता है कि, जिस स्थान पर नागा साधुओं के पत्थर हैं, उसी जगह पर काली माता का गर्भ गृह भी है। इसलिए यहां पर नवरात्री के समय भक्त अपनी मनकामनाओं को पूरा करने के लिए आते हैं। इन दिनों में माता के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ दिखाई देती है।

नीम के पेड़ के नीचे से निकली थी मां काली

दरअसल, कोलकाता में माताराणी का शरीर है। जो रायपुर के आकाशवाणी चौक में स्थित मंदिर में विराजमान है और अब नई मूर्ति ओडिशा से बनकर आ रही है। इसलिए इस मंदिर का महत्व बढ़ता चला जा रहा है।

वरलक्ष्मी व्रत आज

पंचांग के अनुसार आज का दिन धार्मिक दृष्टि से बहुत ही विशेष है। 16 अगस्त 2024 को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष का आखिरी शुक्रवार है। इस दिन वरलक्ष्मी का व्रत रखने की परंपरा है। मान्यता है कि इस व्रत को विधि पूर्वक करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हैं।

धन की देवी लक्ष्मी हैं

शास्त्रों में लक्ष्मी जी को धन की देवी बताया गया है। इसके साथ ही ये सुख समृद्धि और वैभव की भी देवी मानी गई है। वरलक्ष्मी व्रत लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु को समर्पित हैं। वरलक्ष्मी व्रत उत्तर भारत सहित आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उड़ीसा में भी बड़ी ही भक्तिभाव से मनाया जाता है।

वरलक्ष्मी व्रत का महत्व

श्रावण मास में की जाने वाली पूजा विशेष मानी गई है। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। वरलक्ष्मी व्रत सावन मास का एक प्रमुख व्रत है। मान्यता है कि इस व्रत को रखने से जीवन में समृद्धि आती है। मान सम्मान में बढ़ता है और जिन लोगों के जीवन में धन की कमी बनी हुई है, उन्हें धन की प्राप्ति होती है।

पौराणिक मान्यता

मान्यता है कि दूधिया महासागर में वरलक्ष्मी जी का अवतार हुआ था। दूधिया महासागर को क्षीर सागर के नाम से भी जाना जाता है। वरलक्ष्मी जी का यह भव्य रूप सभी को वर देने वाला माना गया है। लक्ष्मी जी का ये अवतार कलियुग में सभी की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला बताया गया है। ऐसा भी माना जाता है कि जो कर्ज, दरिद्रता आदि की समस्या से परेशान हैं, उनके लिए यह व्रत बहुत ही पुण्यकारी माना गया है।

वरलक्ष्मी व्रत पूजा सामग्री

आज के दिन भक्तिभाव से वरलक्ष्मी जी की स्तुति करनी चाहिए। इस दिन वरलक्ष्मी जी की इन चीजों से पूजा करनी चाहिए- पुष्प, कुमकुम, हल्दी, चंदन, विभूति, शीशा, कंघा, आम की पत्तियां, पान पत्ता,पंचामृत,दही, 5 प्रकार के फल जिसमें केला अवश्य हो, दूध,गंगा जल, धूप, अगरबत्ती, मोली,कपूर, अक्षत आदि

वरलक्ष्मी पूजा विधि

जिस स्थान पर वरलक्ष्मी जी को स्थापित करें उसे गंगजल से शुद्ध करें। इके बाद स्वच्छ वस्त्र वरलक्ष्मी जी को धारण कराएं। श्रंगार करें। भगवान गणेश जी के साथ वरलक्ष्मी जी की मूर्ति रखें। पूर्व दिशा में वरलक्ष्मी जी का मुख होना चाहिए। इसके बाद पूजन प्रारंभ करना चाहिए। पूजन के दौरान वरलक्ष्मी व्रत की कथा का पाठ अवश्य करें। इस दिन अष्ट लक्ष्मी के स्वरूपों की भी पूजा की जाती है-

आदि लक्ष्मी, धन लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी,वीर लक्ष्मी,जय लक्ष्मी विद्या लक्ष्मी

25 अगस्त से 3 राशियों के अमीर बनने की होगी शुरुआत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 24 अगस्त 2024 शनिवार को रात 1 बजकर 14 मिनट पर शुक्र ग्रह कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। कन्या राशि के स्वामी ग्रह बुध है, जोकि शुक्र के मित्र माने गए है। केतु पहले से ही कन्या राशि में बैठे है, ऐसे में जब शुक्र यहां आएंगे तो दोनों की युति होगी। इसलिए शुक्र का यह गोचर कुछ राशियों के लिए सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। चलिए जानते है भाग्यशाली राशियों के बारे में -

वृश्चिक राशिफल

शुक्र के कन्या राशि में गोचर करने का सकारात्मक प्रभाव वृश्चिक राशि के जातकों के जीवन पर देखने को मिलेगा। इन जातकों को शुक्र की कृपा से कारोबार में लाभ होगा। लंबे समय से रुका हुआ धन प्राप्त होने की संभावना है। नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। एक के बाद एक शुभ सूचनाएं प्राप्त होंगी।

मीन राशिफल

शुक्र के राशि परिवर्तन का लाभ मीन राशि के जातकों को भी होने वाला है। इन जातकों को जीवन में खुशियां मिलेंगी। धन-धान्य में बरकत के योग बन रहे है। कार्यक्षेत्र में धन बढ़ोतरी के योग भी निर्मित होते दिखाई देंगे। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। मित्रों के सहयोग से आर्थिक स्थिति में मजबूती ला सकेंगे।

सिंह राशिफल

सिंह राशि वालों को शुक्र के गोचर के सकारातमक परिणाम देखने को मिलेंगे। इन जातकों के कारोबार में लाभ की स्थिति बनेगी। शुक्र के प्रभाव से सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। धन निवेश का अच्छा रिटर्न मिलेगा। अटके काम बनेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सकारात्मक परिणामों की प्राप्ति होगी।

13वीं सदी में विशाल शिलाओं से बना अनूठी शैली का मंदिर आज भी अडिग

मध्य प्रदेश के सिवनी जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर बरघाट तहसील में 13वीं सदी का हिमांदपंथी स्थापत्य शैली में बना आष्टा मंदिर अपनी अनूठी शैली के लिए विख्यात है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित यह मंदिर आस्था का भी बड़ा केंद्र है और नवरात्र में देशभर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। जनश्रुति के मुताबिक मंदिर का निर्माण एक रात में हुआ था। कहा जाता है कि देवी मां की कृपा से बड़े-बड़े पत्थरों से विशाल मंदिर रात में स्वतः तैयार हो रहा था लेकिन इसी दौरान बन रहे मंदिर पर लोगों की नजर पड़ गई। इसके बाद मंदिर का काम अधूरा रह गया। बड़े-बड़े पत्थरों की शिलाएं आज भी मंदिर के आसपास बिखरी पड़ी हैं। वर्तमान में नजर आने वाला मंदिर विध्वंस के बाद बचने वाले अवशेष के रूप में है।

इतिहासकारों के मुताबिक 13वीं सदी में विदर्भ के देवगिरी यादव राजाओं का राज्य यहां तक फैला हुआ था। यादव राजा महादेव व रामचंद्र के मंत्री हिमांद्रि ने यहां आठ मंदिरों का निर्माण वास्तुकला की एक विशेष शैली से कराया था। आठ स्थानों पर मंदिर का निर्माण होने के कारण इसका नाम बाद में आष्टा पड़ गया। इनमें से अधिकांश मंदिर ध्वस्त हो गए हैं। पुरातत्व विभाग के प्रभारी आरके सोनी, के मुताबिक बचे मंदिरों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। हिमांद्रि ने सैकड़ों मंदिरों का निर्माण इसी अनूठी शैली में करवाया था।

वैनगंगा में मिला मां-बेटी का शव, शराबी पति बोला बिना बताए कहीं चली गईवैनगंगा में मिला मां-बेटी का शव, शराबी पति बोला बिना बताए कहीं चली गई

बेजोड़ स्थापत्य कला का नमूना

पुरातत्व अधिकारियों के मुताबिक आष्टा में दो मंदिर और एक मंडप मौजूद हैं। मंदिर के गर्भगृह में मूर्ति नहीं है। मंदिर की पिछली दीवार से सटी हुई उत्तरमुखी मां काली की पाषाण मूर्ति स्थापित है।

मंदिर के चौकोर पत्थरों की जुड़ाई लोहे व शीशे की छड़ों से हुई है। पत्थरों को एक के ऊपर दूसरा रखकर लोहे के शिकंजे से कसा गया है जिससे उनका भार संतुलित बना रहे। मंदिर के गर्भगृह की दीवार चारों ओर से ऊपर उठते हुए संकरी होती गई हैं जिससे इसका शिखर अत्यंत भव्य और दर्शनीय हो गया है। मंदिर के शीर्ष पर आमलक (गोलाकार आकृति) भी है।

चोर होने पर भी कुबेर कैसे बने धन के स्वामी

आप अपने जीवन में कितना धन कमाएंगे इसका फैसला भी आपकी कुंडली में स्थित वह ग्रह करते हैं, जो धन योग से सम्बन्ध रखते हैं। यदि धन योग का निर्माण करने वाले ग्रह खराब घरों में अथवा खराब अवस्था में होते हैं तो वह अपने कार्य को पूरा नहीं कर सकते।

फलस्वरूप जातक धनवान होने की बजाए गरीबी की जिन्दगी प्राप्त करता है, ग्रहों की स्थिति यदि ज्यादा खराब हो तो जातक के ऊपर जीवन भर कर्ज रहता है और वह जीवन भर कर्ज में डूबा रहता है और यही कारण है की हर जातक जो मेहनत करता है धनवान नहीं होता क्योंकि धनवान होने के लिए कुंडली में अच्छे धन योगों का होना अनिवार्य है और उन ग्रहों से सम्बंधित दशा और अंतर दशाओं का होना भी आवश्यक है।

भगवान शिव और कुबेर के बीच संबंध हिंदू धर्म की पौराणिक कथाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भगवान शिव जो त्रिदेवों में से एक हैं और महादेव के रूप में पूजे जाते हैं, उनकी महिमा और शक्ति अद्वितीय है। कुबेर, जो धन और समृद्धि के देवता हैं, उन्हें लक्ष्मी के पति और धन के संरक्षक के रूप में जाना जाता है। कथाओं के अनुसार, भगवान शिव और कुबेर के बीच संबंध एक पौराणिक कहानी पर आधारित है जिसमें शिव ने कुबेर को उनके धन और ऐश्वर्य की कृपा से संपन्न किया था। कुबेर के धन का स्रोत हिमालय की पर्वत श्रृंखला में स्थित उनके निवास स्थान, अलकापुरी से है, जो भगवान शिव के निवास कैलाश पर्वत के

समीप स्थित है। इस प्रकार, दोनों देवता एक ही क्षेत्र में निवास करते हैं और इसलिए उनके बीच संबंध भी गहरा है।

चोर होने पर भी कुबेर कैसे बने धन के स्वामी- कुबेर पूर्व जन्म में इतने बड़े चोर थे की मंदिरों में भी चोरी करने से गुरेज नहीं करते थे। एक समय वह चोरी करने के लिए शिवालय में गए। उस मंदिर में बहुमूल्य खजाना था। रात में अंधेरा होने के कारण उन्हें खजाना मिल नहीं रहा था।

कुबेर ने खजाना खोजने के लिए दीप जलाया लेकिन मंदिर के झरोखों से तेज हवा के आने से दीप बुझ गया। यह क्रम बहुत बार चला तो भगवान भोलेनाथ ने अपने भोलेपन के कारण इसे दीप उपासना समझ लिया और खुश होकर अगले जन्म में कुबेर को सारे संसार के धन का स्वामी बना दिया।

घर की इस दिशा में लगाएं धन बरसाने वाले 4 पौधे लक्ष्मी-नारायण की कृपा बरसेगी

वास्तु शास्त्र में कई ऐसे पौधों का जिक्र किया गया है, जिन्हें अगर सही दिशा और सही जगह पर लगाया जाए, तो धन आगमन के रास्ते खुलते हैं। इतना ही नहीं, घर में सुख-समृद्धि और धन-संपदा का वास होता है। आज जानते हैं उन पौधों के बारे में जिन्हें लगाने से लक्ष्मी-नारायण की कृपा प्राप्त होती है।

धन आकर्षित करने वाले पौधे

वास्तु शास्त्र में कई ऐसे शुभ और अशुभ पौधों के बारे में बताया गया है, जिनका प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर देखने को मिलता है। आज हम ऐसे ही कुछ पौधों के बारे में जानेंगे, जिन्हें घर में सही दिशा और सही जगह पर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। साथ ही, कुंडली में ग्रहों के दुष्प्रभाव कम होते हैं।

गुड़हल का पौधा

वास्तु जानकारों का कहना है कि घर में गुड़हल का पौधा लगाने से व्यक्ति को मंगल दोष से निजात मिलती है। इसके साथ ही, सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। जीवन में आने वाले आर्थिक संकटों से बचने के लिए भी घर में गुड़हल का पेड़ लगाने की सलाह दी जाती है।

ग्रह दोषों से मिलेगी मुक्ति

वास्तु शास्त्र में कुछ पौधे ऐसे हैं, जिन्हें घर में लगाने से व्यक्ति की कुंडली के ग्रह दोष दूर होते हैं और अशुभ प्रभावों से छुटकारा मिलता है। व्यक्ति के जीवन में शांती आती है। वहीं, व्यक्ति के जीवन में धन संपदा और सुख-समृद्दि की प्राप्ति होती है।

लगाएं हल्दी का पौधा

वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे की तरह घर में हल्दी का पौधा लगाने की सलाह दी गई है। इस पौधे को लगाने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और व्यक्ति के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। हल्दी का पौधा विवाह में आने वाली समस्याओं को दूर करता है। हल्दी के पौधे की नियमित रूप से पूजा की जाती है, तो गुरु बृहस्पति मजबूत होता है।

बार-बार इंटरव्यू में हो रहा रिजेक्शन तो लाल मिर्च से कर लें ये छोटा-सा काम

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। लेकिन कई बार कुंडली में अशुभ ग्रहों के प्रभाव के कारण व्यक्ति को किसी भी तरह से जीवन में शांति नहीं मिल पाती। वहीं, कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद व्यक्ति को सफलता हासिल नहीं होती। इसके लिए ज्योतिष शास्त्र में कई उपायों के बारेमें बताया गया है, जिन्हें विधिपूर्वक करने पर व्यक्ति के जीवन में समस्याओं का अंत होता है। जानें लाल मिर्च के कुछ उपायों के बारे में।

लाल मिर्च के उपाय जीवन में परेशानियों का करेंगे अंत

मेहनत और लगन के बावजूद घर में बरकत नहीं हो रही है, तो ऐसे में आप 7 लाल मिर्च लें और एक रुमाल में बांधकर ऐसी जगह पर रख दें जहां पर आप धन रखती हैं। ऐसा करने से घर में बरकत लौट आएगी।

अटके कामों में मिलेगी सफलता

काफी लंबे समय से अटके हुए काम को पूरा करने और उसमें सफलता पाने के लिए ज्योतिष में बताया लाल मिर्च का ये उपाय बहुत कारगार है। लाल मिर्च के 21 दाने लेकर किसी लोटे या जग में पानी भरकर उसमें डाल लें। अब इस पानी को अपने ऊपर से 7 बार वार लें और बाहर सड़क पर ये पानी फेंक दें। ऐसा करने से अटके हुए काम जल्द ही पूरे हो जाएंगे।

करियर में सफलता पाने के लिए

अच्छी नौकरी पाना हर व्यक्ति का सपना होता है। एक अच्छी नौकरी ही व्यक्ति के सभी सपनों को पूरा कर पाती है। इसलिए अगर आप कहीं नौकरी के इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले पांच सूखी लाल मिर्च लें। और उसे घर की दहलीज पर रख दें। इसके बाद किसी भी शुभ काम के लिए जाते समय इन मिर्चों पर पैर रखकर निकल जाएं। इस उपाय से आपका इंटरव्यू तो अच्छा होगा ही। साथ ही, सफलता भी हासिल होगी।

बुरी नजर से बचने के लिए

अगर घर में किसी बच्चे को बुरी नजर लग गई है, तो उसे बचाने के लिए लाल मिर्च लेकर बच्चे के ऊपर से 7 बार घुमाएं। इसके बाद इन मिर्चों को चुल्हे पर जला दें। ऐसे करने से बच्चों को लगी हुई नजर उतर जाएगी।

अवगुणों से आजाद हो जाएं

अंग्रेजों से हम स्वतंत्र हो गए, लेकिन अपने ही अवगुणों से गुलाम हो गए। यह स्वतंत्रता अभी आना बाकी है। हमारे अवगुण हमको अशांत कर जाते हैं। अवगुण और दुर्गुण में बारीक-सा अंतर यह है कि अवगुण निजी मामला है। और दुर्गुण सामाजिक है, थोड़ा पसरा हुआ है।अगर आपको शांति की तलाश है तो अपने ही भीतर उतरना है, बाहर से शांति नहीं आती। इसलिए काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर... ये जब बाहर की दुनिया से भीतर आते हैं, तो अवगुण बन जाते हैं।हम इस समय इनकी जकड़ में हैं। शिक्षा, समाज, व्यापार, धर्म, संस्कृति, मनुष्यता, इन सब पर अवगुणों का प्रभाव है। मुगलों के बाद अंग्रेज हमें जो भय का वातावरण दे गए, वो आज भी कायम है। एक अज्ञात भय सबको डराता है कि कल क्या होगा। जो अवगुणों से घिरा है, वो डरेगा। और जो इससे मुक्त है, वो निर्भय होगा। हम अपने देश को आजाद तो करा गए, पर अभी भी निर्भय नहीं हो पाए हैं।

बिग बी ने की 'केबीसी 16' शो में वापसी, एक एपिसोड के 5 करोड़ ले रहे हैं अभिनेता

मेगास्टार अमिताभ बच्चन आधिकारिक तौर पर लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 16वें सीजन के होस्ट के रूप में एक बार फिर दर्शकों के सामने हाजिर हो गए हैं। अपनी मनोरंजक होस्टिंग के लिए लोकप्रिय बिग बी की वापसी टीवी शो के दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। हालांकि, खबर है कि इस बार शो को भारी-भरकम बजट में बनाया गया है और अमिताभ बच्चन भी शो के एक एपिसोड के लिए मोटी रकम चार्ज कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस सीजन में, अभिनेता कथित तौर पर प्रति एपिसोड 5 करोड़ रुपये की भारी फीस ले रहे हैं, जो पिछले सीजन की तुलना में ज्यादा है। अमिताभ 24 वर्षों से इस शो से जुड़े हुए हैं और रिपोर्ट्स की मानें तो शो के पहले सीजन (साल 2000) के लिए उन्हें प्रति एपिसोड लगभग 25 लाख रुपये का भुगतान किया गया था।

खबरों की मानें तो जैसे-जैसे केबीसी आगे बढ़ा अमिताभ बच्चन की लोकप्रियता बढ़ती गई, जिससे उनकी फीस में भी बढ़ोतरी हुई। चौथे सीजन तक, उनकी फीस बढ़कर 50 लाख रुपये प्रति एपिसोड हो गई, जो पहले की दरों से दोगुना था। छठे सीजन तक अभिनेता की फीस कथित तौर पर 1.5 करोड़ से 2 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड के बीच पहुंच गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, आठवें सीजन में उनकी फीस बढ़कर 2 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड हो गई। नौवें सीजन तक यह बढ़कर 2.6 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड हो गई और 10वें सीजन तक वह 3 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड चार्ज कर रहे थे।

रिपोर्ट्स के अनुसार अमिताभ बच्चन ने सीजन 11 से 13 के लिए एक एपिसोड के 3.5 करोड़ रुपये चार्ज किए थे, जबकि क्विज शो के 14वें सीजन तक उन्होंने प्रति एपिसोड 4-5 करोड़ रुपये की भारी रकम ली थी।

बता दें कि केबीसी के नए सीजन का प्रीमियर 12 अगस्त को हुआ था। पहले प्रतियोगी,उत्कर्ष बक्शी ने 3.20 लाख रुपये की जीत हासिल की थी। बतौर होस्ट बिग बी को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

अचानक फिल्म निर्माता क्यों बने जॉन?

अभिनेता ने बताई पीछे की वजह, कहा-मैं चीजों को बदलना चाहता था

जॉन अब्राहम पिछले दो दशकों से बॉलीवुड में काम कर रहे हैं। अभिनेता ने एक मॉडल के रूप में अपनी यात्रा शुरू की और फिर इंडस्ट्री में सबसे डिमांडिंग एक्शन हीरो में से एक बन गए। हालांकि, कुछ साल पहले, उन्होंने एक फिल्म निर्माता की भूमिका निभाई क्योंकि वह अपनी फिल्मों से खुश नहीं थे। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेदा' को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब हाल ही में एक साक्षात्कार में, अभिनेता ने बताया कि उन्होंने प्रोडक्शन में कदम क्यों रखा।

चीजों को बदलना चाहते हैं जॉन

रणवीर इलाहाबादिया के साथ एक साक्षात्कार में, जॉन अब्राहम ने बताया कि उन्होंने फिल्म निर्माण में कदम रखने का फैसला क्यों किया। अभिनेता ने खुलासा करते हुए बताया कि वह उन फिल्मों से खुश नहीं थे, जो वह कर रहे थे और यहां तक कि देख भी रहे थे। अभिनेता ने यह भी बताया कि वह अभिनय से इतर कुछ अलग भी करना चाहते थे और कुछ चीजों को बदलना भी चाहते थे।

इन फिल्मों का किया निर्माण

जॉन ने आगे बताया, एक समय ऐसा था, जब लोग उन्हें बोझ जैसा समझने लगे थे। बाद में लोगों को लगा कि मैं अपने दिमाग का इस्तेमाल कर के कुछ अलग-अलग फिल्में भी कर सकता हूं। इसके बाद मैंने 'जिस्म' और फिर धूम का निर्माण किया और अब इस लिस्ट में 'विक्की डोनर', 'परमाणु', 'बाटला हाउस' जैसी फिल्में भी जुड़ गई हैं।

सूर्या के लिए मील का पत्थर साबित हुआ 'कंगुवा' का ट्रेलर

यूट्यूब पर 24 घंटे में मिले ताबड़तोड़ व्यूज

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 'कंगुवा' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वे लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे में आज फिल्म के निर्माताओं ने प्रशंसकों को खास तोहफा दिया है। हाल ही में फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी हुआ था, जिसे दर्शकों ने जमकर प्यार दिया। वहीं अब ट्रेलर ने यूट्यूब पर सूर्या के पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए।

निर्माताओं ने फिल्म का बहुप्रतीक्षित पहले ही ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें सूर्या और बॉबी देओल शानदार दृश्यों के साथ एक दिलचस्प सेट-अप में नजर आ रहे हैं। 24 घंटे में ट्रेलर ने 20 मिलियन रियल-टाइम व्यूज को पार कर लिया। ट्रेलर ने इस पीरियड-ड्रामा फिल्म को लेकर उत्साह को और बढ़ा दिया है और प्रशंसक अपने पसंदीदा अभिनेता को जल्द ही सिनेमाघरों में एक खतरनाक लुक और शानदार अभिनय में देखने के लिए रोमांचित हैं।

निर्माताओं ने खास पोस्ट साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया, जिसमें सूर्या को दमदार अवतार देखने को मिला। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में सूर्या एक या दो नहीं, बल्कि तीन अवतारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म में अपनी भूमिका के लिए अभिनेता ने काफी बदलाव किए हैं। प्रत्येक किरदार का लुक अलग होगा, जो पहले कभी नहीं देखा गया है और यह फिल्म की कहानी में एक अलग तरह की जिज्ञासा पैदा करेगा।

'कंगुवा' को इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म माना जा रहा है। 350 करोड़ रुपये से ज्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह 'पुष्पा', 'सिंघम' और कई अन्य बड़ी फिल्मों से बड़ी होने का दावा कर रही है। इसके अलावा इस फिल्म की शूटिंग भारत के विभिन्न महाद्वीपों के सात अलग-अलग देशों में की गई है।

निर्देशक सिरुथाई शिवा की 'कंगुवा' एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन है फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 350 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट पर तैयार किया गया है। फिल्म में सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पटानी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। पर्दे पर यह फिल्म 10 अक्तूबर को रजनीकांत की 'वेट्टैयन' से भिड़ेगी। साथ ही इसे 11 अक्तूबर को रिलीज होने वाली आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' का सामना भी करना होगा।

'बिग बॉस तमिल 8' की मेजबानी की कमान संभालेगा विजय सेतुपति, कमल हासन ने बीते दिन खींचे थे हाथ

अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने बीते दिन अपने एक पोस्ट से प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया। अभिनेता ने हाल ही में घोषणा की कि वे 'बिग बॉस तमिल 8' की मेजबानी नहीं करेंगे। हासन ने सात साल पहले रियलिटी शो 'बिग बॉस' के तमिल संस्करण की मेजबानी करके टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की थी। हालांकि, वह अब चैनल के साथ अपनी यात्रा से ब्रेक का एलान कर चुके हैं। इसी बीच निर्माताओं के जरिए नए मेजबान के चुनाव की जानकारी सामने आई है, जिसने दुखी प्रशंसकों को खुश कर दिया है।

रिपोर्ट्स की मानें तो, निर्माताओं ने शो के होस्ट के रूप में मक्कल सेलवन विजय सेतुपति को चुना है। जानकारी के अनुसार, सेतुपति इस सीजन की मेजबानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। विजय सेतुपति के 'बिग बॉस तमिल' के नए शो रनर होने के बारे में कई अटकलें थीं, और ऐसा लगता है कि ये खबरें सच साबित हुईं।

कमल हासन ने 'बिग बॉस तमिल 8' से पीछे हटने का कारण साझा करते हुए लिखा था, 'पूर्व सिनेमाई कमिटमेंट के कारण मैं बिग बॉस तमिल के आगामी सीजन की मेजबानी करने में असमर्थ हूं। मुझे आपके घरों तक पहुंचने का सौभाग्य मिला है। आपने मुझे अपना प्यार और स्नेह दिया है, जिसके लिए मैं आपका हमेशा आभारी रहूंगा।मैं आप सभी का और शो के प्रतिभागियों का हमारे साथ बिताए समय के लिए दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।'

काम के मोर्चे पर विजय सेतुपति को आखिरी बार इस साल निथिलन स्वामीनाथन द्वारा निर्देशित फिल्म 'महाराजा' में देखा गया था। फिल्म में अभिनेता को एक नाई के दुकान के मालिक के रूप में दिखाया गया है जो एकल पिता के रूप में अपनी बेटी के साथ रहता है। साथ ही अपनी बेटी की खुशी और सुरक्षा के लिए हर हद को पार कर जाता है।

दूसरी ओर, कमल हासन जिन्हें आखिरी बार 'इंडियन 2' में देखा गया था, वर्तमान में मणिरत्नम द्वारा निर्देशित फिल्म 'ठग लाइफ' की शूटिंग कर रहे हैं। इसके अलावा, अभिनेता सीक्वल फिल्म 'इंडियन 3' में भी दिखाई देंगे, जिसके 2025 में रिलीज होने की संभावना है।

पैन इंडिया स्टार प्रभास संग 'फौजी' में रोमांस नहीं करेगी मृणाल ठाकुर?

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अपने शानदार अभिनय से सभी के दिलों को जीत चुकीं मृणाल ठाकुर जल्द ही फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगी। वहीं पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'फौजी', 'राजा साहब' और 'स्पिरिट' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। जहां कुछ दिन पहले फिल्म 'फौजी' को लेकर यह जानकारी आई थी कि इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट मृणाल ठाकुर नजर आएंगी, वहीं अब खुद मृणाल ने इस बारे में खुलासा किया है।

मृणाल का खुलासा

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में प्रभास, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और अमिताभ बच्चन के अलावा मृणाल ठाकुर भी फिल्म का अहम हिस्सा थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म 'फौजी' को लेकर जहां पहले यह जानकारी सामने आई थी कि मृणाल इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं अब अभिनेत्री मृणाल

ठाकुर ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं।

फिल्म फौजी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म 'फौजी' हनु राघवपुडी के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू हो सकती है। इस फिल्म की कहानी 1940 के दशक की ब्रिटिश बैकग्राउंड पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। विशाल चन्द्रशेखर फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर तैयार करेंगे। इस बड़े प्रोजेक्ट में प्रभास एक फौजी के किरदार में नजर आने वाले हैं। अब जब मृणाल ने इस बात से साफ इनकार कर दिया है कि वह 'फौजी' का हिस्सा नहीं हैं, तो अब प्रभास के अपोजिट किस अभिनेत्री को कास्ट किया जाएगा। इसकी कोई भी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बहरहाल, प्रभास के प्रशंसकों को उनकी हर एक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार रहता है। तो वहीं मृणाल के प्रशंसक उनकी और प्रभास की जोड़ी को इस फिल्म में ना देख पाने के लिए निराश हो गए हैं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी मृणाल

काम की बात करें तो मृणाल ठाकुर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में संजय दत्त और अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की घोषणा कुछ ही दिन पहले की गई थी। इस फिल्म में कई स्टार्स नजर आने वाले हैं, जिनमें से एक मृणाल भी हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी जानकारी खुद मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम उकाउंट पर एक वीडियो के जरिए साझा करके दी थी।

सपना चौधरी की मुसीबत बढ़ी, हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले में गैर-जमानती वारंट जारी

हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी की मुश्किलें बढ़ गई हैं. 'ठुमका क्वीन' के खिलाफ धोखाधड़ी का एक मामला दर्ज किया गया है. तीस हजारी कोर्ट की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रश्मि गुप्ता ने सपना के खिलाफ दर्ज हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया है. जिसके बाद एक्ट्रेस एक बार फिर से कानूनी पचड़े में फंस गई हैं.

जानकारी के मुताबिक, सपना चौधरी के खिलाफ दिल्ली पुलिस इकोनॉमिक ऑफेंस विंग को एक जॉइंट शिकायत दर्ज करवाई गई थी. इसमें उनपर चीटिंग का आरोप लगाया गया था. सपना पर दर्ज हुआ मामले की जांच के बाद इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने सपना चौधरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और फिर इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने चार्जशीट दायर की. चार्जशीट दायर होने के बाद दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने सपना चौधरी के खिलाफ हाई प्रोफाइल धोखाधड़ी केस में गैर जमानती वारंट जारी किया है. इस मामले में कई पीड़ित शामिल हैं.

सपना के खिलाफ पहले भी धोखाधड़ी के केस दर्ज हो चुके हैं. 2018 में उनपर लखनऊ में एक धोखाधड़ी का केस दायर किया गया था. सपना चौधरी के खिलाफ लखनऊ के आशियाना थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी. सपना चौधरी पर आरोप था कि वे पैसा लेने के बावजूद एक कार्यक्रम में परफॉर्म करने नहीं पहुंची थीं. सपना चौधरी के कार्यक्रम में न आने पर दर्शकों ने काफी हंगामा किया था.मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद सपना चौधरी ने 10 मई 2022 को सरेंडर किया था. इस मामले में कोर्ट ने अगस्त 2022 में अरेस्ट वारंट भी जारी किया था. नवंबर 2022 में सपना चौधरी के इस मामले में लखनऊ की एक कोर्ट ने आरोप तय किया था.

जल्द आएगा कंगना-प्रियंका की 'फैशन' का सीक्वल?

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और कंगना रणौत की फिल्म 'फैशन' ने दर्शकों के बीच खूब धमाल मचाया था। दर्शकों को शुरुआत से ही इसके सीक्वल का इंतजार है। ऐसे में फैंस के लिए एक खुशखबरी है। क्योंकि, ऐसा लग रहा है कि फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर जल्द ही फिल्म 'फैशन 2' की योजना बना सकते हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस फिल्म का सीक्वल बनने की संभावना है।

मधुर भंडारकर बनाएंगे 'फैशन 2'?

उन्होंने खुलासा किया कि अगर वह कभी 'फैशन 2' बनाने की योजना बनाते हैं, तो वह आज के समय में सुपरमॉडल्स की घटती प्रमुखता को दिखाएंगे, क्योंकि मशहूर हस्तियां और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर शोस्टॉपर के रूप में सामने आ गए हैं। मधुर भंडारकर ने कहा, "फैशन 2' के माध्यम से मैं यही पूछना चाहता हूं कि ये सुपरमॉडल कहां गायब हो गए हैं? किसी छोटे शहर में बैठी लड़की मॉडल या प्रभावशाली व्यक्ति हो सकती है। मैं इन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं।'

2008 में आई थी 'फैशन'

साल 2008 में सिनेमाघरों में आई 'फैशन' में प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत, मुग्धा गोडसे, अर्जन बाजवा, अरबाज खान और समीर सोनी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। यह फिल्म प्रियंका के किरदार मेघना माथुर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक छोटे शहर की लड़की है, लेकिन एक ग्लैमरस सुपरमॉडल बनना चाहती है, मगर शोबिज की दुनिया में आते ही वह यहां की काली दुनिया देखती हैं। इस फिल्म में प्रियंका के अभिनय प्रदर्शन को खूब सराहा गया था।

फिल्म के लिए प्रियंका को मिला था राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

प्रियंका चोपड़ा और कंगना रणौत की फिल्म 'फैशन' दर्शकों को काफी पसंद आई थी। ये फिल्म प्रियंका चोपड़ा के लिए मील का पत्थर साबित हुई थी। प्रियंका चोपड़ा को इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला था। वहीं, कंगना को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया था।

नागा के मिसेज एंड गर्लफ्रेंड पोस्ट पर भड़के ट्रोल्स सामंथा के साथ पुराना फोटो बना जी का जंजाल

जब से अभिनेता नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला ने अपनी सगाई की घोषणा की है, तब से सामंथा रुथ प्रभु के प्रशंसक जोड़े को ट्रोल करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच अभिनेता के सोशल मीडिया पर एक तस्वीर को देखकर नेटिजन्स की भौहें खड़ी हो गई हैं। दरअसल, नागा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से सामंथा के साथ लगभग सभी तस्वीरें हटा दी हैं लेकिन एक फोटो अब भी बरकरार है। इसे लेकर नेटिजन्स नागा की क्लास लगा रहे हैं।

तस्वीर साल 2018 की है जिसमें नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु शानदार लाल रेस कार में साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस तस्वीर ने नेटिजन्स को खासा नाराज किया है। इतना ही नहीं इसके कैप्शन ने ट्रोल्स के आक्रोश को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इस फोटो के कैप्शन में 'मिसेज एंड द गर्लफ्रेंड' लिखा हुआ है। नागा की शोभिता से सगाई के बाद नेटिजन्स इस फोटो को डिलीट करने को कह रहे हैं।

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक सोशल मीडिया यूजर ने टिप्पणी करते हुए लिखा है, 'आपकी फीड में यह तस्वीर होने में कुछ भी गलत नहीं है, सिवाय कैप्शन के। नागा अब सामंथा आपकी श्रीमती नहीं है और आपके लिए जानबूझकर इसे अनदेखा करना उचित नहीं है क्योंकि आप शोभिता के साथ नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। हम वास्तव में आपके अतीत और वर्तमान का सम्मान करते हैं, आपके नए प्रेम जीवन के लिए बधाई।'

एक अन्य यूजर ने पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'आप अभी भी आगे नहीं बढ़े हैं, मुझे लगता है कि आपने इसे सामंथा के साथ एक अच्छी याद के रूप में रखा है। मैं आपके फैसले का सम्मान करता हूं लेकिन इस फोटो को रखना सही नहीं है इसलिए एक प्रशंसक के रूप में मैं कहना चाहता हूं कि कृपया इसे हटा दें क्योंकि एक प्रशंसक के रूप में यह बहुत दुखद है। सामंथा मुझे पता है कि आप मेरी टिप्पणियां नहीं पढ़ेंगी, लेकिन मैं आपका सम्मान करता हूं कि टीम ने मेरी टिप्पणियां देखीं, इसलिए मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इसे हटा दें और आपकी सगाई पर बधाई।'

कुछ यूजर्स ने तो नागा चैतन्य को उनके माता-पिता, नागार्जुन और लक्ष्मी दग्गुबाती के अलगाव की भी याद दिलाई। जानकारी हो कि नागा चैतन्य00 ने 8 अगस्त को 'मेड इन हेवन' स्टार शोभिता धूलिपाला से सगाई की। चैतन्य ने सामंथा रुथ प्रभु के साथ चार साल तक शादी के बंधन में बंधे रहने के बाद 2021 में अपनी राहें अलग कर लीं।

कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर के के मेनन ने तोड़ी चुप्पी, रणवीर शौरी पर की टिप्पणी!

अभिनेता रणवीर शौरी बिग बॉस ओटीटी के तीसरे सीजन में नजर आए। इस दौरान उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और करियर को लेकर भी काफी बातें कीं। अभिनेता ने इस दौरान एक हैरान करने वाला खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें फिल्मों के ऑफर नहीं मिल रहे हैं। हाल ही में इस बारे में एक्टर के के मेनन ने बात की है। के के मेनन ने इंडस्ट्री में रणवीर के सामने आने वाली चुनौतियों और उन्हें मिलने वाले अवसरों पर तो बात की है, साथ ही मनोरंजन जगत में अन्य कलाकारों के सामने आने वाले संघर्षों के बारे में भी चर्चा की।

इस वजह से नहीं देखा बिग बॉस ओटीटी 3

के के मेनन और रणवीर शौरी इस वक्त सीरीज 'शेखर होम' को लेकर चर्चा में हैं। यह आज ही ओटीटी पर रिलीज हुई है। के के मेनन ने इंडस्ट्री के मौजूदा दौर पर बात की और साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म की आमद और लोकप्रियता पर भी चर्चा की। एक न्यूज पोर्टल के साथ बातचीत में के के मेनन कहा कि समय की कमी के चलते उन्होंने बिग बॉस नहीं देखा और इसलिए रणवीर शौरी को बिग

बॉस में नहीं देखा।

अपने संघर्ष और अनुभवों का किया जिक्र

के के मेनन ने आगे कहा कि बिग बॉस ओटीटी से पहले उन्होंने और रणवीर ने साथ में काफी समय बिताया था। के के ने यह भी कहा कि उन्होंने रियलिटी शो नहीं देखा, क्योंकि उन्हें पता था कि रणवीर असली है या अभिनय कर रहे हैं। के के मेनन ने कहा, 'मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से जानता हूं'। बता दें कि बिग बॉस ओटीटी 3 में रणवीर शौरी ने कोई बड़ा एक्टिंग प्रोजेक्ट न होने और इंडस्ट्री में अवसरों की कमी पर बात की थी। रणवीर शौरी ने यह भी कहा था कि करियर में ठहराव की वजह से उन्होंने बिग बॉस में आने का ऑफर स्वीकार किया था। इस दौरान के के मेनन ने अपने संघर्षों और अनुभवों पर बात करते हुए कहा कि कोविड महामारी से पहले के दौर में वे भी चुनौतियों से गुजरे, क्योंकि अच्छे ऑफर खत्म हो गए थे।

ओटीटी ने बदल दिया वक्त

उन्होंने आगे कहा, 'यह ओटीटी बूम से पहले की बात है। इसका कारण यह था कि सिनेमा और थिएटर में हम जो फिल्में देखते हैं, उनमें हमारे जैसे लोगों और अभिनेताओं के लिए गुंजाइश कम हो गई थीं'। ओटीटी प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता के बाद सिनेमा में आए बदलावों पर बात करने के बाद के के मेनन ने खुद की और मनोज बाजपेयी की तारीफ की। के के मेनन ने कहा कि उनके पास विलेन की भूमिका निभाने या कुछ और करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था, क्योंकि उनका दायरा कम हो गया था। इस दौरान के के मेनन ने खुद को और मनोज बाजपेय की 'जिद्दी' बताया और कहा कि 'शायद हमसे भी ज्यादा काबिल कलाकार थे, लेकिन उनमें टिके रहने की दृढ़ता नहीं थी, इसलिए वे किनारे होते गए'।

कौन हैं जैस्मीन वालिया? इस सुंदरी पर तो कोई भी हो जाए फिदा

हार्दिक पांड्या से यूं ही नहीं अफेयर की अटकलें

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर हार्दिक पांड्या पिछले कुछ वक्त से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. पहले पत्नी नताशा स्टैनकोविक से तलाक फिर अनन्या पांडे को डेट करने की खबरें और अब एक ताजा जानकारी के मुताबिक हार्दिक जैस्मिन वालिया के साथ हैं नए रिलेशनशिप में हैं. तो चलिए आपको बताते हैं कि जैस्मीन वालिया के बारे में वो सबकुछ बताते हैं, जिसके बारे में आप जानना चाहते हैं.

हार्दिक पांड्या एक बार फिर से सुर्खियों में हैं. इस रिश्ता टूटने का नहीं मामला दिल जुड़ने का है. दरअसल, उन्हें लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है कि वह एक सुंदरी पर फिदा हो गए हैं. जैसी ही ये अफवाहें आने लगी तब से फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ये जानने के लिए बेकरार हो गए कि आखिर वो है कौन? आप भी ये जानना चाहते हैं तो चलिए आपको बताते हैं कि कौन है वो हसीना जिनके बारे में अफवाह है कि वे भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग कर रही हैं.

जैस्मीन वालिया ब्रिटिश सिंगर और टीवी पर्सनैलिटी हैं, जिनकी म्यूजिक इंडस्ट्री से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह चर्चा है. जैस्मीन और हार्दिक अपने सोशल मीडिया इंटरैक्शन से डेटिंग की अफवाहों को हवा दे रहे हैं. वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो की वजह से ही ये अफवाह है कि वे ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मना रहे हैं.

लंदन के एस्सेक्स में जन्मीं जैस्मिन के माता-पिता भारतीय मूल के हैं. जैस्मिन ने दुनिया का ध्यान पहली बार अपनी तरफ तब खींचा जब वो ब्रिटिश रियलिटी टीवी सीरीज The Only Way Is Essex का हिस्सा बनीं. साल 2010 में उन्होंने एक एक्स्ट्रा के तौर पर शुरुआत की थी, लेकिन फिर साल 2012 तक वह फुल टाइम कास्ट मेंबर हो गईं.

जैस्मिन ने इस शो के बाद म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखा और साल 2014 में अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया. चैनल पर जैस्मिन दूसरों के गानें गाकर अपना टैलेंट दिखाती थीं. उन्होंने जैक नाइट, इन्टेंस-टी और ग्रीन म्यूजिक के साथ हाथ मिलाया और फिर उन्हें साल 2017 में सबसे बड़ा ब्रेक मिला 'बॉड डिगी' के जरिए. जैस्मिन ने पहली बार जैक नाइट के साथ परफॉर्म किया और यह पॉपुलैरिटी और भी ज्यादा बढ़ गई.

साल 2018 में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' के लिए 'बॉम डिगी डिगी' सॉन्ग को रीमेक किया. साल 2022 में जैस्मिन वालिया ने बिग बॉस 13 के फाइनलिस्ट आसिम रियाज के साथ Nights n Fights नाम का म्यूजिक वीडियो किया और उनकी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया.

आसिम रियाज के साथ उनके इस वीडियो को इंटरनेशनल अटेंशन मिली. यहां तक कि इसे टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर भी जगह मिली. जैस्मिन सोशल मीडिया सेंसेशन हैं और सिर्फ इंस्टाग्राम पर ही उनके 6.4 लाख फॉलोअर्स हैं . वह अक्सर अपनी बोल्ड और सेंसेशनल तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं जो खूब वायरल होती हैं । यूट्यूब पर 5.7 लाख लोगों ने जैस्मिन को सब्सक्राइब किया हुआ है. हार्दिक पांड्या के साथ उनके कथित रिश्ते ने हाल ही में उन्हें सुर्खियों में ला दिया है, जिससे उनके निजी जीवन और करियर दोनों पर ध्यान आकर्षित हुआ है.

'कल्कि 2898 एडी' को लेकर कीर्ति सुरेश का बड़ा खुलासा, फिल्म में भूमिका का मिला था प्रस्ताव

इस साल जून में रिलीज हुई फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने हजार करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की है। फिल्म में कई बड़े कलाकार एक साथ नजर आए, इनमें अमिताभ बच्चन , प्रभास, दीपिका पादुकोण, कमल हासन आदि कलाकार शामिल हैं। इन कलाकारों के अलावा एक और मशहूर अभिनेत्री इस फिल्म से जुड़ी थीं, लेकिन वह पर्दे पर नजर नहीं आईं। अब उन्होंने इस फिल्म को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है।

साउथ की मशहूर अभिनेत्री और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी इस फिल्म से जुड़ी थीं। उन्होंने इस फिल्म में प्रभास के किरदार भैरव के साथ नजर आने वाली रोबोट बुज्जी को अपनी आवाज दी है। इन दिनों अभिनेत्री अपनी आगामी तमिल फिल्म रघु थाथा के प्रमोशन में जुटी है, जो इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। अभिनेत्री ने इस दौरान 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर एक दिलचस्प खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए एक किरदार की पेशकश की गई थी।

अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने इस खुलासे ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें निर्देशक नाग अश्विन ने एक भूमिका की पेशकश की थी, लेकिन अभिनेत्री ने इसके लिए इनकार कर दिया। हालांकि, उनकी इस फिल्म से जुड़ने की प्रबल इच्छा थी, इसलिए उन्होंने बुज्जी को आवाज देने का सुझाव दिया। अभिनेत्री के इस सुझाव को नाग अश्विन ने सहर्ष स्वीकार कर लिया और इस तहर से 'कल्कि 2898 एडी' में बुज्जी का किरदार जीवंत हो गया।

फिल्म में बुज्जी के किरदार के लिए, जिस तरह से कीर्ति ने आवाज दी है, उससे इस किरदार की व्यापकता और बढ़ गई है। इससे बुज्जी के किरदार में और गहराई देखने को मिली है। हालांकि, इस खुलासे के बाद अभिनेत्री ने उस भूमिका को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, जो उन्होंने ठुकरा दिया था। इससे फैंस की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

कीर्ति सुरेश को पसंद करने वाले फैंस की लंबी फेहरिस्त है। फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेताब रहते हैं। बात करें अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की, तो वह 'रघु थाथा' के बाद 'बेबी जॉन', 'रिवॉल्वर रानी' और 'उप्पू कप्पुराम्बु' आदि फिल्मों में नजर आएंगी। फिल्म बेबी जॉन के साथ वह हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में वह बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ नजर आएंगी।

'हमारा लक्ष्य कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था', 'आदिपुरुष' के फ्लॉप होने पर बोलीं कृति

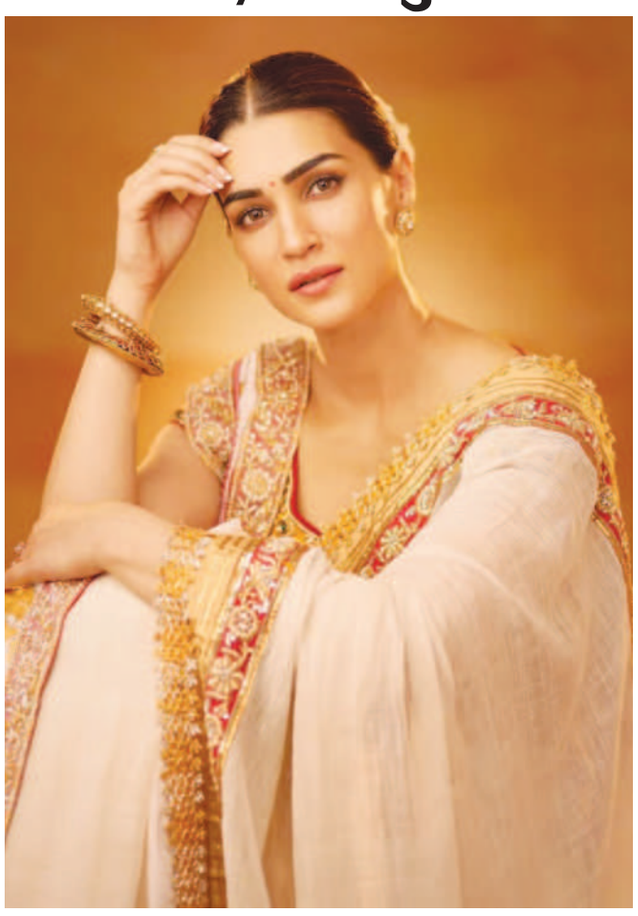

साउथ के दिग्गज स्टार प्रभास और कृति सेनन की फिल्म 'आदिपुरुष' 16 साल 2023 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तमाम विवादों के बीच दर्शकों को इस फिल्म ने निराश किया। 600 करोड़ में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत की आधा भी वसूलने में कामयाब नहीं हुई। साउथ के दिग्गज स्टार प्रभास और कृति सेनन की फिल्म 'आदिपुरुष' 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तमाम विवादों के बीच दर्शकों को इस फिल्म ने निराश किया। 600 करोड़ में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत की आधा भी वसूलने में कामयाब नहीं हुई। अब फिल्म की असफलता पर कृति ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में कृति ने कहा, इन सब से आप बहुत दुखी होते हैं और शायद एक समय ऐसा भी आता है, जब आपने रोने भी लगते हैं। यह सोचकर कि आखिर क्या गलत हुआ। अभिनेत्री ने आगे कहा, हमारा लक्ष्य कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। हर प्रोजेक्ट के पीछे हमेशा पॉजिटिव इरादा होता है। हालांकि, हमें इस सच्चाई का सामना करना चाहिए कि कभी-कभी चीजें ठीक से नहीं होती हैं, और इन अनुभवों से सीखना बहुत जरूरी है।

अभिनेत्री के तौर पर इस परिस्थिति से डील करने पर कृति ने कहा, ₹एक अभिनेत्री के तौर पर,सबसे अच्छा तरीका है अपना फोकस नहीं खोना, प्रयास करना और अगले प्रोजेक्ट पर मेहनत करना । मेरे बस से परे कई चीजें हैं, लेकिन मैं यह प्रयास करती हूं कि मैं अपनी भूमिका को अपनी क्षमता के अनुसार पूरा करूं।

कृति ने आगे कहा, घर पर साथ में मेरी फिल्में देखने के बाद, हम अगली सुबह एक चाय सेशन करते हैं, जहां मेरा परिवार मुझे ईमानदारी से प्रतिक्रिया देता है कि उन्हें क्या पसंद आया और क्या नहीं। मेरा मानना है कि क्रिएटिव ट्रोलिंग फायदेमंद है। लेकिन यह जरूरी है कि सभी प्रकार की आलोचनाओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। बता दें कि फिल्म बम्पर ओपनिंग तो मिली, लेकिन फिल्म धीरे धीरे नीचे गिरती गई। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन को हाल ही में 'क्रू' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था।

सामंथा को फिर हुआ प्यार?:'द फैमिली मैन' डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ डेटिंग की खबरें; एक्स हसबैंड ने चार दिन पहले की सगाई

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही है। उन्होंने 2017 में एक्टर नागा चैतन्य से शादी की थी। लेकिन 2021 में उनका तलाक हो गया। अब सामंथा की पर्सनल लाइफ को लेकर नई खबरें आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह डायरेक्टर राज निदिमोरु को डेट कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सामंथा और राज के बीच डेटिंग की खबरें हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सामंथा की राज और डीके के साथ कामकाजी साझेदारी ने इन खबरों को हवा दी है। दोनों की तरफ से अभी तक इसे लेकर कोई भी रिएक्शन सामने नहीं आया है।

राज निदिमोरु, राज और डीके की जोड़ी का हिस्सा हैं, जिन्होंने कई हिट फिल्में बनाई हैं। सामंथा ने भी उनके साथ कई प्रोजेक्ट्स किए हैं, जिनमें आने वाली थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' भी शामिल है। राज की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी श्यामली डे से हुई है।

तलाक के बाद, सामंथा ने कई बार अपनी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की है। 2022 में मायोसाइटिस से जूझने के बाद, उन्होंने अपने स्ट्रगल को शेयरभी किया था। हाल ही में एले इंडिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल उनके लिए कठिन रहे, लेकिन अब वह शांत और स्थिर हैं। वर्क फ्रंट पर, सामंथा की थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' इस नवंबर में ओटीटी पर रिलीज होगी।

'मुंजा' में डराने से लेकर 'वेदा' में एक्शन करने तक... राजनीतिक परिवार से है शरवरी का गहरा नाता

शरवरी वाघ अपनी बहुचर्चित फिल्म 'वेदा' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में शरवरी के अलावा जॉन अब्राहम मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म आज यानी 15 अगस्त को रिलीज हुई है। फिल्म में शरवरी के एक्शन सीन्स की भी जमकर तारीफ हुई है। 'मुंजा' के बाद 'वेदा' में अपने अभिनय का दमखम दिखाने वाली शरवरी के लिए इंडस्ट्री में आना आसान नहीं था।

निर्देशक कबीर खान की वेब सीरीज द फॉरगॉटन आर्मी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वालीं अभिनेत्री शरवरी वाघ आज इंटरनेट सेंसेशन बन गई हैं। इस वेब सीरीज में सनी कौशल ने उनके साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया था। हॉरर कॉमेडी फिल्म मुंजा में बेला का किरदार निभाकर फैंस के बीच छाईं शरवरी को आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'महाराज' से भी खूब लोकप्रियता मिली। मौजूदा समय में वह 'वेदा' में एक बॉक्सर की भूमिका निभा रही हैं।

14 जून 1996 में जन्मी शरवरी के पिता शैलेश वाघ मुंबई के जाने माने बिल्डर हैं जबकि उनकी बहन कस्तूरी और मां नम्रता वाघ दोनों आर्किटेक्ट हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस राजनीति से काफी गहरा कनेक्शन हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी शरवरी के नाना हैं। बंटी और बबली 2 जैसी फिल्मों नजर आ चुकी अभिनेत्री पढ़ाई के मामले में शुरू से ही बहुत अच्छी थीं। उन्होंने मुंबई के स्थानीय स्कूल दादर पारसी यूथ असेंबली हाई स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की।

अरवरी वाघ कई ब्रांड और फैशन डिजाइनर्स के लिए मॉडलिंग और विज्ञापन कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म बाजीराव मस्तानी, फिल्म 'प्यार का पंचनामा' फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी कई फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक भी काम किया है।

बता दें कि शरवरी की फिल्म 'वेदा' की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उत्पीड़न के खिलाफ लड़ती है। वह जाति और छुआछूत के आधार पर दलित समुदायों पर अत्याचार करने वाले अत्याचारियों के खिलाफ सामाजिक न्याय चाहती है। एक्शन-थ्रिलर का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है।

अक्षय की चॉइस पर सवाल उठाते थे इंडस्ट्री के दोस्त

पूछते थे तुम्हें सैनिटरी पैड और टॉयलेट पर फिल्म क्यों बनानी है?

अक्षय कुमार इन दिनों फ्लॉप फिल्मों के दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, बीते कुछ सालों में उन्होंने 'पैडमैन', 'टॉयलेट' और 'OMG 2' जैसी सोशल कॉज और टैबू सब्जेक्ट पर बनने वाली कई फिल्मों में काम किया है।इसी बीच एक्टर ने एक इंटरव्यू में बताया कि इंडस्ट्री के कई लोगों और उनके दोस्तों तक ने उनकी फिल्म चॉइस को लेकर सवाल किए हैं।

कई लोगों ने मेरे फैसलों का विरोध किया

इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय ने कहा- 'मैंने सोशल कॉज वाले टॉपिक पर कई फिल्में की हैं। इस दौरान इंडस्ट्री के कई दोस्तों और लोगों ने मुझसे कहा कि तुमको सैनिटरी पैड पर फिल्म क्यों बनानी है ? क्यों तुमको टॉयलेट पर फिल्म बनानी है?'

एक्टर ने आगे कहा- 'जब मैंने सेक्स एजुकेशन पर फिल्म बनाई तो कई लोगों ने मेरा विरोध किया। उन्होंने कहा कि सेक्स के बारे में बात करना बुरा है। पर मैंने इन फिल्मों को किया क्योंकि मुझे वो कहानियां पसंद आईं। आगे भी कोई ऐसी कहानी पसंद आएगी तो मैं फिर करूंगा।'

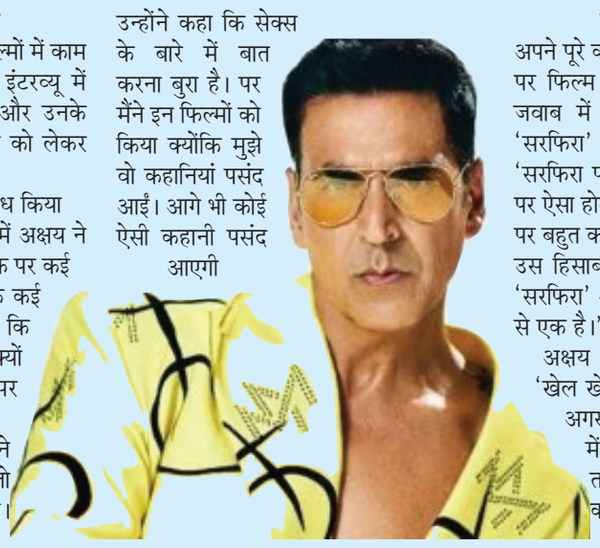

'सरफिरा' पर मैंने काफी मेहनत की थीः अक्षय

वहीं जब अक्षय से पूछा गया कि वो कौन सी फिल्म है जिसपर आपने अपने पूरे करियर में सबसे ज्यादा मेहनत की हो पर फिल्म को क्रेडिट नहीं मिला हो। इसके जवाब में एक्टर ने हालिया रिलीज फिल्म 'सरफिरा' का नाम लिया। अक्षय ने कहा, 'सरफिरा पर मैंने काफी ज्यादा मेहनत की थी पर ऐसा होता है.. कभी-कभी आप किसी फिल्म पर बहुत काम करते हो पर ऑडियंस से आपको उस हिसाब का रिस्पॉन्स नहीं मिलता लेकिन 'सरफिरा' अब तक मेरी की हुई बेस्ट फिल्मों में से एक है।'

अक्षय इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'खेल खेल में' के प्रमोशन में बिजी हैं। 15 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय के अलावा फरदीन खान, तापसी पन्नू और वाणी कपूर समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

'वैश्विक कंपनियां भारत में निवेश की इच्छुक'

बैंकों की स्थिति-कृषि क्षेत्र पर क्या बोले पीएम?

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से बोलते हुए देश की अर्थव्यवस्था से जुड़े कईअहम संदेश दिए। अपने भाषण में जहां उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारत की उपलब्धियों की चर्चा की, वहीं कृषि क्षेत्र में बदलाव को भी समय की जरूरत बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि कई वैश्विक कंपनियां भारत में निवेश करना चाहती हैं। पीएम ने राज्य सरकारों से उन्हें आकर्षित करने के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करने को कहा। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल में वे जिन लोगों से मिले, उनमें से अधिकांश भारत में निवेश करना चाहते थे। उन्होंने कहा, भारत के पास वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनाने का यह एक सुनहरा अवसर है। पीएम ने राज्य सरकारों से निवेश आकर्षित करने के लिए नीतियां बनाने का आह्वान किया, साथ ही सुशासन और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश को डिजाइन इन इंडिया और डिजाइन फॉर द वर्ल्ड पर काम करने की जरूरत है। लाल किले से अपने 11वें स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय पेशेवरों को उभरते वैश्विक गेमिंग उद्योग का नेतृत्व करना चाहिए। पीएम ने कहा कि गेमिंग उद्योग भारत के अर्थतंत्र (अर्थव्यवस्था) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि एक जिला, एक उत्पाद के साथ, प्रत्येक जिला अब अपने उत्पादन पर गर्व करता है। एक विशेष उत्पाद में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए अपनी अनूठी ताकत की पहचान करने की कोशिश करता है, इसका उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना है। मोदी ने कहा कि देश ऊर्जा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बनने और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में भी अथक प्रयास कर रहा है।

भारतीय बैंक विश्व के चुनिंदा मजबूत बैंकों में शामिल: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार की ओर से किए गए बड़े सुधारों की वजह से भारतीय बैंक वैश्विक स्तर पर मजबूत बैंकों में गिने जाते हैं। ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली औपचारिक अर्थव्यवस्था को ताकत देती है। उन्होंने कहा कि पहले बैंकिंग क्षेत्र कठिन दौर से गुजर रहा था, लेकिन इस क्षेत्र में बदलाव आया है। पीएम ने कहा, जरा सोचिए हमारे बैंकिंग क्षेत्र की क्या हालत थी। कोई विकास नहीं था, कोई विस्तार नहीं था और (बैंकिंग प्रणाली में) कोई विश्वास नहीं था। हमारे बैंक कठिन दौर से गुजर रहे थे...हमने बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए बड़े सुधार किए। आज, देश में हुए सुधारों की वजह से, हमारे बैंक वैश्विक स्तर पर कुछ मजबूत बैंकों में गिने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि मध्यम वर्ग, किसानों, घर खरीदारों, स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली महत्वपूर्ण है।

कृषि क्षेत्र में बदलाव की जरूरत: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृषि क्षेत्र में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार किसानों का जीवन बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास कर रही है।

भारत ने जुलाई में रूस से 2.8 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल आयात किया, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता और आयातक भारत ने जुलाई में रूस से 2.8 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा। इस लिहाज से भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है, जो रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। इस तेल को रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित किया जाता है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद कुछ यूरोपीय देशों द्वारा रूस से खरीद से परहेज करने के बाद रूसी तेल छूट पर उपलब्ध था। रूस से कच्चे तेल का आयात यूक्रेन युद्ध से पहले कुल आयातित तेल का एक प्रतिशत से भी कम था। यह अब भारत की कुल तेल खरीद का लगभग 40 प्रतिशत हो गया है।सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि चीन ने रूस के कच्चे तेल निर्यात का 47 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (37 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (सात प्रतिशत) और तुर्किये (छह प्रतिशत) रहा।

सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि चीन और भारत ने रूस से कोयला भी खरीदा।

रिपोर्ट के अनुसार, "पांच दिसंबर, 2022 से जुलाई, 2024 के अंत तक चीन ने रूस के कुल कोयला निर्यात का 45 प्रतिशत खरीदा, उसके बाद भारत (18 प्रतिशत) का स्थान रहा। तुर्किये (10 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (10 प्रतिशत) और ताइवान (पांच प्रतिशत) शीर्ष पांच खरीदार हैं।"

वित्त मंत्री ने कहा था 10 दिन में मिल जाएगा टैक्स रिफंड, ये है हकीकत

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। संसद में बजट पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बात कही कि अब देश में लोगों को आयकर रिफंड महज 10 दिन में मिलने लगा है। लेकिन क्या आप भी उन लोगों में से एक हैं जिन्हें आईटीआर भरे हुए 20 दिन से भी ज्यादा वक्त हो गया। फिर भी उनका रिफंड नहीं आया। ऐसे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान के मतलब क्या हैं और आयकर रिफंड आने से जुड़ा सच क्या है?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि फाइनेंशियल ईयर 2013-14 में आम लोगों को आयकर रिफंड मिलने में औसतन 93 दिन लगते थे। लेकिन अब 2023-24 में ये एवरेज टाइम घटकर 10 दिन पर आ गया है। फाइनेंस मिनिस्टर ने अपने बयान में एकदम सही बात कही थी क्योंकि इनकम टैक्स रिफंड आने का टाइम पहले के मुकाबले कम हुआ है और कई मामलों में ये 10 दिन ही है। फिर आपका रिफंड क्यों नहीं आया अब तक?

इन बातों पर निर्भर करता है आयकर रिफंड का आना

आपका इनकम टैक्स रिफंड कब आपके खाते में क्रेडिट होगा, ये कई बातों पर निर्भर करता है।जैसे सबसे बड़ा फर्क तो इस बात से पड़ता है कि आपने अपना रिटर्न कब फाइल किया। अगर आपने आखिरी तारीख के आस-पास अपना आईटीआर फाइल किया है, तो आपका रिफंड सबसे ज्यादा लेट आएगा। इसके अलावा आपने कौन-सा आईटीआर फाइल किया है, आपके आईटीआर में कैलकुलेशन कितना कॉम्प्लेक्स है। इन सब बातों का भी आपके रिफंड आने के टाइम पर असर पड़ता है।

किसको मिलता है सबसे पहले रिफंड?

अगर आप आईटीआर-1 फॉर्म भरत हैं, तो आपके आयकर रिफंड को सबसे पहले प्राथमिकता दी जाती है। इसकी वजह ये है कि आईटीआर-1 सबसे कम कॉम्प्लेक्स होते हैं। इसलिए इनकी स्क्रूटनी में कम वक्त लगता है और जल्द से जल्द लोगों का रिफंड लौटा दिया जाता है।

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल भारत के किस फैसले से हैं बेहद दुखी?

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे सबसे बड़े कोयले के भंडार वाले देश होने के बावजूद भारत को अपनी खपत को पूरा करने के लिए कोयला विदेशों से आयात करना पड़ता है. वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल इस बात से बेहद आहत हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने अपनी नाखुशी जाहिर करते हुए कहा, जब भी मैं भारत के कोल इंपोर्ट में बढ़ोतरी से जुड़ी खबरों को पढ़ता हूं मैं बेहद दुखी हो जाता हूं. अनिल अग्रवाल ने कोयले के इंपोर्ट को फौरन बंद करने की मांग की है.

अप्रैल-जून तिमाही में 5.7% बढ़ा कोयले का इंपोर्ट

हाल ही में ये खबर आई कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में भारत के कोल इंपोर्ट में बढ़ोतरी आई है. मौजूदा वित्त वर्ष के अप्रैल-जून तिमाही में 5.7 फीसदी उछाल के साथ भारत को कोयला इंपोर्ट बढ़कर 75.26 मिलियन टन पर जा पहुंचा है जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 71.16 मिलियन टन रहा था. मौजूदा वित्त वर्ष के जून महीने में कोयले के इंपोर्ट में 6.59 फीसदी का उछाल देखने को मिला है.

भारत को नहीं करना चाहिए कोयला आयात

कोयले के इंपोर्ट में बढ़ोतरी की इस खबर से अनिल अग्रवाल परेशान हैं जो खुद दिग्गज माइनिंग-मेटल्स कंपनी वेदांता के प्रमुख हैं. अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत के कोल इंपोर्ट में बढ़ोतरी की खबरों को पढ़ने पर मुझे बहुत पीड़ा होती है. उन्होंने कहा, हकीकत में हमें कोयला बिलकुल आयात नहीं करनी चाहिए. हमारे पास दुनिया में कोयले का चौथा सबसे बड़ा रिजर्व है. उन्होंने ज्यादा से ज्यादा कोल माइंस की नीलामी किए जाने की वकालत की और सेल्फ सर्टिफिकेशन की तरफ बढ़ने पर जोर दिया. उन्होंने कहा, इस सब में स्पीड सबसे प्रमुख बात होगी. अनिल अग्रवाल ने अपनो पोस्ट में लिखा, अनुमान के मुताबिक एनर्जी ट्रांजीशन की तरफ पूरी तरफ बढ़ने में हमें कई वर्ष अभी और लग जायेंगे।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने बताया, शेयर बाजार हाई पर

अब कहां है निवेशकों के लिए निवेश के मौके?

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में साल 2021 से ही लगातार तेजी देखी जा रही है। निफ्टी 500 ने पिछले तीन वर्षों में सलाना 21 फीसदी के दर से रिटर्न दिया है। ये तेजी ब्रॉड बेस्ड रही है यानि सभी सेक्टर्स के स्टॉक्स में तेजी रही है। लेकिन सबसे बड़ी तेजी मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में देखने को मिली है। लेकिन आने वाले दिनों में लॉर्ज-कैप सेगमेंट निवेशकों के लिए बड़ा अवसर लेकर आ रहा है। एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने अपने रिपोर्ट में बताया है कि क्यों लॉर्ज कैप सेगमेंट में अब निवेशकों को निवेश करना चाहिए।

मार्केट्स में कहां है निवेश के मौके

शेयर बाजार में इस तेजी का क्रेडिट भारत के शानदार आर्थिक विकास दर, उम्मीद से बेहतर कॉरपोरेट अर्निंग्स, सेंट्रल बैंकों द्वारा सिस्टम में नगदी डालने और घरेलू निवेशकों के निवेश में भारी उछाल को जाता है। पर सवाल उठता है कि शेयर बाजार में बीते तीन सालों में शानदार तेजी के बाद निवेशकों के लिए कहां हैं निवेश के अवसर। बीएसई 100 का मार्केट कैप बीएसई 500 के मार्केट कैप के मुकाबले 10 सालों के निचले लेवल पर है। 31 जुलाई 2024 को ये रेश्यो 64 फीसदी पर था जबकि 10 सालों का औसत 72 फीसदी रहा है जो कि दर्शाता है कि लार्ज-कैप स्टॉक्स ने ब्रॉडर मार्केट में अंडरपरफॉर्म किया है। लॉर्ज-कैप स्टॉक्स में मिड-कैप और स्मॉल-कैप के मुकाबले कम तेजी देखने को मिली है।

एफआईआई का फ्लो आएगा लार्ज कैप में!

पिछले तीन सालों में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 80 बिलियन डॉलर के करीब निवेश किया है। इसके मुकाबले विदेशी संस्थागत निवेशकों ने केवल 5 बिलियन डॉलर ही निवेश किया है। लोकसभा चुनाव अब पीछे छूट चुका है और आने वाले दिनों में भारत के आर्थिक विकास में तेजी आएगी इसे देखते हुए विदेशी निवेश के फ्लो में आने वाले दिनों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। एफआईआई का 80 फीसदी निवेश लॉर्ज-कैप स्टॉक्स में है और आने वाले दिनों में भी एफआईआई निवेश बढ़ता है तो लॉर्ज-कैप कैटगरी को बड़ा फायदा हो सकता है। ब्याज दरों में कटौती से डॉलर कमजोर होगा। साथ ही स्थिर या रुपये में मजबूती आने पर भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई इंवेस्टमेंट बढ़ेगा।

क्यों आई बाजार में तेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने अपने रिपोर्ट में बताया कि भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है उसका मुख्य कारण कॉरपोरेट इंडिया के शानदार अर्निंग ग्रोथ और लचीला बैलेंसशीट को जाता है। कंपनियों के कर्ज में कमी आई है। साथ ही नगदी का भी तेजी में बड़ा योगदान रहा है। कोविड के दौरान सेंट्रल बैंकों ने सिस्टम में नगदी डाले। ज्यादा नगदी के चलते ब्याज दरों में कमी आई है जिससे कंपनियों को फायदा हुआ। मजबूत जीडीपी ग्रोथ के चलते घरेली निवेशकों का भरोसा बढ़ा साथ ही निवेशकों की संख्या भी बढ़ी। 2020 में जहां 4 करोड़ केवल डिमैट खाते थे उनकी संख्या बढ़कर 15 करोड़ के पार जा पहुंची है। ईपीएफओ एनपीएस के फ्लो ने भी बाजार में तेजी में योगदान दिया।

रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी लाने जा रही 1600 करोड़ रुपये का आईपीओ

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। रियल एस्टेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी कल्पतरु ने आईपीओ लाने का फैसला लिया है. कंपनी इस आईपीओ के जरिए लगभग 1,600 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है. इस पैसे से कंपनी अपने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाना चाहती है. कल्पतरु ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को आईपीओ से संबंधित दस्तावेज सौंप दिए हैं. कंपनी मिड सेगमेंट, लग्जरी से लेकर कॉमर्शियल तक के हाउसिंग प्रोजेक्ट तैयार करती है. कंपनी के प्रोजेक्ट 41.95 मिलियन वर्ग फुट में फैले हुए हैं.

100 फीसदी फ्रेश इश्यू, ऑफर फॉर सेल नहीं होगा

कल्पतरु के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, आईपीओ 1590 करोड़ रुपये का होगा. आईपीओ से आने वाले पैसों का इस्तेमाल कर्ज को कम करने और कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किया जाएगा. इस आईपीओ में 100 फीसदी फ्रेश इश्यू होगा. कंपनी ऑफर फॉर सेल का रास्ता नहीं अपनाने जा रही है. इसमें 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले शेयर उतारे जाएंगे. साथ ही प्राइस बैंड, लॉट साइज, क्यूआईबी, एनआईआई और रिटेल इनवेस्टर्स के रिजर्व हिस्से के बारे में भी आगे जानकारी दी जाएगी.

ठाणे इलाके में चौथे नंबर पर आती है कंपनी

कल्पतरु के ज्यादातर प्रोजेक्ट लग्जरी और प्रीमियम फील के लिए जाने जाते हैं. इस वित्त वर्ष में कंपनी कई नए प्रोजेक्ट का डेवलपमेंट शुरू करने वाली है. इसके अलावा उन्होंने 2027 तक के प्रोजेक्ट तैयार किए हुए हैं. उनके हालिया और आने वाले प्रोजेक्ट की डिमांड से कंपनी को मार्केट में अपनी जगह बनाने में बड़ी मदद मिल रही है।

देश के बड़े कारोबारी घरानों में युवा पीढ़ी को सौंपी जा रही कमान, क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने वर्ष 2047 तक खुद को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। देश को अग्रणी राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करने का यह सपना बहुत हद तक देश के कारोबारी जगत के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। आने वाले समय में देश में निजी क्षेत्र के बड़े कारोबारी घरानों का संचालन कितनी कुशलता और दूरदर्शिता से किया जाएगा देश का समग्र विकास लगभग उसी पर निर्भर है। ऐसे में इन बड़े कारोबारी घरानों में उत्तराधिकार को लेकर वर्तमान में हो फैसले लिए जा रहे हैं वे उन बिजनेस घरानों के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।भारत में सही समय पर अपना उत्तराधिकारी चुना जाना कोई नई बात नहीं है।

लेकिन अरबों डॉलर की संपत्ति के उत्तराधिकारियों की बात करें तो देश के तीन सबसे प्रमुख बिजनेस घरानों ने इस दिशा में समय रहते कदम आगे बढ़ाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी की ओर से उनके तीन बच्चों को समूह की कंपनियों के बोर्ड में नियुक्त किए जाने का फैसला हाल के वर्षों में लिया गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी ने अपने तीन बच्चों को समूह की कंपनियों के बोर्ड में नियुक्त किया। 31 वर्षीय जुड़वां ईशा और आकाश और 28 वर्ष के अनंत को शेयरधारकों की मंजूरी के बाद बोर्ड में शामिल किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आदित्य बिड़ला समूह के प्रमुख कुमार मंगलम बिड़ला ने भी अपने बच्चों अनन्या और आर्यमन को हिंडाल्को के बोर्ड में नियुक्त करने की घोषणा की। वहीं अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी भी अरबों डॉलर के अपने कारोबारी साम्राज्य के लिए उत्तराधिकार योजना की रूपरेखा तैयार कर चुके हैं। उन्होंने भी एलान कर दिया है कि वे 70 वर्ष की आयु के बाद अपने बेटों और भतीजों को कमान सौंपकर रिटायरमेंट ले लेंगे।

करोबारी लिहाज से कितना अहम है उत्तराधिकार का चयन?

बाजार के विशेषज्ञ कहते हैं कि इसमें कुछ नया नहीं है, उत्तराधिकारी के मसले पर सभी कारोबारी घराने समय-समय पर फैसला लेते रहते हैं। इन फैसलों के जरिए नई पीढ़ी को कारोबार की कमान सौंपी जाती है। पर इसमें खास बात यह है कि पिछले कुछ सालों से इसे कारोबार की आवश्यकता अनुरूप किया जाने लगा है। पहले की तुलना में उत्तराधिकार योजना को अब बड़े कारोबारी रणनीतिक तौर पर ले रहे हैं। बाजार विशेषज्ञ जिमेश शाह बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर भू राजनीतिक बदलावों के कारण कारोबार करने का ढंग बदलता जा रहा है। कारोबार का तेजी से डिजिटलिकरण हो रहा है। एआई के आने से भविष्य में कारोबार की पूरी रुपरेखा में व्यापक परिवर्तन होने के आसार है। ऐसे में बड़े कारोबारी घराने इन आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए युवा वर्ग को सामने रखने की रणनीति अपना रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि आज नहीं तो कल नई पीढ़ी को कारोबार में उतरना है, और अगर अभी से उनके पास बदलावों और उससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने का तजूर्बा होगा तो वे भविष्य में कारोबार को नई ऊंचाइयों पर लेने जाने में सक्षम होंगे।

क्या शेयरधारकों का भरोसा भी है नई पीढ़ी के साथ?

रिर्सच कंपनी सैमको के एनालिस्ट एस स्वामी कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि बड़े कारोबारी घरानों में ही नई पीढ़ी आगे आ रही है। छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों में भी करोबार के लिहाज से नई पीढ़ी का दखल बढ़ रहा है। मुझे लगता है कि नई पीढ़ी अपनी नई दृष्टि, नया जोश और काम करने का नया तरीका साथ लाती है। इससे शेयरधारकों को भी फायदा होता है, और वे भी भरोसे के साथ नई पीढ़ी का समर्थन करते हैं। मैं ऑटोमोबाइल कंपनी टीवीएस का उदाहरण देता हूं जहां अगली पीढ़ी के कार्यभार संभालने के बाद कपंनी की ओर से कई नए मॉडल पेश किए गए। नई पीढ़ी करोबार बढ़ाने की संस्कृति को आगे ले जाते हुए अपने साथ नवाचार भी लाते हैं। कारोबार को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिहाज से यह नई सोच काफी मायने रखती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क मे	कर्क-	04-36 बजे
चंद्र-	धनु मे	सिंह..	06-09 बजे
मंगल	वृष मे	कन्या..	08-16 बजे
बुध-	सिंह मे	तुला...	10-20 बजे
गुरु-	वृष मे	वृश्चिक..	12-30 बजे
शुक्र-	सिंह मे	धनु....	14-44 बजे
शनि-	कुंभ. मे	मकर...	16-52 बजे
राहु-	मीन मे	कुंभ...	18-41 बजे
केतु-	कन्या मे	मीन...	20-20 बजे
		मेष---	21-56 बजे
		वृष--	23-49 बजे
		मिथुन-	01-40 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-02 सूर्यास्त. - 18-38
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- एकादशी 09-40 तक उपरान्त द्वादशी
तिथि- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल , शुक्रवार 16 August
नक्षत्र - मूल 12-43 तक उप पूर्वाषाढा
योग - विष्कुंभ 13-11 तक उप प्रीति
करण- विष्टी 09-40 तक उप गर
विशेष:- पवित्रा ११ व्रतं सर्वे.
व्रत -त्योहार - सिंहेऽर्क १९-४५ से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:45 से 12:20 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:02 - 07:35 शुभ	रोग.	18:38 - 20:05 अशुभ
लाभ	07:35 - 09:10 शुभ	काल.	20:05 - 21:30 अशुभ
अमृत	09:10 - 10:45 शुभ	लाभ.	21:30 - 22:55 अशुभ
काल	10:45 - 12:20 अशुभ	उत्पात	22:55 - 00:20 अशुभ
शुभ	12:20 - 13:55 शुभ	शुभ.	00:20 - 01:45 शुभ
रोग	13:55 - 15:30 अशुभ	अमृत	01:45 - 03:10 शुभ
उत्पात	15:30 - 17:05 अशुभ	चंचल	03:10 - 04:36 शुभ
चंचल	17:05 - 18:38 शुभ	रोग	04:36 - 06:02 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे ।अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा ।बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नहीं कर पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें। आपको किसी बुजुर्ग मित्र या सम्बन्धी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे । आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोइं रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं । आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे । हालांकि,आपको यह सब करते हुए सावधान रहना होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं । आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्वास्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

20 दिन, 328 मौतें, बांग्लादेश में हिंसा की कहानियां

घर में खेल रहे बच्चे को सिर में गोली मारी, प्रोटेस्ट में गया जाहिद लौटा नहीं

ढाका, 15 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 18 जुलाई की बात है। बांग्लादेश में कोटा सिस्टम के खिलाफ प्रोटेस्ट चल रहा था। बांग्लादेश यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले मीर मुग्धो ढाका में प्रोटेस्ट कर रहे स्टूडेंट तक खाना, पानी और बिस्कुट पहुंचा रहे थे। तभी पुलिस ने फायरिंग कर दी। मुग्धो को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। मुग्धो की मौत से स्टूडेंट्स भड़क गए। यहीं से भड़का प्रोटेस्ट शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद ही थमा।

मुग्धो की मौत तो सड़क पर हुई, लेकिन बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के दौरान लोग घरों में भी सेफ नहीं थे। अगली घटना 19 जुलाई की है। शाम के 6 बजे थे। ढाका में प्रोटेस्ट तेज हो रहा था। पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए फायरिंग, टियर गैस इस्तेमाल कर रही थी। उसी वक्त मीरपुर इलाके में शाकिब उर रहमान का परिवार अपने घर में था। बाहर से शोर-शराबे की आवाज आ रही थी। आवाज काफी तेज हो गई, तो शाकिब के भाई खिड़की बंद करने के लिए उठे।

वे खिड़की बंद कर रहे थे कि एक गोली उनके कंधे को छूते हुए शाकिब के 9 साल के बेटे को जा लगी। आंख में घुसी गोली और दिमाग से निकलते हुए दीवार में घुस गई। शफकत के खून के छींटे अब भी खिड़की के पास रखी मेज पर मौजूद हैं। इसी मेज पर बैठकर शफकत पढ़ाई करता था। बांग्लादेश में स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान 4 अगस्त तक 328 लोगों की मौत हुईं। इनमें 9 मासूम बच्चे और 41 स्टूडेंट्स थे। आरोप है कि इनमें से ज्यादातर मौतें पुलिस और फोर्स की फायरिंग की वजह से हुईं।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर एके असॉल्ट राइफल से लेकर चाइनीज असॉल्ट राइफल, शॉटगन और ग्रेनेड लॉन्चर जैसे हथियार इस्तेमाल किए थे। प्रदर्शन के दौरान जान गंवाने वाले कुछ बच्चों और स्टूडेंट्स के परिवार से मुलाकात की। सबसे पहले हम शाकिब उर रहमान के घर पहुंचे। वे ढाका के मीरपुर इलाके में एक बस्ती में रहते हैं। शाकिब और फारिया का 9 साल का एक ही बेटा शफकत था। वो पास के ही एक मदरसे में नूरानी सेकेंड, यानी चौथी क्लास में पढ़ता था।

घर में रखी मेज पर अब भी शफकत के खिलौने, किताबें और एक दूरबीन रखी है। पिता रहमान सिक्योरिटी गार्ड हैं, 15 हजार टका या 10 हजार रुपए सैलरी है। शाकिब का बेटा दुनिया से चला गया। अब हाथ में 10 लाख टका मुआवजे का चेक है। उनकी बीवी फारिया बेटे की मौत के बाद से सदमे में हैं। वे किसी से बात नहीं कर रहीं। उस शाम को याद कर शाकिब की आंखें भर आती हैं। वे कहते हैं, '19 जुलाई की शाम करीब 5 बजे मैं घर पर था। शफकत मां के साथ बाहर गया था। दोनों लौटे तो शफकत ने कहा कि मुझे बाहर खेलने जाना है।' 'तब कर्फ्यू की वजह से सब बंद था। बाहर जाना मना था। मैंने उसे कहा कि घर पर ही रहो। वो घर में ही खेलने लगा। मैं दोस्तों के पास चला गया। पुलिस सड़क पर थी। सब आम दिनों की तरह चल रहा था। तब तक कर्फ्यू भी हमारे लिए रूटीन का हिस्सा हो गया था। हमें नहीं पता था कि एक घंटे में हमारी दुनिया बदल जाएगी।' शाकिब आगे कहते हैं, 'करीब पौने 7 बजे के आस-पास मेरा दोस्त नूर इस्लाम दौड़कर मेरे पास आया। बोला कि तेरा फोन क्यों बंद है। घर चल तेरे बेटे को गोली लगी है। मुझे यकीन नहीं हुआ। मैं जैसे ही घर में दाखिल हुआ, तो टेबल के पास खून ही खून दिखा। मैंने अम्मी से पूछा कि ये क्या हुआ, लेकिन वो बोलने की हालत में नहीं थीं।'

शाकिब कहते हैं, 'मैं हॉस्पिटल की तरफ भागा। वहां पहुंचने पर पता चला कि बेटा अब जिंदा नहीं है। मेरे भाई को कंधे पर गोली लगी है और उसे टांके लगाए जा रहे थे। उस दिन के बाद से मेरा घर सूना पड़ा है। ये सूनापन मुझे परेशान करता है। जिंदगी में खालीपन सा आ गया है।''

'हमने बेटे को दफना दिया। शहर में हालात ठीक नहीं थे। फिर भी हम पुलिस में केस दर्ज कराने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने कहा कि अगर केस दर्ज कराना है, तो जमीन में दफन शफकत की डेडबॉडी बाहर निकालनी होगी।' शाकिब आगे बताते हैं, 'बेटे की मौत के कुछ दिन बाद अवामी लीग के सांसद कमाल अहमद मजूमदार ने मुझे मस्जिद में बुलाया। उन्होंने मेरे घर आने की जहमत भी नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि जब सब ठीक हो जाएगा तो कुछ करेंगे। मुझे पता है कि वो मेरा बेटा नहीं लौटा सकते, इसलिए मुझे उनसे कोई उम्मीद नहीं है। उनके अलावा कोई लीडर हमसे मिलने नहीं आया।'

'28 जुलाई को प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 34 परिवारों को बुलाया था। उन्होंने पीड़ित परिवारों को 10-10 लाख टका का चेक दिया था। वहीं, सरकार की तरफ से हर परिवार को 50 हजार टका कैश दिए गए।' ढाका के जाहिद हुसैन फूल की दुकान पर काम करते थे। घर में पिता जहांगीर आलम, मां राहेला बेगम के साथ दो भाई-बहन हैं। पिता जहांगीर बस में हेल्पर का काम करते हैं। 19 जुलाई को जुमे की नमाज पढ़ने के लिए जाहिद घर से करीब 10 बजे निकला था। उसके कुछ दोस्त प्रोटेस्ट में शामिल थे। वो भी उनके साथ चला गया। घर लौटने के बाद मां ने उसे कमरे में बंद कर दिया था, ताकि वो प्रदर्शन में न जा सके। शाम करीब 5 बजे दरवाजा खोलते ही वो फिर घर से निकल गया। देर शाम फैमिली को पता चला कि गोली लगने से उसकी मौत हो गई है। पिता जहांगीर बताते हैं, 'प्रोटेस्ट में शामिल लोगों ने बताया कि पुलिस फ्लाईओवर से फायरिंग कर रही थी। वहीं से पुलिस ने जाहिद पर भी गोली चलाई। वो गिर गया, तो पुलिस वाले उसके पास आए। पैरों से मारकर देखा कि वो मरा है या नहीं। जाहिद की लाश पड़ी थी, वहां पुलिस किसी भी स्टूडेंट को नहीं जाने दे रही थी।' पुलिस चली गई, तब जाहिद के दोस्त उसे हॉस्पिटल ले गए। हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही जाहिद दम तोड़ चुका था। उसकी मौत के बाद से ही पुलिस ने बड़े भाई राहत को धमकाना शुरू कर दिया। खौफ की वजह से पूरा परिवार गांव चला गया था। अब नई सरकार और पुलिस के काम पर लौटने के बाद फैमिली केस फाइल करेगी।

जाहिद के पिता ने हॉस्पिटल से डेथ सर्टिफिकेट मांगा, लेकिन हॉस्पिटल प्रशासन ने गोली लगने से मौत का सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया। हॉस्पिटल अथॉरिटी का कहना है कि इसमें एक्सीडेंटल डेथ का ही सर्टिफिकेट मिलेगा।

प्रदर्शनकारियों पर असॉल्ट राइफल से फायरिंग

बांग्लादेश में प्रोटेस्ट के वक्त के कई वीडियो सामने आए हैं। उनमें पुलिस प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग करती नजर आ रही है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए घातक हथियारों का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक, 20 जुलाई को सर्कुलेट हुई वीडियो क्लिप में अफसर एके पैटर्न की असॉल्ट राइफल से फायरिंग करते दिख रहे हैं। 7 सेकेंड का ये वीडियो ढाका के पास रामपुरा के डीआईटी रोड का बताया जा रहा है। इसमें एक अन्य अफसर चाइनीज टाइप 56-1 असॉल्ट राइफल से फायर करता दिख रहा है। दूसरी वीडियो क्लिप 19 जुलाई की रामपुरा की है। इसमें पुलिस यूनिफॉर्म में तैनात अफसर 12 गॉग शॉटगन और 37/38 mm ग्रेनेड लॉन्चर लिए नजर आ रहे हैं। इनमें से कुछ अफसर लगातार फायरिंग भी कर रहे हैं।

ब्रिटेन और कनाडा सरकार ने बांग्लादेश में हुई हिंसा और विरोध प्रदर्शनों की यूनाइडेट नेशन से जांच कराने की मांग की है। यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि वे नस्लीय आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में होम अफेयर्स एडवाइजर एम. सखावत हुसैन ने भी माना कि पुलिस लोगों पर ताकत के इस्तेमाल में शामिल थी। वे कहते हैं, 'प्रोटेस्ट के दौरान सिर्फ पुलिसवालों की मौत नहीं हुई है।'

'ऐसे बहुत से केस हैं। 400-500 लोगों की जान गई। मुझे इसका सही-सही नंबर नहीं पता। क्या सभी की जांच नहीं होनी चाहिए। क्या ये इंटरनेशनल क्राइम नहीं है। मुझे लगता है कि हमें सभी मामलों की जांच करनी चाहिए। हमें यूनाइटेड नेशंस से कहना चाहिए कि वे जांच में मदद करे।' बांग्लादेश में प्रोटेस्ट के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हेलिकॉप्टर से फायरिंग करने के भी आरोप लगाए हैं। इसे लेकर ढाका हाईकोर्ट सख्त है। कोर्ट ने बुधवार को एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों पर हेलिकॉप्टर से फायरिंग करने वाले और फायरिंग का ऑर्डर देने वाले सभी क्रिमिनल हैं। एडवोकेट तैमूर आलम खांडेकर ने प्रोटेस्ट के दौरान हुई 9 बच्चों की मौत को लेकर हाई कोर्ट में एक पिटीशन लगाई है। उन्होंने याचिका में बच्चों की मौत की जांच की मांग की है। इस पर कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं से जो भी शख्स जुड़ा है, वो दोषी होगा।

सीएम साय ने रायपुर में फहराया तिरंगा

ली परेड की सलामी, कहा– एक पौधा जरूर लगाएं

रायपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद परेड की सलामी ली। सीएम साय ने आज सवेरे राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में आयोजित स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने प्रदेशवासियों को 78वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

'एक पौधा जरूर लगाएं'

मुख्यमंत्री साय ने कहा जलवायु परिवर्तन को देखते हुए प्रकृति की रक्षा और संरक्षण में योगदान देना हमारा कर्तव्य है, इस दिशा में, मैं सभी से पौधे लगाने का आग्रह करता हूं। जलवायु परिवर्तन के संकट को देखते हुए हम सबका कर्तव्य है कि पर्यावरण को बेहतर बनाने में अपनी भागीदारी दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान आरंभ किया है। मैंने अपने गृह ग्राम बगिया में इस अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधा लगाया है। रायपुर में मुख्यमंत्री निवास में मैंने दहीमन का पौधा लगाया है। आप भी एक पौधा जरूर लगाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनाने के संकल्प में छत्तीसगढ़ प्रभावी भूमिका अदा कर रहा है। हमारी सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को लेकर राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए नई-नई योजनाएं तैयार कर रही है। उन्होंने राज्य की जनता को 78वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों के कठिन संघर्ष और बलिदान से हमें आजादी मिली है। आजादी के लिए हमारे पुरखों ने अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरूद्ध लंबा संघर्ष किया। उनके बलिदान और संघर्षों के फलस्वरूप मिली आजादी को हमें अक्षुण बनाए रखना है। लोकतांत्रिक ताकतों को मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउण्ड में स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह में ध्वजारोहण के बाद प्रदेशवासियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में पूरे देश के स्वाधीनता सेनानियों के साथ ही छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने भारत माता की परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने के लिए जो अनथक मेहनत की, उसके सुखद परिणाम स्वरूप आज हम स्वतंत्र वातावरण में साँस ले रहे हैं। देश के अन्य हिस्सों की तरह छत्तीसगढ़ में शहीद गेंद सिंह, शहीद धुरवा राव, शहीद यादव राव, शहीद वेंकट राव, वीर गुंडाधुर, शहीद डेबरी धुर, शहीद आयतु माहरा, शहीद वीर नारायण सिंह जैसे हमारे अनेक ऐतिहासिक नायकों ने अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेकने के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए जनमानस में स्वाधीनता की अलख जगायी।

गृहमंत्री शर्मा ने किया ध्वजारोहण

दंतेवाड़ा में पहली बार नक्सलगढ़ के बच्चों ने हॉर्स शो दिखाया, तिरंगे में रंगा मां दंतेश्वरी का दरबार

जगदलपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आज स्वतंत्रता दिवस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर में ध्वजारोहण किया। बाग मैदान में उन्होंने परेड की सलामी ली। वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव बस्तर के सुकमा जिला मुख्यालय में तिरंगा फहराया। दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहली बार नक्सलगढ़ के बच्चों ने हॉर्स शो दिखाया।

विदेशी नस्ल के 10 घोड़ों के साथ करतब किए। हाथों में तिरंगा लेकर घोड़ा दौड़ाया। इधर स्वतंत्रता दिवस को लेकर बस्तर के सभी सरकारी दफ्तरों को सजाया गया है। वहीं बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर को तिरंगा रंग में सजाया गया है। रात के वक्त मंदिर की खूबसूरती देखते ही बन रही है।

आठ लोगों की टुकड़ी लेकर नक्सलियों से भिड़े थे शिशुपाल

अब राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित

बालोद, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बालोद जिले के पुरुर थाना प्रभारी शिशुपाल सिन्हा का नाम स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले वीरता के राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए चयनित हुआ है इसके बाद से पूरे जिले भर के पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है शिशुपाल सिंह ने इसके लिए अपने साथ काम करने वाले सभी अधिकारी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया वहीं वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके थाने पहुंचकर उनका उत्साह बढ़ाया पूरे थाने परिसर में मिठाई बांटी जा रही है। शिशुपाल सिंह ने कहा कि यह पुरस्कार उसे घटना के समय की है वर्ष 2021 की जब दरगाह घाटी में हम अपने कुछ साथियों के साथ नक्सलियों से भिड़ चुके थे बैकअप फोर्स आने में समय था पर हम अपने आठ साथियों के साथ नक्सलियों का डटकर सामना करते रहे। निरीक्षक शिशुपाल सिन्हा ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि यह उस 12 साल के सेवा का परिणाम है जो मैंने बस्तर में दिया है वहां पर करने को काफी कुछ होता है नक्सल मूवमेंट होते ही रहता है और हम जान में जोखिम में लेकर नौकरी करते हैं ताकि हमारे क्षेत्रवासी सुरक्षित रह सके बस्तर में ऐसा होते रहता है पर वहां काफी कुछ सीखने को मिलता है जब हम बस्तर में नौकरी कर लेते हैं तो हमें सभी तरह का भैंस समाप्त हो जाता है पुलिस की नौकरी में हमें हमेशा निडर रहने और आम जनता के साथ अपनेपन के भाव के साथ सेवा करने का गुर सिखाया जाता है। शिशुपाल सिंह के नामांकन की सूचना उन्हें कुछ देर पहले ही मिली हुई थी हम उनसे मिलने पहुंचे तो उन्होंने बताया कि जी के लिए वीरता पुरस्कार के लिए मेरा नामांकन हुआ है वह घटना 30 जून 2021 की है हमे सूचना मिली थी की झीरम घाटी के पास नक्सलियों की टोली आई हुई है इसके एक सप्ताह पहले ही वहां पर घटना हुई थी जिसमे 3 माओवादियों को मारा गया था, इसके बाद नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिल रही थी जिस पर हमारे पास आठ लोगों की छोटी टुकड़ी थी जिसे हम लेकर निकले हुए थे बाद में फोर्स भेजा जा रहा था पुलिस अधीक्षक के द्वारा पर जिस साहस से आठ लोगों की टीम ने माओवादियों का सामना किया और वहां पर सफलता हासिल की वह काबिले तारीफ थी उसे समय आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया था और आज 3 साल बाद मुझे राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

अक्टूबर तक 35 हजार पदों पर भर्तियां होंगी

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बोले मुख्यमंत्री सोरेन

रांची, 15 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को कहा कि इस साल अक्तूबर तक 35 हजार पदों पर भर्तियां पूरी कर ली जाएंगी। मुख्यमंत्री रांची के मोराबाड़ी मैदान में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में बोल रहे थे।

सोरेन ने कहा, प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल में हजारों भर्तियां की हैं। उन्होंने कहा, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के जरिए आबकारी कांस्टेबल, कांस्टेबल, सहायक प्रोफेसर और महिला पर्यवेक्षकों सहित 35 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जो अक्तूबर 2024 तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा, राज्य में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए पांच औद्योगिक इकाइयों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये इकाइयां करीब 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करेंगे और 6,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाकर दो लाख से ज्यादा युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में प्रत्येक गांव और घर तक पहुंचकर उनके मुद्दों को हल करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, हमने समाज के हर वर्ग की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नीतियां और योजनाएं बनाईं और उनका क्रियान्वयन किया। सोरेन ने किसी का नाम लिए बगैर विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, निहित स्वार्थों से प्रेरित कुछ विकास विरोधी ताकतों ने राज्य के विकास की राह में बाधा पैदा करने की नापाक कोशिशें कीं। लेकिन लोगों के भरोसे के कारण हमने हर चुनौती का सामना किया और विरोधी अपने मंसूबों में कामयाब न हो सके।

29 भाजपा नेताओं को बड़ी राहत

सचिवालय घेराव मामले में भाजपा नेताओं को राहत हाईकोर्ट ने रद्द की प्राथमिकी

रांची, 15 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित 29 भाजपा नेताओं को बड़ी राहत दी है। जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी भाजपा नेताओं के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी। अदालत ने पूर्व में सुनवाई के दौरान आरोपी नेताओं पर पीड़क कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। मालूम हो कि भाजपा की ओर से राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के विरोध में पिछले वर्ष सचिवालय मार्च किया गया था।

खनन रॉयल्टी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सीएम हेमंत सोरेन खुश

कहा– यह हमारी ऐतिहासिक और बड़ी जीत

रांची, 15 अगस्त (एजेंसियां)। खनन रॉयल्टी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह हमारी ऐतिहासिक और बड़ी जीत है। इस फैसले के बाद झारखंड को केंद्र सरकार से बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। दरअसल 25 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने खनिज समृद्ध राज्यों को केंद्र सरकार और खनन कंपनियों से एक अप्रैल 2005 से अब तक की बकाया खनन रॉयल्टी वसूलने की अनुमति दी है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि खनिज अधिकारों पर कर लगाने की विधायी शक्ति राज्यों के पास है, न कि संसद में। इस फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते हुए हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट किया कि हमारी मांग सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से सफल हो गई। अब झारखंड को केंद्र से उसका बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये मिलेगा। सरकार हर झारखंडी के बकाया और अधिकार को लेकर लगातार आवाज उठाती रही है। उन्होंने कहा कि 2005 से

खनिज रॉयल्टी का बकाया भुगतान किया जायेगा। यह भुगतान 12 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इस पैसे का उपयोग जन कल्याण के लिए किया जाएगा और झारखंड के प्रत्येक निवासी को इसका पूरा लाभ मिलेगा। खनन रॉयल्टी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के फैसले के संभावित प्रभाव के बारे में दलील खारिज की जाती है। पीठ में न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, अभय एस ओका, बीवी नागरत्ना, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश चंद्र शर्मा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि पिछले बकाये के भुगतान पर शर्तें होंगी। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस फैसले पर पीठ के आठ न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिन्होंने 25 जुलाई के फैसले को बहुमत से तय किया था, जिसमें राज्य को खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार दिया गया था।

उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति नागरत्ना बुधवार के फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी, क्योंकि उन्होंने 25 जुलाई के फैसले में असहमति जताई थी।

आठ दिन बंद रहेंगे सरकारी दफ्तर

15 अगस्त से हॉलिडे की है लंबी लिस्ट, 6 दिन बैंक भी बंद

रायपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अगस्त महीने में आपको सरकारी दफ्तर या बैंक से जुड़े जरूरी काम के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि छुट्टियों की लंबी लिस्ट है। छत्तीसगढ़ में रविवार के साथ ही शनिवार भी सरकारी दफ्तरों में अवकाश रहता है। इस तरह 8 दिन सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। वहीं, दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक हॉलिडे भी होता है। इस हिसाब से अगस्त महीने में 15 अगस्त के बाद से दफ्तरों में छुट्टियां ही छुट्टियां हैं। हो सकता है कुछ काम आपके 20 अगस्त के बाद ही हो पाए। हालांकि 16 अगस्त को कोई सरकारी छुट्टी नहीं है, लेकिन इस बीच अगर कोई सरकारी अधिकारी छुट्टी में रहते हैं तो काम अटक सकता है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नेशनल हॉलिडे है। 17 को शनिवार और 18 रविवार को छुट्टी रहेगी। 19 तारीख को रक्षाबंधन का पर्व है। इस तरह 20 अगस्त सुबह साढ़े 10 बजे तक सरकारी कामकाज नहीं हो पाएंगे। 15 अगस्त के बाद से बैंक भी 6 दिन बंद रहेंगे। 15, 18 और 19 को बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद फिर अगले हफ्ते लगातार 3 दिन, 24 अगस्त शनिवार और 25 अगस्त को रविवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले महिलाओं के खाते में आएंगे 1000 रुपये

सीएम हेमंत पाकुड़ से मंईयां सम्मान योजना की करेंगे शुरुआत

रांची, 15 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रक्षाबंधन के एक दिन पहले 18 अगस्त को मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ करेंगे। सीएम पाकुड़ जिले में महिला लाभुकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से एक हजार रुपए की सम्मान राशि ट्रांसफर कर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ करेंगे। इसे लेकर मुख्यमंत्री ने 15 अगस्त को छुट्टी के दिन भी वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। सीएम हेमंत सोरेन ने बताया कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत 15 अगस्त दोपहर 12 बजे तक रिकॉर्ड 26 लाख 70 हजार महिलाओं की ओर से पंजीयन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि अब तक 20 लाख 40 हजार बहनों के पंजीयन को सत्यापित भी किया जा चुका है। इसके अलावा राज्य सरकार ने पूरे राज्य में जो कैंप 15 अगस्त तक चलने वाली थी, अब वो 18 अगस्त तक चलेगी। साथ ही प्रज्ञा केंद्रों में कभी भी आवेदन किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए जो महिलाएं आवेदन कर रहीं हैं, आवेदन की प्राप्ति जानकारी एसएमएस के माध्यम से दें। इसके साथ ही स्वीकृति के साथ चयनित लाभुकों को उनके बैंक खाते में सम्मान राशि हस्तांतरित किए जाने की जानकारी एसएमएस के माध्यम से दें, ताकि उनको यह पता चल सके कि राज्य सरकार की ओर से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि उनके बैंक खाते में डाली जा चुकी है।

आकाशीय बिजली से तीन हॉकी खिलाड़ी की मौत, 5 घायल

सिमडेगा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र में बुधवार को आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में 8 हॉकी खिलाड़ी आ गए। इसमें तीन खिलाड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच खिलाड़ी घायल हुए हैं। घटना टूटीकेल पंचायत के झपला की है। हॉकी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए खिलाड़ी एक जगह तैयार होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी खिलाड़ी पेड़ के नीचे आ गए। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी। मृतक खिलाड़ी की पहचान सेनंन डांग, निर्मल होरो और अनीस के रूप में की गई है। वहीं, क्लेमेंट बागे, जैलेश बागे, सलीम बागे, पतरस बागे और पतिराम बागे गंभीर रूप से घायल है। घायलों को आनन फानन में कोलेबिरा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

शेख हसीना के समर्थकों को छात्रों ने पीटा

मुजीबुर्रहमान की बरसी मनाने आए थे, पूर्व पीएम पर अब नरसंहार का केस दर्ज

ढाका, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में गुरुवार को अवामी लीग के कार्यकर्ताओं पर हमले हुए। ये सभी देश के पहले राष्ट्रपति और हसीना के पिता शेख मुजीबुर्रहमान की बरसी मनाने के लिए इकट्ठा हुए थे।

15 अगस्त 1975 को शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से हर साल इस तारीख को उन्हें बड़े पैमाने पर श्रद्धांजलि दी जाती रही है। झड़पों के डर से कई लोग घरों के अंदर ही रहे और शहर भर में दुकानें बंद रहीं। इस बार शेख मुजीबुर्रहमान को श्रद्धांजलि देने आए आवामी लीग के समर्थकों पर छात्रों ने लाठियों से हमला किया। सैकड़ों छात्र ढाका में मुजीब के पुराने घर के पास सड़कों पर घूम रहे थे और राहगीरों की पहचान कर थे। संदिगंध नजर आने वालों पर वो हमले कर रहे थे। इसके बाद उन्हें पकड़कर सेना के हवाले कर रहे

थे। एक दिन पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 15 अगस्त की छुट्टी कैंसिल कर दी थी।

हसीना के खिलाफ इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल में नरसंहार का मुकदमा

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध करने को लेकर केस दर्ज हुआ है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में इसकी जांच कराएगी। अंतरिम सरकारी कानूनी सलाहकार प्रो. आसिफ नजरुल ने कहा कि शेख हसीना पर कमान देने की जिम्मेदारी थी, इसलिए छात्र आरक्षण विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों में उनकी भूमिका की जांच की जाएगी। ट्रिब्यूनल के डिप्टी डायरेक्टर अताउर रहमान ने कहा कि शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच शुरू हो गई है। जांच पूरी होने पर हम अगली प्रक्रिया के लिए ट्रिब्यूनल के चीफ प्रोसिक्यूटर ऑफिस को रिपोर्ट सौंपेंगे। बांग्ला अखबार डेली स्टार के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस की गोलीबारी में मारे गए स्टूडेंट के पिता ने केस दर्ज कराया है। 9वीं कक्षा के स्टूडेंट आरिफ अहमद की 5 अगस्त को प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली लगी थी। 2 दिन बाद उसकी मौत हो गई। हसीना सरकार में गृहमंत्री रहे असदुज्जमान खान और अवामी लीग के महासचिव ओबेदुल कादर सहित दर्जनों मंत्रियों और अफसरों पर भी इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल में आरोप लगाए गए हैं। इन सभी पर मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप हैं।

शेख हसीना पर 2 दिन में 3 केस दायर किए गए हैं। इससे पहले मंगलवार को हसीना पर हत्या का केस दर्ज हुआ था। आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान 19 जुलाई को पुलिस फायरिंग में एक दुकानदार अबु सैयद की मौत हो गई थी। इसमें हसीना के साथ 6 और लोगों को आरोपी बनाया गया।

भारत-ब्रिटेन में दिवाली तक फ्री ट्रेड डील की उम्मीद

लेबर सरकार कई मुद्दों पर सहमत, पहली बार 20 हजार भारतीयों को अस्थायी वीजा देगा

लंदन, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के लिए जरूरी मुद्दों पर लगभग सहमति बन गई है। एफटीए से भारत को बड़ा फायदा होने वाला है। पहली बार हर साल लगभग 20 हजार भारतीयों को अस्थायी वीजा मिलेगा। ये वीजा भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स को मिलेगा। इससे भारतीय पेशेवर ब्रिटेन में 2 महीने से एक साल तक काम कर पाएंगे। भारत लंबे समय से ब्रिटेन से एफटीए के लिए वीजा कानून में ढील देने की मांग कर रहा था। सुनक सरकार के साथ भारत की बात नहीं बन पाई क्योंकि वे इस पर सहमति नहीं बना पा रहे थे। दरअसल, कंजरवेटिव पार्टी की प्रवासी विरोधी नीतियों के कारण भारतीय पेशेवरों को वीजा में छूट देने का विरोध किया जा रहा था।

अब कीर स्टार्मर की लेबर सरकार ने वीजा को लेकर भारत की मांग मान ली है। ब्रिटेन की नई सरकार के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने हाल में भारतीय पक्ष के

साथ 14 वें दौर की बातचीत की। ब्रिटेन- भारत बिजनेस काउंसिल के एमडी केविन मैकोल के अनुसार इस साल एफटीए पर मुहर लग जाएगी। ऐसी संभावना है कि दिवाली तक एफटीए लागू हो जाएगा। ब्रिटेन में जाने वाले स्किल्ड प्रोफेशनल्स (कुशल पेशेवर) की संख्या में भारतीय आगे थे। ब्रिटेन ने पिछले साल 50 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को वीजा जारी किया था। भारतीय की मांग है कि पांच साल के लिए दिए जाने वाले स्किल्ड प्रोफेशनल्स कैटेगरी के साथ-साथ अस्थायी वीजा भी जारी किए जाएं। इससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा। अस्थायी वीजा जारी नहीं करने की वजह से भारतीय प्रोफेशनल्स के अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का रुख करने लगे हैं। इसे रोकने के लिए ब्रिटेन, भारत की शर्त मानने को राजी हो गया।अस्थायी वीजा पर भारतीयों को एक लाख रुपए की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) फीस से भी छूट दी गई है। ब्रिटेन में रहने वाले लोगों को एनएचएस टैक्स देना होता है।

ब्रेग्जिट के बाद ब्रिटेन के लिए जरूरी है भारत के साथ एफटीए

ब्रिटेन के 2016 में यूरोपीय यूनियन (ईयू) छोड़ने के बाद से बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ एफटीए जरूरी है। ब्रिटेन ने अब तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए किया है। कनाडा के साथ बातचीत चल रही है। भारत एक बड़ा बाजार है, इसलिए ब्रिटेन भारत के साथ एफटीए डील करना चाहता है।

डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स को ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया

दो साल में दूसरी बार किया ऐलान, इसमें शरीर पर मवाद भरे घाव हो जाते हैं

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को एमपाक्स यानी मंकीपॉक्स को ग्लोबल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है। यह दो साल में दूसरी बार है जब इस बीमारी को हेल्थ इमरजेंसी बताया गया है। कांगो में इस बीमारी का प्रकोप फैला हुआ है, जिसकी चपेट में पड़ोसी देश भी आ गए हैं।

मंकीपॉक्स चेचक जैसी एक वायरल बीमारी है। आमतौर इस वायरस से संक्रमण के ज्यादा दुष्प्रभाव नहीं होते हैं, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह घातक हो सकता है। इसके चलते फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं और शरीर पर मवाद से भरे घाव हो जाते हैं। यह वायरस ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस फैमिली का ही मेंबर है, जो चेचक (स्मालपॉक्स) के लिए भी जिम्मेदार है।

डब्ल्यूएचओ इसलिए भी चिंतित है क्योंकि मंकीपॉक्स के

अलग-अलग प्रकोप में मृत्यु दर अलग-अलग देखी गई है। कई बार तो यह 10% से भी अधिक रही है। यह इसलिए अधिक खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि यह संक्रामक बीमारी है। इसलिए डब्ल्यूएचओ ने इसे लेकर सबसे उच्च स्तर का अलर्ट जारी किया है। अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) के मुताबिक इस साल अब तक अफ्रीकी महाद्वीप पर एमपाक्स के 17,000 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जबकि 517 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। पिछले साल इसी अवधि की तुलना में इस साल मामलों में 160% की बढ़ोतरी हुई है। कुल मिलाकर 13 देशों में एमपाक्स के मामले दर्ज किए गए हैं। कांगो में प्रकोप की शुरुआत एक स्थानिक प्रकार के फैलाव से हुई, जिसे क्लेड-I के नाम से जाना जाता है। लेकिन एक नए स्ट्रेन क्लेड-Ib सामने आया है जो नॉर्मल कॉन्टैक्ट से आसानी से फैलता है। इसमें सेक्शुअल कॉन्टैक्ट भी शामिल है। यह कांगो के पड़ोसी देशों जैसे कि बुरुंडी, केन्या, रवांडा और युगांडा में फैल गया है। इसके चलते डब्ल्यूएचओ को यह एक्शन लेना पड़ा।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयसस ने कहा कि यह साफ है कि इस बीमारी को फैलने से रोकने और जान बचाने के लिए दुनिया को मिलकर कोशिश करनी होगी। इस हफ्ते की शुरुआत में अफ्रीका की टॉप पब्लिक हेल्थ बॉडी ने अफ्रीका में एमपाक्स आपातकाल घोषित किया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि यह वायरल इंफेक्शन खतरनाक दर से फैल रहा है।

सीआरपीएफ ने मनाया 78वां स्वतंत्रता दिवस

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के विभूति खण्ड, गोमती नगर में स्थित मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 15 अगस्त 2024 को देश की आजादी के 77 वर्ष पूरे होने के पुनीत अवसर पर 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे जोश, हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। सीआरपीएफ के महानिरीक्षक एन के सिंह ने ध्वाजारोहण किया तथा बल के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। महानिरीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा देश आजादी का महोत्सव मना रहा है और हर घर पर अपनी आन-बान शान के साथ देश की सम्प्रभुता का प्रतीक तिरंगा लहराया जा रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व का पल है। उन्होंने आगे कहा कि सीआरपीएफ काफी पुराना संगठन होने के साथ ही सबसे बड़ा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल भी है तथा हमें देश की आंतरिक सुरक्षा एवं शांति को सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस

बल के शौर्य तथा बलिदान की कहानियाँ इतिहास के पन्नों में अंकित हैं। भारत की जनता इस बल पर पूरा भरोसा करती है। दुनिया में ऐसा और कोई बल नहीं है जो कि इतना बहुआयामी है। आज हमारा देश मुख्यतः वामपंथ उग्रवाद, अलगावाद, आतंकवाद, साम्प्रदायिकता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल देश में शान्ति, एकता और अखण्डता को बनाये रखने में आजादी से लेकर आज तक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि वर्तमान में सीआरपीएफ, जम्मू एवं कश्मीर, वामपंथ उग्रवादग्रस्त क्षेत्रों तथा पूर्वोत्तर में सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है तथा इसके साथ-साथ इसके विभिन्न सक्रिय कार्य दलों जैसे रैपिड एक्शन फोर्स, कोबरा, स्पेशल ड्यूटी ग्रुप एवं महिला बटालियनों ने अपनी व्यवसायिक दक्षता से देश की हर चुनौतियों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ सामना किया है तथा अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। अपने ओजस्वी भाषण में उन्होंने बल के सदस्य के रूप में सभी अधिकारियों एवं जवानों को संकल्प लेने का आह्वान किया कि देश की स्वतन्त्रता, एकता अखण्डता तथा समाजिक सद्भाव के रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी उसका डटकर मुकाबला करेंगे तथा असामाजिक तत्वों को उनके मनसूबों में कभी भी कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केन्द्रीय पुलिस बलों को प्रदान किए जाने वाले वीरता पदकों में सबसे अधिक पदक सीआरपीएफ को ही प्राप्त होते हैं, इससे हमें स्वतः ही सीआरपीएफ की कार्यदक्षता, वीरता एवं कर्तव्यनिष्ठा तथा अदम्य साहस की अनुभूति होती है। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंत्रालय एवं महानिदेशालय के निर्देश पर पूरे सेक्टर में हर घर तिरंगा का अभियान चलाया गया है। इसके तहत मध्य सेक्टर के अधीन सीआरपीएफ परिवार के सभी सदस्यों ने अपने-अपने घरों पर देश की आन-बान एवं शान के प्रतीक तिरंगे को लहराया है तथा तिरंगे के साथ बाईक रैली का भी आयोजन किया गया है। महानिरीक्षक ने पदक विजेताओं के नाम पढ़े तथा कहा कि यह अत्यंत गर्व का पल है कि सीआरपीएफ को कई शौर्य चक्र एवं वीरता पदकों से नवाजा गया है। महानिरीक्षक ने सभी पदक विजेताओं को और उनके परिवारीजनों को बधाई दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

युद्ध विराम के लिए नए दौर की शांति वार्ता

अब तक 40 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की जा चुकी जान

दोहा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के हिंसक संघर्ष की मार झेल रहे गाजा में अभूतपूर्व मानवीय संकट को दूर करने के मकसद से अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के प्रयास जारी हैं। बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और 10 महीने से अधिक समय से जारी इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करने के मकसद से गुरुवार को वार्ता के नए दौर के लिए सहमति बनी। बता दें कि बीते 10 महीने से जारी गोलीबारी के दौरान अब तक 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मानवीय त्रासदी पर अमेरिका, कतर और मिस्र जैसे देश चिंता जता चुके हैं। हिंसक संघर्ष में फलस्तीन की जनता सबसे अधिक प्रभावित हुई है। फिलिस्तीनी लोगों को राहत पहुंचाने के मकसद से अमेरिका, कतर और मिस्र के मध्यस्थ इजरायली प्रतिनिधिमंडल से मिलने वाले हैं। हालांकि, हमास ने यह साफ नहीं किया है कि वह युद्धविराम की ताजा कवायद और शांति वार्ता का हिस्सा बनेगा या नहीं।

रूस में भारतीयों के लिए सरकार की एडवाइजरी

मास्को, 15 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस के बीच जंग एक बार फिर तेज हो गई है। भारतीय दूतावास ने रूस में रह रहे अपने नागरिकों के लिए बुधवार को एडवाइजरी जारी की। बेलगोरोद, कुर्स्क और ब्रायंस्क क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागिरकों को ये इलाका छोड़कर सुरक्षित जगह जाने को कहा गया है। भारतीय दूतावास ने भारतीयों से कहा कि वे किसी भी मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दूतावास ने एक ई-मेलedu1.moscow@mea.gov.in जारी किया है। एक हेल्पलाइन टेलीफोन नंबर +7 9652773414 भी जारी किया गया है। रूस और यूक्रेन में जंग के करीब ढाई साल पूरे हो गए हैं। अभी तक यह जंग किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। पहली बार यूक्रेनी सैनिक रूसी इलाके में घुस गए हैं। रूस में बोलोगोरोद में भी आपातकाल घोषित कर दिया है। इससे पहले 8 अगस्त को कुर्स्क में इमरजेंसी लगाई गई थी। बेलगोरोद के गवर्नर ने कहा है कि यूक्रेन सेनी की बमबारी के कारण घर बर्बाद हो रहे हैं और आम लोगों की जान जा रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि यूक्रेनी सेनाएं रूसी क्षेत्र में रोज 2 से 3 किमी आगे बढ़ रही हैं। हमने कुर्स्क में बहुत मजबूत पोजिशन हासिल कर ली है। उन्होंने ये भी कहा कि यूक्रेनी सेना ने कुर्स्क में एक रूसी एसयू-34 जेट को मार गिराया है। जेलेंस्की ने मंगलवार को दावा किया था कि यूक्रेन ने 74 रूसी गांव पर कब्जा कर लिया है।

बंटवारा नहीं होता तो कैसा होता भारत

चीन 29 साल पहले आबादी में पिछड़ जाता पाकिस्तान से 4 जंग में 9 हजार जवान शहीद नहीं होते

इस्लामाबाद, 15 अगस्त (एजेंसियां)। "मैंने तो लाहौर भारत को दे दिया था, लेकिन तभी मुझे अहसास हुआ कि पाकिस्तान के पास कोई बड़ा शहर नहीं है। मैं कलकत्ता पहले ही भारत को दे चुका था। इसलिए मुझे लाहौर पाकिस्तान को देना पड़ा।" भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारे की लाइन खींचने वाले सिरिल रेडक्लिफ ने एक इंटरव्यू के दौरान यह बात कही थी। भारत के आखिरी वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने पहली बार आजादी से करीब ढाई महीने पहले जून 1947 में जवाहरलाल नेहरू को बंटवारे का प्लान दिखाया था। नेहरू प्लान से जुड़े कागजात अपने कमरे में ले आए थे। जिस दस्तावेज में देश का भविष्य कैद था उसके एक-एक पन्ने के हर शब्द को ध्यान से पढ़ा। हर एक वाक्य के साथ उनकी बेचैनी बढ़ रही थी। उनकी कल्पना का भारत उनके सामने कई टुकड़ों में दिख रहा था। प्लान में लिखा था कि भारत के 565 प्रिंसली स्टेट चाहें तो स्वतंत्र रह सकते थे। उन पर भारत और पाकिस्तान में शामिल होने की पाबंदी नहीं होगी। नेहरू सीधा अपने भरोसेमंद साथी कृष्ण मेनन के पास पहुंचे। प्लान को मेनन के बेड पर फेंका और चिल्लाते हुए कहा- सब खत्म हो गया। इसके बाद एक नया ड्राफ्ट बनाया गया, जिसने भारत के विभाजन का खांका खींचा। 1947 में देश के बंटवारे से बने भारत और पाकिस्तान और 24 साल बाद 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर बना बांग्लादेश। यह बंटवारा उसी तरह का था, जैसा दो भाइयों के बीच होता है। जमीनें बंटी और इसके साथ-साथ घर का सामान भी बंटा। इसमें पैसों से लेकर सोने की बग्घियां और जानवर तक शामिल थे। लेकिन यह विभाजन नहीं होता तो आज भारत किस रूप में होता? बंटवारे में 10 लाखों लोगों ने दम नहीं तोड़ा होता। पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत का हिस्सा होते।

भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजन नहीं होता तो दोनों देशों में कश्मीर को लेकर इतना बड़ा विवाद नहीं होता। दरअसल, पाकिस्तान हमेशा से मुस्लिम बहुल आबादी वाले कश्मीर को अपना हिस्सा बताता है। वहीं जब जम्मू-कश्मीर भारत में शामिल हुआ था तो उसे आर्टिकल 370 के रूप में विशेष राज्य का दर्जा दिया गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच यह विवाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चौखट तक जा चुका है। पाकिस्तान बार-बार यूएन में कश्मीर का मुद्दा उठाता रहता है। वहीं भारत बाकी सभी देशों को हमारे आंतरिक मामलों से दूर रखने की सलाह देता है। भारत सरकार ने 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 भी खत्म कर दिया था, जिसका पाकिस्तान ने कड़ा विरोध किया था। अगर विभाजन नहीं होता तो पाकिस्तान आतंकियों का गढ़ नहीं बनता। इसके बाद भारत में 2001 के संसद हमले और 26/11 मुंबई अटैक जैसे आतंकी हमले नहीं होते। वहीं भारत दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश बन जाता।

पूर्व पीएम शिनावात्रा की बेटी बन सकतीं हैं थाईलैंड की नई प्रधानमंत्री

बैंकॉक, 15 अगस्त (एजेंसियां)। थाईलैंड में नए प्रधानमंत्री के चुनने के लिए फू थाई पार्टी को गुरुवार अपने गठबंधन के साझेदारों का समर्थन मिला। अब पार्टी के दो उम्मीदवारों में से एक को नए प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया जाएगा। आपको बता दें कि इससे ठीक एक दिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री श्रेत्था थाविसिन को कानून के उल्लंघन के आरोप में पद से हटाया गया है। अदालत ने यह आदेश जारी किया था। फू थाई पार्टी के महासचिव सॉरावोंग थियंटोंग ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ता दिन के आखिर में नए प्रधानमंत्री के नामांकन के लिए बैठक करेंगे। इसके बाद नए पीएम के चुनाव के लिए मतदान होगा।

इससे पहले फू थाई पार्टी के श्रेत्था थाविसिन को बुधवार को पद से हटाया गया। बताया गया है कि अदालत ने श्रेत्था को एक कैबिनेट सदस्य की नियुक्ति के मामले में नियमों के उल्लंघन को लेकर दोषी करार दिया था। एक सप्ताह के भीतर अदालत ने दो ऐसे निर्णय लिए हैं, जिनसे थाईलैंड की राजनीति में उथल-पुथल मच गई। पिछले सप्ताह भी अदालत ने एक बड़ा फैसला लिया था। अदालत ने प्रगतिशील और मुख्य विपक्षी दल मूव फॉरवर्ड पार्टी को भंग कर दिया था।

मुइज्जू का दिखा भारत प्रेम

मालदीव के राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता दिवस पर भेजा संदेश

माले, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक बार फिर नई दिल्ली के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया है। मुइज्जू ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर बधाई संदेश भेजा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बधाई संदेश में मालदीव के राष्ट्रपति ने कहा, 'भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं।' नई दिल्ली और माले के रिश्तों का मजबूत रिश्ते का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'इतिहास में निहित हमारी स्थायी मित्रता, मालदीव और क्षेत्र में समृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए विकसित हुई है। जैसा हम भविष्य में देखते हैं, मुझे विश्वास है कि हमारी साझेदारी मजबूत होती रहेगी, जिससे आपसी समृद्धि और साझा लक्ष्य प्राप्त होंगे।'

मुइज्जू के आने के बाद रिश्तों में तनाव

साल 2023 के आखिर में चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू के मालदीव का राष्ट्रपति बनने के बाद माले और नई दिल्ली के रिश्तों में तनाव आ गया था। राष्ट्रपति चुनाव में इंडिया आउट अभियान चलाने वाले मोहम्मद मुइज्जू ने देश की बागडोर संभालने के बाद ही मालदीव में भारतीय सैनिकों का मुद्दा उठाया था। ये सैन्यकर्मी भारत की तरफ से दिए गए विमान और एयरक्राफ्ट के संचालन में सहायता के लिए मालदीव में मौजूद थे। इसके बाद

सैन्य कर्मियों की जगह भारत ने नागरिक कर्मियों की तैनाती की थी। राष्ट्रपति बनने के बाद से ही मुइज्जू ने भारत विरोधी रुख अपनाया था। हालांकि, हाल ही में मुइज्जू के रुख में काफी परिवर्तन देखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में मुइज्जू भी शामिल हुए थे। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा थी। मई महीने में मुइज्जू के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने भारत की यात्रा की थी। इसे मुइज्जू सरकार का भारत से रिश्ते सुधारने को लेकर संकेत के रूप में देखा गया। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 9-12 अगस्त तक तीन दिवसीय यात्रा पर माले गए थे। इस दौरान मालदीव की मुइज्जू सरकार ने उनका भव्य स्वागत किया था। जयशंकर से मुलाकात के दौरान मुइज्जू ने भारत के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया कहा था। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की माले यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया था।

तानाशाह किम जोंग उन के काफिले में शामिल हुई लेटेस्ट लग्जरी कार

कीमत कर देगी हैरान, यूएन का प्रतिबंध भी बेअसर

प्योंगयांग, 15 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया में लोगों की जिंदगी चाहे जितनी बदहाल हो लेकिन तानाशाह किम जोंग उन की लग्जरी लाइफ स्टाइल को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है। उत्तर कोरियाई नेता के प्रीमियम गाड़ियों की लिस्ट में एक नई लग्जरी कार शामिल हुई है। इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर किम जोंग की बख्तरबंद ट्रेन से मर्सिडीज के नए लग्जरी मॉडल को निकलते देखा गया। दिलचस्प बात ये है कि किम के काफिले में ये कार तब शामिल हुई है, जब संयुक्त राष्ट्र ने लग्जरी कारों के उत्तर कोरिया बेचने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। किम के काफिले में मर्सिडीज मेबैक जीएलएक्स-600 के शामिल होने

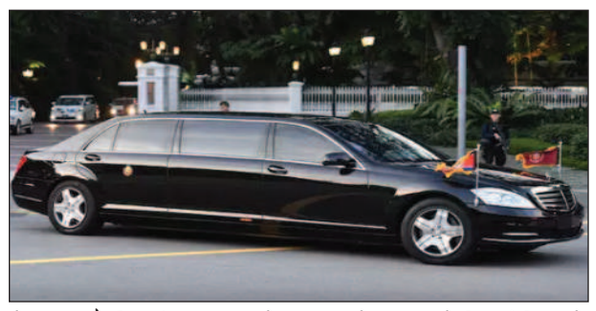

से साफ है कि संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध उत्तर कोरिया पर बेअसर हैं। 9 अगस्त को उत्तर कोरिया के नेता अपनी विशेष ट्रेन से बाढ़ प्रभावित उत्तरी फ्योंगान प्रांत पहुंचे थे। यहां उन्होंने ट्रेन से लोगों को संबोधित किया। उत्तर कोरियाई मीडिया में साझा की गई तस्वीरों में वह मर्सिडीज मैबैक जीएलएस 600 के पास खड़े दिखाई दिए, जो अप्रैल में दक्षिण कोरिया में लॉन्च की गई कार के फेसलिफ्टेट वर्जन का टॉप मॉडल है। अमेरिका में इस कार की कीमत 175,000 डॉलर से लेकर 227,000 डॉलर (करीब 1.9 करोड़ रुपये) है। 40 वर्षीय उत्तर कोरियाई तानाशाह के पास लग्जरी कारों का एक बेड़ा है। उनके कलेक्शन में रोल्स रॉयस फैंटम, मर्सिडीज-मेबैक एस600 गार्ड, पांचवीं पीढ़ी की अमेरिका निर्मित कैडिलेक एस्केलेड और लेक्सस बख्तरबंद वाहन शामिल हैं। यह तब है जब संयुक्त राष्ट्र ने उत्तर कोरिया पर ऑटोमोबाइल समेत लग्जरी सामान खरीदने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रम को नियंत्रित करने के उद्देश्य से पश्चिमी देशों ने प्योंगयांग पर कड़े प्रतिबंध लागू किए हैं। प्रतिबंधों का उद्देश्य उत्तर कोरियाई सरकार के लिए उपलब्ध संसाधनों को सीमित करना है, जिनका इस्तेमाल सामूहिक विनाश के हथियार विकसित करने के लिए किए जा सकते है।

78वें स्वतंत्रता दिवस पर समारोह का भव्य आयोजन

सीएम बोले- प्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएं

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने इस अवसर पर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया और आजादी के लिए सर्वस्व समर्पण करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों के माध्यम से प्रदेश के हर क्षेत्र में समृद्धि लाने के लिए कार्य कर रही है और पिछले आठ माह के अल्प समय में प्रदेश के विकास के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। उन्होंने हर नागरिक से प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि

हम सभी मिलकर राजस्थान को प्रगति की नई ऊचाईयों पर ले जाने के लिए कार्य करें।

शर्मा ने सरकार की उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में सड़कों का मजबूत नेटवर्क विकसित करने जा रही है। इसके लिए आगामी पांच वर्षों में 60 हजार करोड़ रूपये खर्च कर 53 हजार किलोमीटर लम्बाई का सड़क तंत्र विकसित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अटल प्रगति पथ के निर्माण से लेकर शहरों को जोड़ने के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बनाने सहित उपखण्ड, पंचायत समिति व तहसील मुख्यालय को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए टू-लेन सड़क बनाने जैसे कार्य किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन में लगभग 20 हजार 370 करोड़ रुपये की लागत से 6 वृहद पेयजल परियोजनाओं का कार्य किया जाएगा। इस वर्ष 15 हजार करोड़ रुपये व्यय कर 25 लाख ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, अमृत 2.0 योजना में 183 शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए 2 वर्षों में लगभग 5 हजार 180 करोड़ रुपये के कार्य किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में असीम संभावनाएं हैं। इसी क्रम में 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत प्रत्येक जिले में 'आदर्श सौर ग्राम' स्थापित किए जाएंगे। ऊर्जा क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न पीएसयू के साथ 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं। इनमें से चार परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कैबिनेट की मंजूरी भी प्रदान कर दी गई है।

शर्मा ने कहा कि सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दूरदर्शी नीतियों और योजनाओं पर फोकस कर रही है। राजस्थान को निवेश का हब बनाने के लिए 9 से 11 दिसंबर तक 'राइजिंग राजस्थान' का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने के लिए भी कई नवाचार कर रही है। नयी पर्यटन नीति, राजस्थान पर्यटन विकास बोर्ड का गठन करने के साथ ही राजस्थान टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कैपेसिटी बिल्डिंग फंड के माध्यम से 5 हजार करोड़ से अधिक के कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के कार्य समय पर हों, उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें, इसके लिए सरकार सतत प्रयत्नशील है। इसी दिशा में सिंगल विंडो-सेम डे डिलीवरी सिस्टम प्रारंभ किया जा रहा है जिसके तहत विभिन्न विभागों की 25 सेवायें 24 घंटों में प्रदान की जाएगी।

बारिश से बिगड़े हालात पर बोलीं डिप्टी सीएम

गहलोत सरकार ने ड्रेनेज सिस्टम पर काम ही नहीं किया

नदौसा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भारी बारिश से ड्रेनेज सिस्टम फेल होने की बात पर डिप्टी सीएम दीया कुमारी कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पांच सालों न तो ड्रेनेज बनाया न सड़कें बनाईं न ही किसी प्रकार का रोजगार दिया। राजस्थान की जनता आज जिस तरह से कष्ट उठा रही है बहुत दुख की बात है। अब हमारी सरकार आ चुकी है। पूर्ण रूप से प्रयास किया जाएगा कि अगले मानसून में हम लोग ड्रेनेज सिस्टम में सुधार किया जाए। इधर, दीया कुमारी ने कहा मैं उस समय जोधपुर में थी। वहां भी मैंने यही देखा और दुख की बात है वहां की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का क्षेत्र था वहां 5 सालों ड्रेनेज व्यवस्था नहीं की न जयपुर में किसी शहर में कोई ड्रेनेज की व्यवस्था कांग्रेस कर

पाई है। दौसा दीया में ने कहा कि स्ट्रांग वाटर ड्रेनेज बिल्कुल हमारे राजस्थान में नहीं है। उन्होंने तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि जब भाजपा की सरकार थी तब ड्रेनेज सिस्टम की अच्छी व्यवस्था थी। ऐसी हालत कभी नहीं हुई। इसी प्रकार ट्रैफिक, पानी, ऐसे हालात पहले नहीं हुए।

इस बार हमने देखा बारिश ज्यादा हुई है। पिछले पांच सालों में कांग्रेस ने राजस्थान में ड्रेनेज सिस्टम पर काम किया ही नहीं इसी का परिणाम हम लोग अब देख रहे हैं।

दौसा में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने पिछले पांच साल के कार्यकाल में कुछ भी नहीं किया। इस का परिणाम है कि आज राजस्थान भर में ड्रेनेज सिस्टम फेल हो गए। यहां तक की जोधपुर जो पूर्व मुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र है वहां भी ड्रेनेज की कोई व्यवस्थाएं नहीं है। अब हमारी सरकार आई है तो सब काम सही होंगे।

इधर डिप्टी सीएम दीया कुमारी आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दौसा जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दौसा के पंडित नवल किशोर पीजी कॉलेज में आयोजित समारोह में शिरकत की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण करते हुए सलामी ली।

देवदूत बना शिक्षक, पानी में डूबने से अचेत हुई मासूम की बचा ली जान

प्रतापगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)। सालमगढ़ कस्बे के निकट रायपुर से दीवाला के बीच बुधवार को रोड के किनारे पानी में डूबने के बाद बाहर निकाली गई एक अचेत बालिका की शिक्षक ने जान बचाई। इसके बाद उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां फिलहाल बालिका की हालत में सुधार है। वहीं बालिका ने वीडियो कॉल कर शिक्षक से बात भी की।

प्रतापगढ़ के सालमगढ़ निवासी स्वास्थ्य शिक्षक लक्ष्मी नारायण उर्फ संदीप वसीठा प्रतिदिन की तरह सालमगढ़ से पिपलोदा अध्यापन कराने जा रहे थे। जहां दीवाला के पास रोड के किनारे कुछ लोग एकत्रित हो रहे थे। इस पर शिक्षक ने मोटरसाइकिल रोकी। जहां ग्रामीणों ने बताया कि दो बच्चियां पानी में डूब गई थी। इन दोनों को हाल ही में बाहर निकाला है। जिस पर संदीप ने दोनों बालिकाओं को चेक किया, एक बालिका की हालत ज्यादा गंभीर थी, जबकि एक की हालत सामान्य थी। गंभीर हालत वाली बालिका आठ वर्षीय अक्षिता मीणा को संदीप ने सीपीआर दिया। मेडिकल का प्राथमिक उपचार किया, उसके बाद बालिका अचेतावस्था से बाहर आई। उसकी पल्स भी चलने लगी, इस पर तुरंत परिजनों को कहा कि इसे अस्पताल ले जाओ। परिजन तुरंत बालिका को जिला चिकित्सालय ले गए। जहां बालिका की हालत में सुधार है।

वीडियो कॉल पर बालिका ने की शिक्षक से बात

शाम को लड़की के परिजनों ने वीडियो कॉल से शिक्षक संदीप की बात कराई। जिसपर परिजनों और बालिका ने जान बचाने के लिए आभार व्यक्त किया। इस संबंध में यूनाइटेड हेल्थ वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन रतलाम जिला अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीनारायण ने बताया कि उनकी संस्था पूरे भारत में निशुल्क सीपीआर प्रशिक्षण देती है एवं जागरूक करती है। संस्था के कई पदाधिकारियों ने लोगों को सीपीआर देकर उनकी जान बचाई है। अभी तक संस्था सवा लाख

गहरे पानी में फंसी स्कूली बस तो जान पर बन आई

मसीहा बने ग्रामीणों ने बचाई 15 बच्चों की जान

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बगरू कस्बे में बारिश कहर बरपा रही है। चारों ओर पानी ही पानी भरा हुआ है। आम रास्ते व मुय सड़कें भी दरिया बन चुकी है। बुधवार सुबह करीब सात बजे कस्बे के लालकोठी बालाजी मंदिर के सामने से लोहरवाड़ा की ओर जाने वाली सड़क पर तीन फीट भरे बरसात के पानी से गुजर रही वारिस इंटरनेशनल स्कूल की बस चालक की लापरवाही से अचानक बंद हो गई। जिससे बस में सवार स्कूली बच्चों की जान पर बन आई। बस में सवार करीब 15 बच्चों में अफरा-तफरी मच गई।

बच्चे घबरा गए ओर चिल्लाने लगे। तभी स्कूल बस को पानी के बीच खड़ी देखकर पास ही स्थित मंदिर में मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे और छोटे बच्चों को अपने कंधों पर बैठाकर तथा बड़े बच्चों को हाथ पकड़कर पानी से बाहर निकाला। इसके बाद बालाजी मंदिर में बैठाया। तब जाकर बच्चों ने राहत की सांस ली। सूचना पाकर मौके पर ही अभिभावक भी पहुंच गए।

गहरे पानी में बंद हुई स्कूल बस

प्रत्यक्षदर्शी अनूप छीपा व ओमप्रकाश खारोल ने बताया कि लोहरवाड़ा की ओर जाने वाली सड़क पर करीब तीन से चार फीट तक बरसात का पानी भरा हुआ था।

इसके बावजूद स्कूल बस के चालक ने बच्चों की जान की परवाह किए बिना बस को पानी से लबालब सड़क पर उतार दिया। बस थोड़ी दूर जाकर बंद हो गई।

बड़ा हादसा होते-होते टला

गनीमत रही कि इस दौरान पानी का बहाव तेज नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। जबकि कस्बे में लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन लोगों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। इस दौरान लोगों ने बताया कि ऐसी लापरवाही बरतना ठहक नहीं था। ग्रामीणों ने बस चालक व स्कूल संचालक पर लापरवाही बरतने पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सीएम भजनलाल के काफिले को एयरपोर्ट पर रुकना पड़ा

पुलिस कर्मी बोले- हम खुद फंसे

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में बारिश के बाद शहर की सड़कों पर अराजकता फैल गई। अपेक्स सर्कल, जगतपुरा, सीकर रोड पर ढेहर का बालाजी, 14 नंबर पुलिया, भवानी निकेतन कॉलेज के सामने, झोटवाड़ा पुलिया, अजमेर रोड, भांकरोटा, दिल्ली रोड सड़वा मोड़ के पास जाम लग गया। खासा कोठी चौराहा, कलक्ट्रेट सर्कल व जयसिंह हाईवे पर लोग घंटों फंसे रहे। कलक्ट्रेट सर्कल से खासाकोठी फ्लाई ओवर से विधायकपुरी थाना मोड़ व हसनपुरा पुलिया तक फंसे लोगों ने बताया कि दो घंटे से तो वाहन एक इंच आगे नहीं बढ़ सका।

चार घंटे की बारिश में परकोटा के बाजारों में ही नहीं, बल्कि गलियों में कई फीट पानी भर गया। पॉश कॉलोनियों में भी कई घरों के अंदर पानी पहुंच गया। जनाना अस्पताल में पानी लेबर रूम तक पहुंच गया। एसएमएस अस्पताल के धन्वंतरि ब्लॉक, ट्रोमा सेंटर व भौमियां जी के मंदिर, बेसमेंट और सीटी वार्ड में भी पानी भर गया। गांधीनगर स्टेशन और जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पटरियां जलमग्न होने से दो दर्जन ट्रेनें जयपुर में अटक गईं। हैरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा निरीक्षण को निकले लेकिन खुद ही आमेर रोड पर फंस गए। ऐसे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जयपुर एयरपोर्ट के वेटिंग रूम में करीब आधा घंटा इंतजार करना पड़ा। मुख्यमंत्री को रात साढ़े आठ बजे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जाना था। इसके चलते वह सिविल लाइंस निवास जाकर वापस आने की बजाय एयरपोर्ट के वेटिंग रूम में ही ठहर गए।

सूत्रों के अनुसार तेज बारिश के दौरान यातायात जाम और सड़कों पर जलभराव के कारण मुख्यमंत्री का काफिला सिविल लाइंस जाकर वापस समय पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर नहीं पहुंच सकता था। इसके चलते मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट पर ही रुकना पड़ा। जवाहर सर्कल से एसएल कट तक जेएलएन मार्ग पर कई जगह पानी भर गया और जाम लग गया। पुलिस को जेएलएन मार्ग के ट्रैफिक को डायवर्ट भी करना पड़ा।

'पुलिसकर्मी तो खुद फंसे हुए हैं'

उधर, राजस्थान पत्रिका ने अतिरिक्त पुलिस यातायात प्रीति चंद्रा से बातचीत की। पत्रिका ने सवाल किया कि जाम को हटाने के लिए यातायात पुलिस कहां है? उन्होंने जवाब दते हुए कहा कि शहर में इस सीजन की सबसे तेज बारिश हुई है। रूटीन की पुलिस के अलावा पुलिस लाइन से 30 जवान और स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा में लगाए गए 400 पुलिसकर्मियों को लोगों की सुरक्षा व ट्रैफिक कंट्रोल में लगाया है। पत्रिका ने फिर सवाल किया कि लेकिन पुलिसकर्मी तो कहीं नजर ही नहीं आ रहे, आप कहां हैं? उन्होंने जवाब देते हुए कहा जिन पॉइंट पर पुलिसकर्मी तैनात थे, वे वहीं पर हैं, लेकिन सड़कें नदियां बन गईं। वहां दो-दो घंटे तक वाहन फंस गए। पानी के तेज बहाव में वाहन आगे बढ़ नहीं पा रहे। ऐसे में कुछ स्थानों पर पुलिस कर्मियों को पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ रही। मैं खुद खासाकोठी पर हूं। यहां से गवर्नमेंट हॉस्टल तक सड़क दरिया बनी हुई है। फ्लाईओवर के नीचे के बैरिकेड्स हटाकर वाहनों को सिंधी कैम्प की तरफ डायवर्ट करवाया है।

'सर्कस बनकर रह गई भजनलाल सरकार'

डोटासरा ने इस्तीफा देने वाले किरोड़ी मीणा पर भी ली चुटकी

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में झंडारोहण किया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बार फिर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भजनलाल सरकार सिर्फ सर्कस बनकर रह गई है। साथ ही उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले किरोड़ी लाल मीणा पर भी चुटकी ली। झंडारोहण के बाद पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान डोटासरा ने कहा कि पहले हीटवेव से लोगों मर रहे थे और अब अतिवृष्टि से। सरकार न पहले इंतजाम कर पाई और ना ही अब कर पा रही है। बारिश से चारों तरफ सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। मैंने विधानसभा में भी कहा था कि जनता ने तो सरकार बनाई थी। लेकिन ये तो सर्कस बनकर रह गई है। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि वे आपसी फूट को खत्म करके आपदा में फंसे लोगों की मदद करें। पर्यटक बनकर राजस्थान में इधर-उधर ना घूमे।

डोटासरा ने किरोड़ी मीणा पर चुटकी लेते हुए कहा कि सुना था कि सैटलमेंट हो गया, लेकिन जब हेलिकॉप्टर नहीं मिला तो वो वापस नाराज हो गए। मैं तो आग्रह करूंगा कि उनको हेलिकॉप्टर दे दो। उनका जो विडियो देखने में आया है कि उनका पीएसओ आपदा में आ गया। ऐसी स्थितियां नहीं बनाएं, उनको हेलीकॉप्टर दे दे। उन्होंने कहा कि इन्हें आपस का झगड़ा मिटा लेना चाहिए। अगर उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है तो किरोड़ी मीणा को खुलकर आपदा की स्थिति में काम करना चाहिए।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश सरकार हर बार फेल हुई। सीएम सूखे में जा रहे है और जहां पर पानी भरा हुआ है, वहां नहीं जा रहे है। लोगों की मौत हो रही है, उनको मुआवजा कोई नहीं दे रहा है। भरतपुर में सात युवकों की मौत हो गई, तब सरकार कहां थी। राजस्थान में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सरकार सो रही है। आपस में लड़ रही है। कौन आपदा प्रबंधन कर रहा है? खुद मंत्री कर रहे है कि मैं मंत्री नहीं हूं और सरकार कह रही है कि वो ही मंत्री है। लेकिन, आपदा प्रबंधन मंत्री को खुद इंतजाम करके घूमना पड़ रहा है। प्रदेश में इन लोगों की ऐसी हालत बनी हुई है।

इनकी आपसी लड़ाई का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। मैं यही कहना चाहूंगा कि सरकार अपने अंदर झांके और प्रदेश की सेवा भी जो शपथ ली है, फिर भी आप काम नहीं कर रहे है। ये बड़ी दुख की बात है।

अवैध हथियारों के साथ तीन बदमाश गिरफ्तार

बेचने के लिए निंबाहेड़ा से उदयपुर लाए थे

उदयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर की सविना थाना पुलिस ने अवैध हथियार और कारतूस के साथ तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। उदयपुर एसपी योगेश गोयल के निर्देशन में अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। सविना थाना पुलिस ने इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

सविना थानाधिकारी अजय सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम धोल की पाटी से जयसमन्द की तरफ जाने वाले रोड पर सिक्स लाइन नेशनल हाईवे नम्बर 48 के पास पुलिया के नीचे पहुंची, जहां पर दो युवक पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया। बदमाशों ने पूछताछ में अपना नाम कमश अरशद और फिरोज खान भिश्ती बताया। तलाशी लेने पर अभियुक्त अरशद हुसैन उर्फ आसु के कब्जे से एक देशी कट्टा और दो कारतूस मिले। अभियुक्त फिरोज खान मिश्ती के पास से पांच कारतूस पाये गये। दोनों अभियुक्त देशी कट्टा और कारतुसो को उदयपुर में बेचने की फिराक में थे।

एक अन्य मामले में इसी सवीना थाना टीम ने अभियुक्त सलमान खान उर्फ बली को सिक्स लाइन नेशनल हाईवे नम्बर 48 पर एक अवैध देशी कट्टा पिस्टल और तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकडे.गए आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया है। पकडे. गए तीनों अभियुक्त चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा के रहने वाले हैं। इनके खिलाफ पूर्व में भी प्रकरण दर्ज है।

अचानक फट गई धरती

ग्रामीणों के बीच बना चर्चा का विषय

अलवर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर जिले के बालेटा कितपुरा गांव में सिलीबेरी बांध के समीप कुछ खेतों में अचानक गहरे गड्ढे हो गए। इसकी खबर मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। खेतों में अचानक हुए गड्ढे चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, अभी तक कोई जानकारी नही मिल पाई है कि आखिर गड्ढे कैसे हुए है? ग्रामीणों ने बताया बालेटा कितपुरा गांव में सिलीबेरी बांध के समीप बाजरे के खेतों में अचानक गड्ढे हो गए। जिसकी जानकारी ग्वालों ने दी। जब मौके पर गए तो खेतों में गहरे गड्ढे मिले। यहां जमीन धंसी हुई थी। बता दें कि मुकेश कुमार गुर्जर, सियाराम खराणा और गिर्राज खरणा के खेतों में गहरे गड्ढे हुए हैं। बता दें कि इन दिनों अलवर जिले में बारिश का दौर जारी है।

ऐसे में माना जा रहा है कि बारिश के चलते जमीन धंस गई। लेकिन, खेतों में अचानक हुए गड्ढे ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों की मानें तो एक दिन पहले तक तो खेतों में कुछ नहीं था। लेकिन, अचानक ऐसा क्या हुआ कि रातों-रात धरती फट गई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह से घर लौट रहे 3 बच्चे नदी में बहे

पाली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राजस्थान के पाली जिले जैतारण क्षेत्र में आज दोपहर तीन स्कूली बच्चे गुड़िया नदी में बह गए। हादसा उस वक्त हुआ, जब तीनों बच्चे स्वतंत्रता दिवस समारोह अटेंड कर वापस अपने घर लौट रहे थे। सूचना मिलते ही आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल, बच्चों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह अटेंड करने के बाद तीन बच्चे अपने घर जा रहे थे। ऐसे में पैदल नदी पार करते समय तेज बहाव में तीनों बच्चे बह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसपी नरेंद्र सिंह चौधरी को इस बारे में अवगत कराया। कुछ ही देर में एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू किया। अभी तक तीनों बच्चों का पता नहीं चल पाया है।

मंत्री और विधायक भी मौके पर

गुड़िया नदी में तीन बच्चों के बहने की सूचना पर मंत्री अविनाश गहलोत और विधायक शोभा चौहान भी मौके पर पहुंचे। जहां पर पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली।

साथ ही जल्द से जल्द बच्चों का पता लगाने के निर्देश दिए। एसपी नरेंद्र सिंह चौधरी, एसडीएम और स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद है। वहीं, इस घटना के बाद नदी किनारे बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई है।

घर के आंगन में सो रहे परिवार पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, बेटे की मौत

झुंझुनू, 15 अगस्त (एजेंसियां)। धनूरी क्षेत्र के हमीरी कलां में घर में सो रहे मां-बेटे पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया। हमले में बेटे की मौत हो गई, जबकि मां जख्मी है। सुबह पड़ोसियों को पता चला तो महिला को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार सोते सयम मां-बेटे पर धारदार हथियार से हमला किया गया, जिसमें 25 वर्षीय अजय की मौत हो गई और उसकी मां माया गंभीर रूप से घायल हो गई। माया को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। परिजनों ने गांव के पवन और उसके साथियों पर हत्या का शक जताया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मृतक अजय के बड़े भाई दिनेश ने बताया कि आठ-दस दिन पहले गांव में चोरी की वारदात हुई थी। पूछताछ के लिए पुलिस छोटे भाई अजय को लेकर गई तो अजय ने गांव के ही पवन का नाम पुलिस बताया था। ये जानकारी पवन को लग गई। उसने अजय को थाने से बाहर आने के बाद देख लेने की धमकी दी थी। दिनेश ने पवन और उसके साथी पर हत्या का शक जताया है। अपने घर के आंगन में चारपाई पर अचेत अवस्था में पड़े हुए थे। आंगन में खून बह रहा था। सुबह करीब 11 बजे पड़ोस में रहने वाली एक महिला को अपने घर की छत से दोनों आंगन में पड़े नजर आए। आंगन में खून बहता देख उसने अपने परिवार के लोगों को जानकारी दी। इस पर आसपास के लोग वहां इकठ्ठा हो गए। उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा तो मां-बेटे चारपाई पर पड़े हुए थे।

तीन उच्च उपज वाली चावल की किस्में विकसित

> *आईआईआरआर के शोधकर्ताओं ने विकसित की हैं तीनों किस्में*

> *धान 73, धान 74 और धान 78 में हैं कई खूबियां*

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित सभी जलवायु-लचीले उच्च उपज वाले चावल की किस्में, जो तेलंगाना राज्य की जलवायु परिस्थितियों का सामना कर सकती हैं और किसानों को राहत प्रदान कर सकती हैं, जल्द ही कृषक समुदाय के लिए उपलब्ध होंगी। हैदराबाद स्थित भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर) के शोधकर्ताओं और कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) के आनुवंशिकीविदों ने डीआरआर धान 73, धान 74 और धान 78 सहित तीन अद्वितीय चावल किस्मों को विकसित किया है, जो तेलंगाना की स्थानीय शुष्क जलवायु की प्रतिकूलताओं को झेलने और उच्च उपज देने की क्षमता रखती हैं। तीन चावल किस्मों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में जारी किया गया।

जारी की गई तीन चावल किस्मों में से, सीसीएमबी के शोधकर्ताओं

ने धान 73 के विकास में अपने आईआईआरआर समकक्षों के साथ मिलकर काम किया। तेलंगाना राज्य के अलावा, नव विकसित चावल की किस्मों को विशेष रूप से ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र और झारखंड की विशिष्ट जलवायु परिस्थितियों का सामना करने के लिए विकसित किया गया है। आईआईआरआर और सीसीएमबी द्वारा विकसित धान 73 चावल की किस्म सांबा मसूरी चावल से विकसित की गई है और इसमें कम फास्फोरस सामग्री वाली मिट्टी को सहन करने की अद्वितीय क्षमता है। मिट्टी में फास्फोरस की अनुपलब्धता के कारण, तेलंगाना राज्य के किसान अधिक पैदावार सुनिश्चित करने के लिए फास्फोरस आधारित उर्वरकों का उपयोग करते हैं। हालांकि, इस सौदे में हमेशा मिट्टी के प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव का खतरा बना रहता है।

धान 73 किस्म सिंचित और वर्षा आधारित उथली निचली भूमि वाले क्षेत्रों के लिए भी उपयुक्त है, जहां मृदा फास्फोरस की मात्रा कम है। यह किस्म खरीफ और रबी दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी उपज 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। चावल की यह किस्म चावल की एक विनाशकारी बीमारी, लीफ ब्लास्ट के प्रति भी प्रतिरोधी है तथा ओडिशा और कर्नाटक के लिए भी उपयुक्त होगी।

धान 74 चावल की किस्म की उपज 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है और यह पत्ती ब्लास्ट, बेक ब्लास्ट, शीथ रॉट और प्लांट हॉपर के प्रति मध्यम रूप से सहनशील है। इसे कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड और उन क्षेत्रों में पनपने के लिए विकसित किया गया है जहां मिट्टी में फास्फोरस की कमी है।

तीसरी चावल किस्म (धान 78) की उपज प्रति हेक्टेयर 58 क्विंटल है और यह पत्ती प्रध्वंस और पादप फुदक के प्रति प्रतिरोधी है तथा कर्नाटक और तेलंगाना के लिए आदर्श है।

दो मलयाली संगठन मिलकर करेंगे ओणम का आयोजन

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के दो प्रमुख अग्रणी मलयाली संगठन, थानल मलयाली सेवा समिति और संगमम कला संस्कारिका केंद्र 1 सितंबर को पहली बार एक साथ ओणम मनाएंगे। थानल सचिव प्रदीप पोन्नन और संगमम सचिव केडी उदयन ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण केरल के प्रसिद्ध पझायिडोम मोहनन नंबूदरी और उनकी टीम द्वारा भव्य पारंपरिक ओणम भोज, ओनासद्या होगा। कार्यक्रम में दोनों संघों की महिला शाखा द्वारा पारंपरिक कैकोट्टिकली और हैदराबाद नाटकशाला द्वारा लघु नाटक 'चिलाम्बु' भी शामिल होगा। इस समारोह में प्रसिद्ध पार्श्व गायक जेसी गिफ्ट और उनके ऑर्केस्ट्रा द्वारा संगीत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बयान में कहा कि कार्यवाही का एक हिस्सा वायनाड भूस्खलन राहत के लिए भेजा जाएगा।

एनएमडीसी स्टील ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

1 मिलियन टन लिक्विड स्टील का किया उत्पादन

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने परिचालन शुरू करने के एक साल में एक मिलियन टन (एमएनटी) तरल स्टील का उत्पादन करके एक मील का पत्थर हासिल किया है। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के स्टील निर्माण में नवीनतम प्रवेशकर्ता के रूप में, एनएसएल ने उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उत्पाद देने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया और उद्योग में नए मानक स्थापित करके खुद को एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया, कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति ने गुरुवार को कहा।

12 अगस्त, 2023 को, एनएसएल ने छत्तीसगढ़ के नगरनार में अपने उन्नत 3 एमटीपीए स्टील प्लांट में ब्लास्ट फर्नेस का पहला ब्लो-इन किया। तब से, प्लांट ने 21 जुलाई, 2024 तक 1.5 मिलियन टन हॉट मेटल का संचयी उत्पादन हासिल किया, जो 226 दिनों में 1 मिलियन टन हॉट मेटल के उत्पादन के मील के पत्थर के ऊपर है। 11 अगस्त, 2024 तक इस गति को आगे बढ़ाते हुए, प्लांट ने एक मिलियन टन लिक्विड स्टील का उत्पादन किया। एनएसएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अमिताव मुखर्जी ने कहा कि यह उपलब्धि परिचालन उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और एनएसएल को भारतीय इस्पात उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि एनएसएल 23 अगस्त, 2024 तक एक मिलियन टन हॉट रोल्ड (एचआर) कॉइल्स का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित कर रहा है।

छात्रों को मिलेगा एंडोमेंट पुरस्कार

ईएफएलयू कुलपति ने की घोषणा

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) की कुलपति (कार्यवाहक) प्रो. सुरभि भारती ने गुरुवार को विभिन्न धाराओं के छात्रों के लिए बंदोबस्ती पुरस्कारों को पुनर्जीवित करने की घोषणा की। ईएफएलयू के कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परिसर में मां के नाम पर एक पेड़ अभियान का भी शुभारंभ किया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय शिवलिंगम गुरुमूर्ति की पत्नी श्यामला गुरुमूर्ति को सम्मानित किया तथा परिसर के सुरक्षाकर्मियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र वितरित किए। समारोह में प्रभारी रजिस्ट्रार प्रो.के. नरसिम्हा राव, वरिष्ठ शैक्षणिक प्रशासक, संकाय सदस्य, छात्र, गैर-शिक्षण कर्मचारी और विभिन्न देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समारोह में कार्यकर्ता ने किया आत्महत्या का प्रयास

मेयर ने पहुंचाया अस्पताल

पेड्डापल्ली, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारी गंगिपल्ली विजय कुमार ने गुरुवार को निगम कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण समारोह के दौरान कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया। विजय कुमार कथित तौर पर वेतन न मिलने और एक सेनेटरी इंस्पेक्टर द्वारा कथित उत्पीड़न का विरोध कर रहे थे। जब अन्य कर्मचारियों ने हस्तक्षेप किया और उसे माचिस जलाने से रोका तो उसने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। बंगी के मेयर अनिल कुमार और अन्य कर्मचारियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

सांप के काटने से बालक की मौत

राजन्ना सिरसिला, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सांप के काटने से बुधवार रात को नौ वर्षीय अखिल की मौत हो गई। येल्लारेड्डीपेट मंडल के वेंकटपेट निवासी अखिल को सांप ने काट लिया था। परिवार के सदस्यों ने उसे वारंगल एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बुधवार रात को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।3

बासरा मंदिर में चोरी

निर्मल, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बसर स्थित श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम मंदिर में बुधवार रात को एक चोर घुसा और अलमारी में रखे प्रसाद और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक चोर परिसर की दीवार फांदकर अंदर आया हुंडी और अलमारी को तोड़ दिया। चोर की हरकतें सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई हैं। अधिकारियों से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। खोई हुई वस्तुओं की कीमत का अभी आकलन नहीं किया गया है।

एमपॉक्स पर हैदराबाद में अलर्ट : डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया है पीएचईआईसी

* 460 मौतें 2024 में हुई अफ्रीका में * 17,500 पॉजिटिव संक्रमण किए जा चुके हैं दर्ज

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गुरुवार को एमपॉक्स, जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था, को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया है, लोगों को इसके जोखिम कारकों और जोखिम को कम करने के उपायों के बारे में पता होना चाहिए। अफ्रीका के कई देशों में संक्रमण के खतरनाक रूप से बढ़ने के कारण डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को पीएचईआईसी का दर्जा देना पड़ा। अकेले 2024 में, कुल 17,500 एमपॉक्स पॉजिटिव संक्रमण दर्ज किए गए, जिनमें से 460 मौतें अफ्रीका में हुई हैं।

एमपॉक्स क्या है?

2022 में जारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सलाह के अनुसार, एमपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है जिसके लक्षण चेचक के समान हैं, हालांकि इसकी नैदानिक गंभीरता कम है। यह मंकीपॉक्स वायरस के कारण होता है, जिसकी पहली बार 1958 में खोज की गई थी जब शोध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बंदरों में चेचक जैसी बीमारी का प्रकोप हुआ था। पहला मानव मामला 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में रिपोर्ट किया गया था और अब इस बीमारी को कई मध्य और पश्चिमी अफ्रीकी देशों में स्थानिक माना जाता है। 2003 में, अफ्रीका के बाहर पहला मंकीपॉक्स प्रकोप संयुक्त राज्य अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था।

क्या यह गंभीर है?

वर्तमान में, अफ्रीका में एमपॉक्स के दो प्रकार हैं, जो पिछले वर्ष में संक्रमण के उछाल के पीछे हैं। पहली किस्म यानी क्लेड I अफ्रीका में स्थानिक है और 10 प्रतिशत की मृत्यु दर के साथ गंभीर माना जाता है। एमपॉक्स क्लेड II का दूसरा प्रकार, जो अफ्रीका में भी स्थानिक है, सकारात्मक संक्रमणों में 0.1 प्रतिशत की मृत्यु दर के साथ कम गंभीर माना जाता है।

यह कैसे संचारित होता है?

कोविड के विपरीत, जो एक वायुजनित संक्रमण है, वर्तमान एमपॉक्स स्ट्रेन श्वसन मार्ग से नहीं फैल रहे हैं। संक्रमित होने का एकमात्र तरीका संक्रमित व्यक्तियों के साथ सीधे संपर्क, यौन संपर्क या घावों के साथ निकट संपर्क है। इसलिए, यदि व्यक्ति संक्रमित व्यक्तियों के साथ सीधे संपर्क से बचते हैं और नए यौन साथी से बचते हैं या सुरक्षा पहनते हैं, तो वायरस की संचरण श्रृंखला बाधित हो सकती है।

डॉक्टर के लिए सलाह :

घावों वाले मरीज अपनी चिकित्सा स्थिति के बारे में सबसे पहले देखभाल करने वालों को बताते हैं, इसलिए हैदराबाद में डॉक्टरों को एमपॉक्स के विशिष्ट लक्षणों पर नज़र रखनी चाहिए। उन्हें फ्लू जैसी बीमारी और त्वचा के घावों और अफ्रीकी देशों की यात्रा के इतिहास पर नज़र रखनी चाहिए।

सितारामबाग में आदर्श विद्या समिति की ओर से ध्वजारोहण किया गया।

आगापुरा में एक्ता-सफलता कमेटी की ओर से ध्वजारोहण किया गया।

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) की सभी इकाइयों और कार्यालयों में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

एल.बी. नगर वेल्फेयर एसोशिएशन सीरवी समाज द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित वेनाराम चोयल, प्रकाश सेपटा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

बोइनपल्ली मार्केट यार्ड में सेक्रेटरी वैकैन्ना ने ध्वजारोहण किया। अवसर पर व्यापारी संघ के अध्यक्ष गौतम जैन, सोम देवनायर रेड्डी मधु बाबू, राजकुमार, रवींद्र यादव आदि मौजूद थे।

पीएम केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गोलकुंडा में छात्रों स्टाफ और शिक्षकों के स्वतंत्रता दिवस मनाया। प्रचार्य सुरेश कटोच ने झंडारोहण किया। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

संगा रेड्डी बिरमगुड़ा स्थित आईलापुर आईमाता जी बडेर में ध्वजा रोहण में उपस्थित उपाध्यक्ष राकेश चोयल, सचिव मोहनलाल भायल, कोषाध्यक्ष मल्लाराम सोलंकी, माणकचन्द गेहलोत, कुनाराम सोलंकी,सुरेश भायल,बुदाराम काग, मोहनलाल परिहार, रामलाल हाम्बड़, कालुराम सेपटा, हापुराम गेहलोत, धर्माराम बर्फा, हनुमान लला भायल, राजुराम हाम्बड़, राजुराम पंवार, मांगीलाल काग, भानाराम सेपटा, चुतराराम बर्फा, दिलीप चोयल, राजुराम बर्फा व समस्त कार्यकारणी सदस्य एवं समाज बन्धु।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, कालुराम काग चितल, भगाराम मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, पवन गेहलोत, मांगीलाल किसरा किशनलाल पंवार, माधुराम चोयल, मोहनलाल हाम्बड़, पुखराम मुलेवा, मांगीलाल काग, मुकेश व महिला मण्डली।

जुमेरात बाजार में गोशामहल के पार्षद लालसिंह ने ध्वजारोहण किया। उनके साथ भाजपा के पदाधिकारियों सहित बडी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थि थे।

जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल ने कई स्थानों पर झंडारोहण किया। उनके साथ अमर सिंह, मयूर कालेकर, सुरेश टोल्डी, नितिन जायसवाल, रामकृष्णा आदि मौजूद थे।

तुपरान स्थित श्री आई माताजी मंदिर बडेर में स्वतंत्रता दिवस पर झण्डा रोहण करते हुए समाज के अध्यक्ष लिखमाराम मुलैवा साथ में रुगाराम हाम्बड, तेजाराम चौयल, राकेश सोलंकी, हिम्मताराम बर्फा, नाथूराम पंवार, इन्दराम मुलैवा, भगाराम परिहार, माधुराम हाम्बड, तेजाराम मुलैवा, दीपाराम गहलौत, राजाराम गहलौत, रामलाल भायल, भेराराम काग, कैलाश मोगरेचा लादुराम सोलंकी, चोलाराम राठौर, दुर्गाराम मुलैवा एवं अन्य समाज बंधुगण।

शमशाबाद स्थित बडेर में ध्वजारोहण में अध्यक्ष आसाराम गहलोत, सचिव भोलाराम पंवार, शिक्षा समिति अध्यक्ष केसाराम काग, चेलाराम काग, नरेश परिहार, राजूराम परिहार, भूराराम परिहार, जगदीश काग, रतनलाल बर्फा, सोहन लाल मुलेवा, पुखराज पंवार, सदस्य गण- तेजाराम चोयल, रमेश हाम्बड़, रमेश चोयल, सोहनलाल बर्फा, राजूराम हाम्बड़, दिनेश परिहार, लच्छा राम मुलेवा, राजूराम परिहार, तारा राम मुलेवा व समाज बन्धु गण एवं मातृशक्ति, नन्हे मुन्ने बच्चे।

बजरंग सेना ने लत्क्ष्मण राव के नेतृत्व में विशाल तिरंगा रैली निकाली। रैली में रजनी श्रीमालू, यर्रम श्रीनिवास सहित बडी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता जी मंदिर में आयोजित ध्वजा रोहण में संरक्षक प्रभुराम परिहारीया, अध्यक्ष कालुराम काग, डायाराम लचेटा, राजुराम गेहलोत, राजाराम पंवार, पुनाराम हाम्बड़, ओगड़राम सैणचा, अर्जुन सिंह, नारायण लाल देवड़ा, पुनाराम चोयल, पुनाराम पंवार, खियाराम गेहलोत, देवाराम परिहारीया, कमल किशोर आगलेचा व समाज बन्धु।

निर्दोष सोशल सो. अध्यक्ष रामकुमार तिवारी के नेतृत्व में झंडारोहण किया गया। जिसमें प्रकाश वर्मा सहित बडी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

जिन्सी चौराह स्तिथ बेगम बाजार में 78वां स्वतंत्र दिवस उत्सव समगरा भवन हेड ऑफिस में अध्यक्ष बी. जनमराम और सदस्यगण की उपस्थित में हर्ष उल्लास के साथ ध्वजारोहण मनाया गया।

सचिवालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने गुरुवार को यहां सचिवालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव विकास राज, जयेश रंजन, प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, रघुनंदन राव, रवि गुप्ता, सचिव बुद्ध प्रकाश, लोकेश कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में गणेश पूजा

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित के.बी.आर. पार्क के इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा-अर्चना की गई। आज की सेवा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, राहुल सिंघल, पी.सी. जैन, विजय कुमार अग्रवाल, मोहन मित्तल, विजय तुंबी, अशोक लाखोटिया, अशोक कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेव, सुभाष कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, विनोद टिकमानी, आदि उपस्थित थे।

बीसीसीआई सेक्रेटरी डे नाइट टेस्ट के पक्ष में नहीं

जय शाह बोले- यह तय समय तक नहीं चलता ब्रॉडकास्टर्स और दर्शकों का नुकसान होता है

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने डे नाइट टेस्ट के पक्ष में नहीं है। शाह ने एक मीडिया संस्थान के ऑफिस में दिए इंटरव्यू में ये बात कही।

जय शाह ने मुंबई स्थित टाइम्स ऑफ इंडिया के ऑफिस में दिए गए इंटरव्यू में कहा 'आगामी सीजन में पिंक बॉल टेस्ट को जगह नहीं मिली है। पिंक बॉल टेस्ट भारत में 2 दिन में खत्म हो जाते हैं। ऐसे में दर्शकों और ब्रॉडकास्टर्स को आर्थिक नुकसान होता है। बतौर फैन आप 5 दिन के मैच की टिकट खरीदते हैं और यदि मैच 2-3 दिन में खत्म हो जाएगा तो बाकी दिन की टिकटों का आप क्या करेंगे? रिफंड तो नहीं मिलेगा इसलिए मैं इसे थोड़ा भावनात्मक नजरिये से देखता हूं।'

भारत ने अब तक चार डे नाइट टेस्ट खेले, तीन दिन के अंदर हो गया खत्म

भारत ने अब तक चार डे नाइट टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें तीन मैच होम ग्राउंड पर और एक मैच विदेश में खेले हैं। सभी मैच तीन दिनों से कम समय में समाप्त हो गया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप भारत में के प्रस्ताव को भी किया खारिज

जय शाह ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अक्टूबर में होने वाले विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप को भारत में कराने के प्रस्ताव को हमने मना कर दिया है। दरअसल विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप बांग्लादेश में 3 अक्टूबर से 20 अक्टूबर के बीच खेला जाना है।

बांग्लादेश में अभी राजनीतिक अस्थिरता है। ऐसे में बांग्लादेश में होने वाले विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने विकल्प तलाशने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से भारत में कराने का अनुरोध किया था। जय शाह ने कहा कि अगले साल विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की हम मेजबानी कर रहे हैं। ऐसे में हम यह संकेत नहीं देना चाहते हैं कि हम लगातार अपने ही घर में वर्ल्ड कप कराना चाहते हैं।

टीम इंडिया में वापसी के लिए खेलना होगा घरेलू क्रिकेट

शाह ने कहा,'चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर होने वाले क्रिकेटर को वापसी करने के लिए घरेलू टूर्नामेंटों में खेलकर अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। रोहित और विराट से यह कहने का कोई मतलब नहीं बनता कि जाकर घरेलू टूर्नामेंट में खेलो।'

भारत-श्रीलंका पहले वनडे में सुपर ओवर होना था

अंपायरों ने गलती मानी, कहा- आईसीसी नियमों को समझने में भूल हुई

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच 2 से 7 अगस्त के बीच हुई तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में अंपायरों ने सुपर ओवर नहीं कराने पर गलती मान ली है। यह मैच टाई हुआ था।

ईएसपीएन क्रिक इंफो के मुताबिक फील्ड अंपायर जोएल विल्सन और रवींद्र विमलासिरी, साथ ही रेफरी रंजन मदुगले, टीवी अंपायर पॉल रायफल और चौथे अंपायर रुचिरा पल्लीयागुरुगे ने अंदरूनी तौर पर यह माना है कि आईसीसी के वनडे मैच में टाई होने पर सुपर ओवर कराने के नियम को लेकर कुछ भ्रम था। इन्हें समझने में भूल हुई।

आईसीसी के खेल नियमों में कहा गया था कि टाई होने की स्थिति में टीमें नतीजा हासिल करने के लिए सुपर ओवर खेलेंगी। अंपायर्स को भ्रम था कि क्या इस दौरे के लिए श्रीलंका बोर्ड और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बीच हुए समझौते में सुपर ओवर की अनुमति है या नहीं, लेकिन अब स्पष्ट हो गया है कि टाई पर खत्म होने वाले सभी वनडे मैचों में समय और परिस्थितियों के अनुसार सुपर ओवर खेला जाएगा।

क्या है आईसीसी नियम

2023 में आईसीसी ने वनडे मैचों के लिए जारी किए गए नए नियमों में कहा था कि यदि दोनों पारियों के पूरा होने के बाद टीमों के स्कोर बराबर हैं, तो सुपर ओवर खेला जाएगा। अगर सुपर ओवर भी टाई रहेगा तो तब तक सुपर ओवर होंगे, जब तक विजेता ना निकले। अगर विजेता निकालने के लिए सुपर ओवर या मैच नहीं कराया जा सके तो मैच टाई होगा।

48वें ओवर में 2 विकेट गिरने से मैच हुआ टाई

कोलंबो में खेले गए इस मैच में श्रीलंका ने 8 विकेट पर 230 रन बनाए थे। टीम इंडिया को 231 रन के टारगेट हासिल करने के लिए अंतिम तीन ओवर में पांच रन की जरूरत थी, जबकि उसके दो विकेट बाकी थे।

शिवम दुबे ने एक चौका लगाया, लेकिन 48वें ओवर में भारत ने लगातार विकेट गंवा दिए, जिसकी वजह से भारतीय टीम भी सभी विकेट खोकर 47.5 ओवर में 230 रन ही बना पाई थी और यह मैच टाई हुआ था। इस मैच में अंपायरों ने सुपर ओवर नहीं कराया।

श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत से वनडे सीरीज जीती

श्रीलंका ने 27 साल बाद भारत से वनडे सीरीज जीती। तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मैच टाई होने के बाद श्रीलंका ने दूसरे वनडे में टीम इंडिया को 32 रन से हराया। जबकि आखिरी और तीसर वनडे में 110 रन से हरा कर सीरीज 2-0 से जीत ली थी।

पेरिस ओलिंपिक में खेलने वाले भारतीय दल से मिले मोदी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों से की। लाल किले पर तिरंगा फहराने के बाद मोदी ने हॉकी टीम समेत अन्य खेलों के खिलाड़ियों से मुलाकात की।

PM मोदी ने सबसे पहले ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों से मिले। फिर पेरिस ओलिंपिक में 2 ब्रॉन्ज जीतने वाली शूटर मनु भाकर से मिले। यहां मनु उन्हें पिस्टल दिखाती नजर आईं।

उसके बाद अमन सहरावत और स्वप्निल कुसाले से मिलते नजर आए। इसके बाद बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन से बात करते हुए दिखाई देते हैं। लक्ष्य सेन ब्रॉन्ज मेडल मैच में हार गए थे।

पेरिस ओलंपिक में कुल 117 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत ने कुल 6 पदक जीते, जिसमें एक सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

एक दिन पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने मुलाकात की

एक दिन पहले 14 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन खिलाड़ियों से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रपति से मिलने के लिए राष्ट्रपति भवन में बुलाया गया था।

ओसाका-वावरिंका सहित चार खिलाड़ियों को यूएस ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड

न्यूयॉर्क, 15 अगस्त (एजेंसियां)। यूएस ओपन में दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका तथा तीन अन्य पूर्व विजेताओं स्टेन वावरिंका, डोमिनिक थिएम और बियांका एंड्रीस्कू को 26 अगस्त से शुरू होने वाले वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम के लिए वाइल्ड कार्ड दिए गए हैं। ओसाका ने अभी तक चार ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब 2018 में यूएस ओपन में ही जीता था। इसके बाद वह 2020 में भी यहां चैंपियन बनी थीं लेकिन वाइल्ड कार्ड पाने वाले अन्य खिलाड़ियों की तरह वह भी हाल में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाईं जिससे वह विश्व रैंकिंग में नीचे खिसक गईं जो यूएस ओपन में सीधे प्रवेश पाने के लिए पर्याप्त नहीं थी।

ओसाका पिछले साल एक बेटी को जन्म देने के बाद इस सत्र में डब्ल्यूटीए टूर पर लौटीं, लेकिन अब भी उन्हें उस फॉर्म की तलाश है जिसके दम पर वह कभी विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनी थीं। यूएस ओपन में 2019 में सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीतने वाली कनाडा की खिलाड़ी एंड्रीस्कू पिछले साल फ्रेंच ओपन में वापसी करने से पहले पीठ की चोट से परेशान थीं।

थिएम को अंतिम ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में घोषणा की थी कि वह इस सत्र के बाद संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रिया के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब 2020 में यूएस ओपन के रूप में जीता था लेकिन पिछले तीन वर्षों से वह कलाई की चोट से जूझ रहे हैं। स्विट्जरलैंड के 39 वर्षीय वावरिंका ने अपने तीन ग्रैंडस्लैम खिताबों में से एक 2016 में यूएस ओपन में जीता था। हाल में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिसके कारण वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर हो गए।

महिला वर्ग में अमांडा अनिसिमोवा, मेकार्टनी केसलर, एलेक्सा नोएल और इवा जोविच के अलावा फ्रांस की क्लो पैक्वेट और ऑस्ट्रेलिया की तायला प्रेस्टन को भी वाइल्ड कार्ड दिया गया है। वाइल्ड कार्ड पाने वाले पुरुष खिलाड़ियों में अमेरिका के क्रिस यूबैंक, लर्नर टीएन, ज़ाचरी स्वज्दा और मैथ्यू फोर्ब्स के साथ-साथ फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर और ऑस्ट्रेलियाई ट्रिस्टन स्कूलकेट भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड बैटर कॉनवे - एलन ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट छोड़ा

अब टी20 लीग खेलेंगे; इनसे पहले न्यूजीलैंड के चार खिलाड़ी भी मना कर चुके हैं

खेल डेस्क, 15 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के बैटर्स डेवोन कॉनवे और फिन एलन ने न्यूजीलैंड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को छोड़ दिया है। पिछले महीने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से जारी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में इन्हें शामिल किया गया था।

इन दोनों खिलाड़ियों ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट को तरजीह देने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को छोड़ा है। अब दोनों की जगह किसी दूसरे खिलाड़ी को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया जाएगा।

कॉनवे ने कैजुअल एग्रीमेंट साइन किया

कॉनवे ने केन विलियमसन की तरह ही कैजुअल एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं और जनवरी में श्रीलंका के व्हाइट बॉल मैचों को छोड़कर सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। वह जनवरी में साउथ अफ्रीका टी-20 में खेलेंगे। वह SA20 में जोबर्ग सुपर किंग्स के लिए खेलते नजर आ आ सकते हैं। कॉनवे साउथ अफ्रीका के ही रहने वाले हैं।

2017 में देश छोड़कर न्यूजीलैंड शिफ्ट हो गए थे।

फिन एलन को न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से कैजुअल एग्रीमेंट के लिए ऑफर नहीं किया गया है। हालांकि लीग मैच नहीं खेलने के दौरान वह अंतरराष्ट्रीय मैचों के चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कॉनवे-एलन से पहले चार खिलाड़ियों ने नहीं लिया था सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

डेवोन कॉनवे और फिन एलन से पहले चार अन्य खिलाड़ियों ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को छोड़ चुके हैं। इनमें ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्यूसन, केन विलियमसन और एडम मिल्ने शामिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले वॉर्म अप मैचों में भी खेलेंगे कॉनवे

कॉनवे को अगले महीने अफगानिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। वह न्यूजीलैंड के सभी 9 आगामी टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने फरवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले वॉर्म अप मैचों में खेलने की सहमति जताई है। वह चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी खेलेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक होना है।

मोर्ने मोर्कल टीम इंडिया के बॉलिंग कोच बने

1 सितंबर को जॉइन करेंगे; 2023 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के गेंदबाजों को कोचिंग दी थी

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। 39 साल के पूर्व साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मोर्ने मोर्कल भारतीय क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच बनाए गए हैं। वे 1 सितंबर को टीम के साथ जुड़ेंगे। बीसीसीआईसेक्रेटरी जय शाह ने यह जानकारी दी।

मोर्कल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच रह चुके हैं। हेड कोच गौतम गंभीर ने मोर्कल को बॉलिंग कोच बनाने की मांग की थी। दोनों आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए साथ में काम कर चुके हैं।

मोर्कल पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे की जगह लेंगे। म्हाम्ब्रे का कार्यकाल पहले ही समाप्त हो चुका था, लेकिन मोर्कल निजी कारणों से श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया से नहीं जुड़ पाए। ऐसे में बीसीसीआई ने सा ई रा ज बहुतुले को बतौर बॉलिंग कोच भेजा था।

मोर्कल का पहला असाइमेंट बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज होगा

अब मोर्ने मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। 19 सितंबर से शुरू हो रही यह सीरीज मोर्कल का पहला असाइनमेंट होगा। इसमें 2 टेस्ट और 3 टी-20 मैच खेले जाएंगे। पहला टेस्ट चेन्नई में खेला जाएगा।

मोर्ने मोर्कल ने 2006 से 2018 के बीच इं ट र ने श न ल क्रिकेट खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 86 टेस्ट, 117 वनडे और 44 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। मोर्कल पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बॉलिंग कोच रह चुके हैं।

उन्होंने वर्ल्ड कप 2023 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान टीम के बॉलिंग कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। मोर्कल पिछले साल जून में छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर पाकिस्तानी टीम से जुड़े थे। कॉन्ट्रैक्ट पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

गंभीर का पुराना वीडियो वायरल

मोर्कल के भारतीय कोच बनने के बाद हेड कोच गौतम गंभीर का पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे गौरव कपूर से IPL के कॉन्टेस्ट में कह रहे हैं कि मैं हमेशा से चाह रहा था कि मोर्कल मेरी टीम का हिस्सा रहे। मैंने अब तक जितने भी गेंदबाजों का सामना किया है। उनमें सबसे टफ साउथ अफ्रीका के मोर्कल थे।

पूर्व कोच महावीर बोले- विवादों के चलते तैयारियों में कमी रही नहीं तो कुश्ती में चार-पांच पदक और आते

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज महिला पहलवान विनेश फोगाट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। पेरिस ओलंपिक में अपने पहले ही मैच में जापान की युई सुसाकी को हराने वाली विनेश तीन जीत के साथ महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहले भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। उन्हें स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट के खिलाफ खिताबी मुकाबले से बाहर कर दिया गया क्योंकि सुबह वजन करते समय उनका वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया था। इस पहलवान ने पिछले

खेल पंचाट में इस फैसले के खिलाफ अपील की और मांग की कि उसे क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए।

इसको लेकर खेल पंचाट फैसला सुना दिया है।

खेल पंचाट ने विनेश की अपील को खारिज कर दिया है और अब इस पहलवान को कोई पदक नहीं मिलेगा। इससे पहले इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही थी कि खेल पंचाट द्वारा लिए जा रहे समय के पीछ कहीं पदक तो नहीं है, लेकिन इसका खंडन हो चुका है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ के नियमों और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ के नियमों को लेकर भी खूब चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ियों की तैयारियों में कमी रही नहीं तो कुश्ती में चार-पांच पदक और आ सकते थे।

दलीप ट्रॉफी नहीं खेलेंगे रोहित और कोहली

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली दलीप ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में नहीं खेल रहे हैं। बीसीसीआई की सीनियर सिलेक्शन कमेटी ने टूर्नामेंट के लिए टीमों का ऐलान किया।

पिछले साल सिलेक्टर्स के कहने के बावजूद रणजी नहीं खेलने वाले श्रेयस अय्यर को टीम डी का कप्तान बनाया गया है। ईशान किशन भी इस टीम का हिस्सा हैं। वहीं, कार एक्सीडेंट से वापसी करने वाले ऋषभ पंत को टीम बी में चुना गया है। अय्यर के अलावा, ओपनर शुभमन गिल को टीम ए, अभिमन्यु ईश्वरन को टीम बी और ऋतुराज गायकवाड को टीम सी का कप्तान बनाया है।

बोर्ड ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम में चुने गए खिलाड़ियों को अन्य से रिप्लेस किया जाएगा। साथ ही नीतीश कुमार रेड्डी की उपलब्धता उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। 5 सितंबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट से इस रेड बॉल सीजन की शुरुआत होगी। इस बार के मुकाबले अनंतपुर और बेंगलुरु में खेले जाएंगे।

रोहित और कोहली नहीं खेल रहे, बुमराह को आराम

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि सिलेक्टर्स ने खेलने

और न खेलने का फैसला दोनों क्रिकेटर्स पर छोड़ा था। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है।

सिलेक्शन कमेटी ने ईशान किशन को टीम डी में रखा है। वे टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज चुने गए हैं। सिलेक्शन कमेटी चाहती है कि भारतीय टीम में वापसी करने के लिए किशन रेड बॉल क्रिकेट में हिस्सा लें। पिछले सीजन में वे और श्रेयस अय्यर पिछले सीजन में सिलेक्शन कमेटी के कहने के बावजूद रणजी ट्रॉफी नहीं खेले थे। ऐसे में दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर लिया गया था।

दिलीप ट्रॉफी नए फॉर्मेट में खेली जाएगी

दिलीप ट्रॉफी इस सीजन में नए फॉर्मेट में खेली जाएगी। यह पहले की तरह जोनल फॉर्मेट में आयोजित नहीं होगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाला सिलेक्शन पैनल चार टीमों इंडिया ए, इंडिया बी, इंडिया सी और इंडिया डी का चयन करेगा, जो टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

भारत का पूर्व गेंदबाज डोडा गणेश बने कीनिया टीम का मुख्य कोच

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लिए थे 365 विकेट

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश को 2026 टी20 विश्व कप के क्वालिफायर से पहले कीनिया की पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। 51 साल के गणेश ने भारत के लिए चार टेस्ट और एक वनडे मैच खेला था। उनकी जिम्मेदारी कीनिया की टीम और खिलाड़ियों से बेहतर क्रिकेट निकलवाने की होगी। डोडा चाहेंगे कि कीनियाई टीम उस दौर में लौटे जब वह लगातार विश्व कप में हिस्सा लेते थे। 1996 से 2011 के बीच कीनियाई टीम ने पांच विश्व कप में हिस्सा लिया था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के इस एसोसिएट सदस्य देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2003 में रहा था जब वे संदीप पाटिल के रूप में एक भारतीय मुख्य कोच की मौजूदगी में दक्षिण अफ्रीका में हुए वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। कीनिया ने टी20 विश्व कप के सिर्फ एक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। उन्होंने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में हुए टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया था।

तब से कीनियाई क्रिकेट टीम का ग्राफ लगातार गिरता चला गया। सितंबर में आईसीसी डिविजन दो चैलेंज लीग में वे पापुआ न्यू गिनी, कतर, डेनमार्क और जर्सी से भिड़ेंगे और अक्टूबर में टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालिफायर खेलेंगे। पुरुषों का 2026 टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। गणेश ने कहा कि वह नई भूमिका के लिए उत्सुक हैं।

राज्य सरकार हर परिवार में खुशी लाने के लिए प्रतिबद्ध : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने गोलकोंडा किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया है कि उनकी सरकार राज्य के ऋणों के पुनर्गठन के प्रयास कर रही है। 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर गोलकोंडा किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान विश्व बैंक के अध्यक्ष से मुलाकात की थी और तेलंगाना के विकास के लिए कम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता देने के संबंध में सौहार्दपूर्ण तरीके से बातचीत हुई थी।

रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया, मेरी सरकार उच्च ब्याज दरों पर धन उधार लेने और लोगों पर भारी बोझ डालने की गलती नहीं करेगी। वित्तीय बाधाओं का सामना करने के बावजूद, राज्य सरकार हर परिवार में खुशी लाने की प्रतिबद्धता के साथ अभयहस्तम के वादों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि जब कांग्रेस ने तेलंगाना में सत्ता संभाली तो राज्य की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो गई थी और कर्ज का बोझ 10 गुना बढ़ गया था। तेलंगाना के गठन के समय राज्य का कुल कर्ज 75,577 करोड़ रुपये था और यह पिछले साल दिसंबर में बढ़कर 7 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने खुलासा किया कि सरकार ने राज्य के वित्त पर एक श्वेत पत्र जारी किया और राज्य की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बहुसंख्यक लोगों के हितों में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि वे गलतियों को सुधारने के लिए तैयार हैं, अगर कोई गलती हुई है और कुछ ताकतों ने सरकार के खिलाफ झूठे आरोप लगाए हैं, हालांकि वे संयम बनाए हुए हैं। 2 लाख रुपये तक की फसल ऋण माफी के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कृषि ऋण माफी पर 31,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और स्वतंत्रता दिवस के दिन ही किसानों को कर्ज से मुक्ति दिलाई है। रेवंत रेड्डी ने आगे बताया कि राज्य सरकार ने जल्द ही "विद्या आयोग" का गठन करने का फैसला किया है और आंगनवाड़ी केंद्रों को प्री-प्राइमरी स्कूलों के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। उन्होंने कहा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन का कार्य मिशन मोड पर किया जाएगा।

सीताराम परियोजना के तीन पंप हाउस खुले

* मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

भद्राद्री कोत्तागुडेम, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में सीताराम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तीन पंप हाउस का गुरुवार को उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ए रेवंतरेड्डी ने पुसुगुडेम गांव में सीताराम परियोजना के दूसरे पंप हाउस का उद्घाटन किया और इस अवसर पर परियोजना के खंभे का अनावरण किया। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पहले पंप हाउस का उद्घाटन किया, जबकि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जिले के मुलकालापल्ली मंडल के कमलापुरम गांव में तीसरे पंप हाउस का शुभारंभ किया। सीताराम परियोजना का उद्देश्य 3.29 लाख एकड़ नए आयाकट और लगभग 3.45 लाख एकड़ स्थिरीकरण आयाकट की सिंचाई करना है। बाद में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर परियोजनाओं के नए स्वरूप के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल में 1.80 लाख करोड़ रुपये जनता का पैसा खर्च किया, लेकिन वह किसानों को एक बूंद पानी नहीं दे सकी। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद खम्मम जिले की लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है और सभी को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव कभी भी परियोजनाओं को पूरा नहीं करना चाहते थे और पिछले दस वर्षों में किसी भी परियोजना के लिए डीपीआर नहीं दी। रेवंत रेड्डी ने कहा, केसीआर के परिवार के सदस्यों ने तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया है। केसीआर और पूर्व मंत्री हरीश राव दोनों ने लोगों के बीच विश्वसनीयता खो दी है और वे बेकार रुपये की तरह हैं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के कुलपति प्रो.बी जे राव ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. गुरबख्श सिंह मैदान में डीन, प्रमुख, संकाय, रजिस्ट्रार, अधिकारियों, छात्रों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। देश आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की याद में आजादी का अमृत महोत्सव, हर घर तिरंगा, एक पेड़ मां के नाम मना रहा है। कुलपति ने परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन और उनमें भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय बिरादरी को बधाई दी। प्रो. बी जे राव ने स्वतंत्रता लाने वाले नेताओं और संस्थागत नेताओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता की नींव रखी, जो अब भारत और विदेशों में शीर्ष पर है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश : पोन्नम

मंत्री ने सिद्दीपेट में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्दीपेट सरकारी डिग्री कॉलेज मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हमारे देश और दुनिया के अन्य देशों के बीच कई अंतर हैं। भौगोलिक दृष्टि से हम दुनिया के 7वें सबसे बड़े देश हैं। प्राचीन सिन्धु सभ्यता हमारी है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश और सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। एक ऐसा देश जहां के युवा बादलों में वज्र के समान हैं। उन्होंने कहा कि आईटी और फार्मेसी समेत कई क्षेत्रों में देश आगे बढ़ रहा है। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर हमें आजादी दिलाई। उनके मार्गदर्शन के कारण ही आज हम इतने स्वतंत्र हैं। भारत को एक लोकतांत्रिक देश बनाकर हमारे हाथों में सौंप दिया गया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का आगमन आज

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 16 और 17 अगस्त को तेलंगाना के हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर का दौरा करेंगे।

वे 16 अगस्त को हैदराबाद के कान्हा शांति वनम का दौरा करेंगे। 17 अगस्त को धनखड़ आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में अक्षरा विद्यालय परिसर और कौशल विकास केंद्र, स्वर्ण भारत ट्रस्ट और मुप्पावरपु फाउंडेशन का दौरा करेंगे। अपने दौरे के दूसरे दिन धनखड़ आंध्र प्रदेश के वेंकटचलम में स्वर्ण भारत ट्रस्ट के 23वें वर्षगांठ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता करेंगे।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार जमीनी स्तर पर विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है : उत्तम

> मंत्री ने सूर्यापेट में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व किया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पिछले आठ महीनों से समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। गुरुवार को सूर्यपेट जिला मुख्यालय में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी रेड्डी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली और स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उत्तम कुमार रेड्डी ने कांग्रेस सरकार की व्यापक और लक्षित पहलों को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि यह प्रशासन केवल बयानबाजी नहीं बल्कि कार्रवाई के बारे में है। उन्होंने कहा, हम यहां केवल वादे करने के लिए नहीं, बल्कि परिणाम देने के लिए हैं। उन्होंने सरकार के मिशन पर प्रकाश डाला, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकास सबसे हाशिए के समुदायों तक पहुंचे। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, हमारे शासन का सबसे आकर्षक पहलू गरीबों के कल्याण पर हमारा निरंतर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना और महालक्ष्मी गैस सब्सिडी योजना को प्रमुख कार्यक्रमों के रूप में रेखांकित किया, जो आर्थिक रूप से वंचित लोगों के उत्थान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, इंदिराम्मा आवास योजना के तहत, हम केवल योजना नहीं बना रहे हैं, हम निर्माण भी कर रहे हैं- 450,000 घर निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 3,500 प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को आवंटित किए गए हैं। हम सपनों को हकीकत में बदल रहे हैं, यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्य के हर गरीब व्यक्ति को अपना घर मिले।

दक्षिण मध्य रेलवे ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवशाली अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जिनके बलिदान के कारण भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बन सका।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जोन द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि अप्रैल-जुलाई 2024 की अवधि के लिए एससीआर के सकल मूल राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 6894 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 37 की उछाल को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जोन ने जुलाई तक 46.25 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया है और 4,611 करोड़ रुपये का माल राजस्व उत्पन्न किया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जुलाई 2024 के बीच मूल यात्री यातायात 88 मिलियन है और इस खंड से राजस्व 1,956 करोड़ रुपये है। तदनुसार, अप्रैल-जुलाई 2024 के बीच 251 किलोमीटर की सीमा तक पूर्ण ट्रैक नवीनीकरण पूरा हो गया है। मानसून अवधि में प्रतिकूल परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, कमजोर स्थानों और पुलों पर एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे जोन में कवच की तैनाती को आगे बढ़ाते हुए, वादी- गुंटकल - रेनिगुंटा के बीच 523 किलोमीटर की दूरी के लिए उसी के निष्पादन के लिए निविदाएं जारी की गई हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर, उन्होंने बताया कि एससीआर के सुरक्षा कर्मियों ने चालू वित्त वर्ष के दौरान 503 बच्चों को बचाया है। उन्होंने कहा कि आरपीएफ ने 1 करोड़ रुपये की कीमत के रेल उपयोगकर्ताओं का चोरी हुआ सामान बरामद किया और 918 मौकों पर विभिन्न यात्रियों के बचे हुए सामान को भी सुरक्षित किया, जो लगभग 2 करोड़ रुपये है। श्री अरुण कुमार जैन ने कहा कि एससीआर का जोर क्षेत्र बुनियादी ढांचे में वृद्धि है उन्होंने कहा कि एससीआर नेटवर्क का विद्युतीकरण 93 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जो जोन के लगभग सभी मुख्य मार्गों को कवर करता है। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, 119 रेलवे स्टेशनों पर 6243 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से काम चल रहा है, जिन्हें पुनर्विकास के लिए चिन्हित किया गया है। महाप्रबंधक ने बताया कि छुट्टियों और गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ की मांग को पूरा करने के लिए, चालू वित्तीय वर्ष में जुलाई तक 271 विशेष ट्रेनें चलाई गईं और लोकप्रिय ट्रेनों में 3866 कोच जोड़े गए। इसके अतिरिक्त, एससीआर ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में तेजी से कदम उठाने में आगे है।

गांधी भवन में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंदर, पूर्व सांसद वी हनुमंत राव, पूर्व मंत्री शंकर राव, किसान सेल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कोडंडा रेड्डी, मछुआरा निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार, टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निरंजन ने भी समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भारत की आजादी कई लोगों के बलिदान का परिणाम है और जिनका स्वतंत्रता संग्राम से कोई लेना-देना नहीं था, वे आज देश पर राज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के समर्थन के बिना आज तेलंगाना का निर्माण नहीं होता और कांग्रेस पार्टी ने अलग तेलंगाना राज्य की स्थापना को हकीकत बना दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को तेलंगाना में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर 30,000 रुपये की नौकरियां देने का श्रेय दिया जाता है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में अमेरिका और दक्षिण कोरिया देशों का दौरा किया और तेलंगाना राज्य के लिए हजारों करोड़ रुपये का निवेश लाया। मुख्यमंत्री लोगों से किए गए हर वादे को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।

महिलाओं को परेशान करने वालों को नहीं बख्शेंगे : पवन कल्याण

डिप्टी सीएम ने पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

काकीनाडा, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने आज 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यहां स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने काकीनाडा पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। बाद में उपमुख्यमंत्री ने पुलिस की सलामी स्वीकार की।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के तहत राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से खराब हो गई थी। उन्होंने कहा, अगर कानून-व्यवस्था नहीं होगी, तो कोई भी राज्य में निवेश करने के लिए आगे नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखने को प्रतिष्ठा का मुद्दा मान रही है और उन्होंने कहा कि अगर कोई भी राज्य में किसी लड़की या महिला को गलत इरादे से छूता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, हाल ही में कलेक्टरों और एसपी के सम्मेलन में भी यही बात स्पष्ट की गई थी।

उन्होंने आलोचना की कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के तहत राज्य की वित्तीय स्थिति पूरी तरह से अलग हो गई थी।

उन्होंने आरोप लगाया, जल जीवन मिशन के तहत परियोजनाओं में पाइप नहीं बिछाए गए हैं और पीने के पानी की सुविधा भी नहीं दी गई है। उन्होंने आलोचना की कि पिछली सरकार ने राज्य की वित्तीय स्थिति बहुत खराब होने के बावजूद ऋषिकोंडा पैलेस जैसी आलीशान इमारतों का निर्माण किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना शब्दों से नहीं बल्कि काम से किया जाएगा।

सीपी सिटी कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्रत वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, गजराव भूपाल संयुक्त पुलिस आयुक्त, प्रशासन, हैदराबाद ने पुलिस आयुक्त कार्यालय, आईसीसीसी बिल्डिंग, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और इस अवसर पर गजराव भूपाल संयुक्त सीपी ने सभी कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

विधान सभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार ने विधान सभा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, तेलंगाना राज्य विधान सभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार ने विधान सभा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में विधायक, विधान परिषद सदस्य, विधान सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु, चीफ मार्शल कर्णकर, अधिकारीयों और कर्मचारियों ने भाग लिया। सबसे पहले सभापति प्रसाद कुमार, विधान परिषद के सभापति श्री गुट्टा सुखेंदर रेड्डी, जिन्होंने बीआर अंबेडकर और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि अर्पित की, गणमान्य व्यक्तियां शामिल थे।

भारत को उपमानक उत्पादों से मुक्त करने के लिए एकजुट हों

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स के निदेशक पी वी श्रीकांत ने नागरिकों से देश की प्रगति को खतरे में डालने वाले उपमानक उत्पादों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी विकास यात्रा में आगे बढ़ते हुए, उपमानक उत्पादों के खतरे का सामना करना आवश्यक है ताकि हम एक मजबूत और जीवंत भारत-विकसित भारत बना सकें।

इस गुणवत्ता की खोज में नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए, श्रीकांत ने सभी से बीआईएस केयर ऐप को अपनाने का आग्रह किया, जो उत्पाद प्रामाणिकता को सत्यापित करने का एक शक्तिशाली उपकरण है। ऐसा करके, उपभोक्ता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे जो उत्पाद खरीदते हैं वे उच्चतम गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने आईएसआई मार्क, गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक, और हॉलमार्क्ड सोने के आभूषण, शुद्धता की गारंटी की महत्ता पर जोर दिया। श्रीकांत ने नागरिकों से बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से उपमानक उत्पादों की रिपोर्ट करने का भी आग्रह किया, जो गुणवत्ता पर एक सतर्क नजर है।

केबल चोरी के आरोप में आदतन अपराधी गिरफ्तार

सिद्दीपेट, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट में दो-टाउन पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया, जो मेदक और सिद्दीपेट जिलों में कृषि पंप सेटों से केबल चोरी करने के आदी थे। पुलिस ने आरोपी पर्वतम पोचैया, पर्वतम राजू, पर्वतम राकेश और करे कुमार के पास से 250 मीटर लंबा केबल तार, एक टीवीएस मोपेड और एक कटर जब्त किया है। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उन्हें रिमांड पर भेज दिया गया है।

जलक्षत्रिय समाज गंगापुत्र

(Regd. No. 621/94)

गंगापुत्र भवन, 14-10-1484, मछलीपुरा, चौराहा जिन्सी

हैदराबाद-500012 (तेलंगाना)

विशेष सूचना

जलक्षत्रिय समाज गंगापुत्र के सभी समाजवासियों को यह सूचना दी जाती है कि समाज की पंच कमेटी की ओर से आधिकारिक रूप से चुनाव की कोई भी घोषणा नहीं की गई है। समाज में चुनाव करवाने के लिए एक आम जनसभा करके चुनाव करवाने के लिए चुनाव कमेटी या अड़क कमेटी का गठन किया जाता है। परंतु सभी समाजवासियों को यह सूचना दी जाती है कि ऐसी कोई कमेटी का गठन अभी नहीं किया गया है आज कुछ लोगों द्वारा समाज विरोधी चुनाव का दुष्प्रचार किया जा रहा है ऐसे लोगों से आप सावधान रहे व कोई भी ऐसे समाज विरोधियों का समर्थन न करें।

अतः आप सभी समाजवासियों को यह जानकारी और निमंत्रण दिया जाता है कि समाज में आम जनसभा गणेशों में 11/09/2024 को समाज भवन में शाम 6:00 बजे की जा रही है और इस सभा में समाज की चुनाव कमेटी का गठन किया जाएगा और साथ ही चुनाव की रूपरेखा भी बनाई जाएगी आप सभी समाजवासियों से निवेदन है कि समय पर समाज भवन में उपस्थित होकर इस सभा को सफल बनाएँ।

महासचिव

सुदय सिंह

फोन 8106977652

PVMS

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.